केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

17 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

मालवा हेराल्ड

सुविचार

'अनुमान' गलत हो सकता है, पर 'अनुभव' कभी गलत नहीं होता क्योंकि, 'अनुमान' हमारे मन की कल्पना है और 'अनुभव' हमारे जीवन की सीख

वर्ष : 17 अंक : 94 | उज्जैन, रविवार 13 सितम्बर 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-1 रुपए

अन्नदाताओं को दी जा रही हैं आवश्यक सुविधाएं : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव बलराम कृषि महोत्सव छतरपुर में वर्चुअल रूप से जुड़े

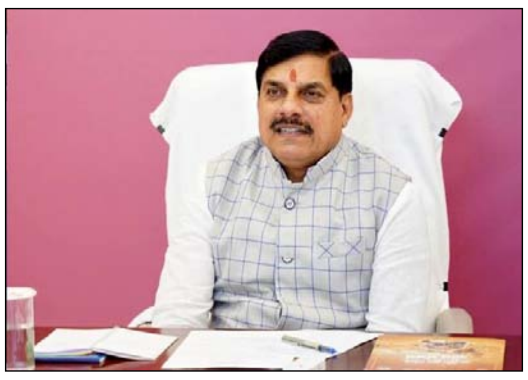

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि धरती पुत्र परिश्रम से फसल उगाते हैं, जो सभी को उपलब्ध होता है। अन्नदाता किसानों की समस्याओं को दूर कर उन्हें सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा रही हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव नई दिल्ली प्रवास के दौरान शनिवार को बलराम कृषि महोत्सव छतरपुर में वर्चुअल रूप से जुड़कर संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रगतिशील किसानों से संवाद भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बुंदेलखंड हीरों की धरती है। यहां की जमीन में हीरा निकलता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जिले में होने वाली पिपरमेंट की खेती का भी जिक्र किया। साथ ही फर्नीचर की क्वालिटी को बेहतर बताया। छतरपुर जिले के किसानों को रबी सीजन की फसलों की नवीनतम तकनीक, उन्नत कृषि पद्धतियों एवं आधुनिक कृषि संसाधनों की जानकारी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से हुए बलराम कृषि महोत्सव के रूप में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जनप्रतिनिधियों ने दीप जलाकर किया। छतरपुर में वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री श्री दिलीप अहिरवार, प्रशासक अपेक्स बैंक डॉ. महेन्द्र सिंह यादव, प्रशासक सहकारिता श्री के.पी. सिंह, विधायक राजनगर श्री अरविंद पटेरिया उपस्थित थे।

केन-बेतवा परियोजना से बुंदेलखंड के किसानों को मिलेगा सिंचाई का बड़ा लाभ- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रारंभ की गई केन-बेतवा लिंक परियोजना की सराहना करते हुए कहा कि इस महत्वाकांक्षी परियोजना से बुंदेलखंड सहित संबंधित क्षेत्रों के किसानों को सिंचाई का भरपूर लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि सिंचाई की सुविधा बढ़ने से कृषि क्षेत्र को नई गति मिलेगी और किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

मुख्यमंत्री ने आल्हा-ऊदल के प्रसंग का उल्लेख करते हुए बुंदेलखंड की वीरता और गौरवशाली परंपरा का वर्णन किया। उन्होंने किसानों एवं उपस्थित लोगों से सामाजिक आयोजनों में अनावश्यक खर्च कम करने तथा सामूहिक विवाह को बढ़ावा देने की अपील की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव को किसानों ने बताए कृषि क्षेत्र के नवाचार- मुख्यमंत्री डॉ. यादव को किसानों ने कृषि क्षेत्र के नवाचारों की जानकारी दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने छतरपुर जिले के प्रगतिशील किसान श्री सलीम खान से संवाद किया। श्री सलीम ने जैविक एवं प्राकृतिक खेती के साथ होलेस्टिक फार्मिंग एवं औषधीय फसल उत्पादन एवं कृषि के साथ अन्य कृषकों को प्राकुतिक खेती के लिए प्रोत्साहित करने के संबंध में मुख्यमंत्री डॉ. यादव को जानकारी दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को बिजावर निवासी कृषक श्री सौरभ भटनागर ने बताया कि वे जैविक एवं प्राकृतिक खेती के साथ फल और सब्जी उत्पादन कार्यक्रम तथा होलेस्टिक फार्मिंग (मुर्गी पालन, मछली पालन, बतख पालन) करते हैं। जनजाति समाज की श्रीमती हब्बीबाई ग्राम सलैया ने बताया कि उनके द्वारा कोदो, कुटकी, रागी, बाजरा, ज्वार एवं अन्य लघु धान्य फसलों का उत्पादन करते हुए प्रोसेसिंग के साथ बाजार में बेचा जाता है। ग्राम हतना निवासी श्री अनिल यादव ने बताया कि उन्होंने कस्टम हायरिंग केन्द्र की स्थापना की। ट्रैक्टर सहित कुल 6 यंत्र खरीदे। गत वर्ष अन्य किसानों को किराए पर यंत्र उपलब्ध करवाने से लगभग 5.50 लाख तक मुनाफा प्राप्त हुआ है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किसान श्रीमती तुलसा कुशवाहा निवासी लखनगुवां से भी संवाद किया। श्रीमती तुलसा ने बताया कि जैविक एवं प्राकृतिक खेती के साथ फसल और सब्जी उत्पादन, मुर्गी पालन, मछली पालन, बतख पालन आदि कर रहीं हैं जो उन्हें मुनाफा दे रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विभिन्न जनप्रतिनिधियों से भी संवाद किया।

प्रगतिशील किसान और मेधावी विद्यार्थी हुए सम्मानित- कार्यक्रम में वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री श्री दिलीप अहिरवार सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने जिले के 10 प्रगतिशील किसानों को प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया। साथ ही प्रावीण्य सूची में आए कृषकों के बच्चों को भी सम्मानित किया गया।

आधुनिक तकनीक और उन्नत कृषि पद्धतियों की जानकारी- बलराम कृषि महोत्सव में कृषि वैज्ञानिक एवं विषय विशेषज्ञ किसानों को रबी मौसम की प्रमुख फसलों की उन्नत किस्मों, नवीनतम कृषि तकनीक, बेहतर कृषि पद्धतियों, फसल प्रबंधन तथा समसामयिक कृषि विषयों की जानकारी दी गई। साथ ही किसानों को आधुनिक तकनीक अपनाकर उत्पादन और कृषि आय बढ़ाने के संबंध में भी मार्गदर्शन दिया गया।

उन्नत बीज, कृषि यंत्र और उर्वरक व्यवस्था के बारे में बताया गया- बलराम कृषि महोत्सव में किसानों के लिए विभिन्न विभागों एवं संस्थाओं द्वारा प्रदर्शनी और स्टॉल लगाए गए। इसमें नवीनतम बीज किस्मों, उन्नत कृषि यंत्रों, उर्वरकों के उपयोग एवं ई-विकास के माध्यम से उर्वरक वितरण सहित कृषि से संबंधित विभिन्न सुविधाओं की किसानों को जानकारी दी गई। इसके साथ ही उद्यानिकी, पशुपालन एवं कृषि अभियांत्रिकी विभाग द्वारा भी स्टॉल लगाकर निजी कृषि विक्रेताओं द्वारा कृषि उपयोगी सामग्री एवं तकनीकों से संबंधित प्रदर्शनी के माध्यम से किसानों को जानकारी उपलब्ध करवाई गई।

न्यूज ब्रीफ

पाकिस्तान से आए 2.50 करोड़, पुलवामा हमले में भी तुम्हारा नाम, CBI का अफसर बन रिटायर्ड अधिकारी से ऐंठी मोटी रकम

लखनऊ/ जीएनएस। साइबर जालसाजों ने राजाजीपुरम में रहने वाले परिवहन विभाग के सेवानिवृत्त क्षेत्रीय प्रबंधक को सात दिन डिजिटल अरेस्ट रखा। उनके खाते में पाकिस्तान से 2.50 करोड़ रुपये आने और पुलवामा आतंकी हमले के मुकदमे में फंसाने की धमकी देकर 19 लाख रुपये ठग लिए। पीड़ित ने मामले की साइबर सेल और पुलिस से शिकायत की। एफआईआर के मुताबिक, जालसाजों ने एक सितंबर को पीड़ित बैकुंठ नाथ मिश्र को फोन कर बताया गया कि उनके आधार नंबर का इस्तेमाल कर मुंबई से सिम खरीदा गया और उससे बैंक खाता खोलकर मनी लांड्रिंग की गई। जालसाज ने दावा किया कि उक्त खाते में पाकिस्तान से 2.50 करोड़ रुपये आए हैं और 25 लाख रुपये कमीशन लिया गया है। पुलवामा आतंकी घटना से जुड़े एक आतंकवादी के पकड़े जाने और उसके माध्यम से उनका नाम सामने आया है। इसके बाद आरोपितों ने पुलिस की वर्दी में वीडियो काल कर डराया। एफडी तोड़वाकर नौ लाख भेजपुलिस महानिदेशक और सीबीआइ अधिकारी बताकर वीडियो काल की और जांच में सहयोग के नाम पर नौ लाख रुपये ट्रांसफर करने को कहा। पीड़ित ने सवाधि जमा यानी एफडी तोड़वाकर नौ लाख रुपये भेज दिए। बाद में जालसाजों का फोन नहीं आया तो पीड़ित को ठगी का अहसास हुआ। उन्होंने साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत की। साइबर क्राइम थाने में 11 सितंबर को मुकदमा दर्ज हुआ।

रिस्क लेना होगा... निवेशकों का भरोसा जीतना चुनौती, बंगाल में इंडस्ट्री से जुड़ी समस्याओं पर बोले वित्त मंत्री स्वपन दासगुप्ता

कोलकाता/ जीएनएस। बंगाल के वित्त मंत्री स्वपन दासगुप्ता ने पूर्ववर्ती वाममोर्चा व तृणमूल कांग्रेस सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि पूर्व प्रभाव से औद्योगिक प्रोत्साहनों को वापस लेने और जोखिम उठाने से बचने की संस्थागत प्रवृत्ति ने राज्य की औद्योगिक छवि और विश्वसनीयता को नुकसान पहुंचाया है। नए उद्योगों और निवेश को आकर्षित करने के लिए बंगाल को अपनी छवि सुधारने के साथ निवेशकों का भरोसा फिर से जीतना होगा। उन्होंने राज्य में उद्योगों के पुनरुत्थान की उम्मीद भी जताई। दासगुप्ता ने गुरुवार को चिंतन रिसर्च फाउंडेशन की ओर से यहां बंगाल चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री सभागार में आयोजित 'व्यापार, निवेश और उद्यम- बंगाल की नई विकास यात्रा' विषयक वार्ता सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि 1970 के दशक के शुरुआती वर्षों तक बंगाल आर्थिक विकास में अग्रणी राज्यों में था, लेकिन इसके बाद स्थिति बदली। उन्होंने कहा कि एक समय उद्योगों को प्रोत्साहन दिए गए, लेकिन बाद में उन्हें पूर्व प्रभाव से वापस ले लिया गया। इससे राज्य की छवि को गंभीर नुकसान पहुंचा। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रभाव से प्रोत्साहन वापस लेने का असर बंगाल की छवि पर उतना ही नुकसानदेह रहा, जितना सिंगुर का मामला। वित्त मंत्री ने कहा कि आज जब राज्य सरकार उद्योगपतियों से बंगाल में आकर इकाइयां स्थापित करने की अपील करती है, तो निवेशक राज्य की विश्वसनीयता को लेकर सवाल उठाते हैं। उन्होंने कहा कि इस समस्या का समाधान करना जरूरी है। हालांकि राज्य के सामने कई बाधाएं हैं, लेकिन इन्हें दूर किया जा सकता है। दासगुप्ता ने जोखिम से बचने की प्रवृत्ति को भी बड़ी चुनौती बताया। उनके अनुसार, जोखिम लेने को लेकर संस्थागत स्तर पर बनी हिचकिचाहट का असर समाज के साथ-साथ नौकरशाही के एक हिस्से पर भी पड़ा है। उन्होंने इसे बंगाल के औद्योगिक विकास की राह में बड़ी समस्या बताया। चिंतन रिसर्च फाउंडेशन की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में उद्योग, निवेश और उद्यमिता के जरिए राज्य के आर्थिक विकास को नई दिशा देने पर चर्चा हुई।

आतंकवाद, व्यापार, टैरिफ और युद्ध... ब्रिक्स का दिल्ली डिक्लेरेशन जारी, पहलगाम हमले की हुई निंदा

नई दिल्ली/ जीएनएस। नई दिल्ली में आयोजित 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में नई दिल्ली घोषणापत्र 2026 को सर्वसम्मति से मंजूरी मिल गई है। पीएम मोदी ने BRICS के सदस्य देशों के सामने घोषणा का मसौदा रखा और पूछा कि क्या किसी देश को इस पर कोई आपत्ति है, किसी भी सदस्य देश ने आपत्ति नहीं जताई, जिसके बाद इसे सर्वसम्मति से स्वीकार कर लिया गया

इस घोषणापत्र का मुख्य फोकस नवीकरणीय ऊर्जा सहयोग, एकतरफा व्यापारिक बाधाओं पर चिंता, आतंकवाद की रोकथाम और वैश्विक विवादों को बातचीत के जरिए सुलझाने पर है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि नई दिल्ली घोषणा पत्र ने ब्रिक्स देशों के साझा संकल्प को आगे बढ़ाने की साफ दिशा तय कर दी है। अब असली जिम्मेदारी इन फैसलों को जमीन पर उतारने की है। उन्होंने कहा कि सिर्फ घोषणाएं करने से काम नहीं चलेगा, बल्कि उन्हें ठोस नतीजों में बदलना होगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इस घोषणापत्र में संघर्ष की रोकथाम और विवादों के शांतिपूर्ण समाधान, मजबूत बहुपक्षवाद और एकतरफा व्यापार उपायों पर चिंताओं पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

आतंकवाद पर कड़ा रुख- ब्रिक्स डिक्लेरेशन में सीमा पार आतंकवाद, टेरर फंडिंग और आतंकी पनाहगाहों सहित आतंकवाद के सभी रूपों की कड़ी निंदा की गई है। शिखर सम्मेलन में 22 अप्रैल 2025 को जम्मू-कश्मीर में हुए आतंकवादी हमले की निंदा की गई। सदस्य देशों ने आतंकवाद के खिलाफ zero-tolerance नीति अपनाने, दोषियों की जवाबदेही तय करने और अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद पर संयुक्त राष्ट्र के व्यापक सम्मेलन को जल्द से जल्द पारित करने का आह्वान किया।

दिल्ली डिक्लेरेशन की महत्वपूर्ण बातें- BRICS देशों ने जंग और टकराव रोकने की कोशिशों को तेज करने की जरूरत बताई।

IAS पूजा सिंघल की याचिका पर सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली/ जीएनएस। सुप्रीम कोर्ट 15 सितंबर को आइएएस अधिकारी पूजा सिंघल की उस याचिका पर सुनवाई करेगा, जिसमें उन्होंने झारखंड हाई कोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी है, जिसमें उन्होंने मनी लांड्रिंग मामले में संज्ञान आदेश को रद करने की उनकी याचिका खारिज कर दी थी।

इस मामले की सुनवाई भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जायमाल्य बागची और वी मोहना की पीठ द्वारा किए जाने की संभावना है।

झारखंड खान विभाग की पूर्व सचिव सिंघल को ईडी ने 11 मई 2022 को केंद्र सरकार की प्रमुख ग्रामीण रोजगार योजना मनरेगा के कार्यान्वयन में कथित तौर पर 18 करोड़ रुपये के घोटाले के सिलसिले में उनसे जुड़ी संपत्तियों पर छापेमारी के बाद गिरफ्तार किया था। 2000 बैच की आइएएस अधिकारी, जो दो साल से अधिक समय से जेल में थीं, को जमानत मिलने के बाद उनका निलंबन रद कर दिया गया।

बेंगलुरु जेल में प्रज्वल रेवन्ना के फोन में मिले सैकड़ों अश्लील वीडियो, पेन ड्राइव से फिल्में और वेब सीरीज बरामद

बेंगलुरु/ जीएनएस। फोरेंसिक जांच में पता चला है कि पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना से जब्त मोबाइल फोन में सैकड़ों अश्लील वीडियो मिले हैं, जबकि पेन ड्राइव में फिल्में और वेब सीरीज थीं। 11 अगस्त को परप्पना अग्रहारा केंद्रीय जेल में अचानक निरीक्षण दौरान ये चीजें जब्त की गई थीं।

रेवन्ना पिछले महीने जेल में स्मार्टफोन का इस्तेमाल करते पकड़ा गया था और बाद में सामने आए एक वीडियो में वह कैजुअल कपड़ों में किसी से फोन पर बात करते दिखाई दिया। जेल में केंद्रीय अपराध शाखा द्वारा चार से पांच घंटे तक चली तलाशी के दौरान रेवन्ना की बैरक से फोन और अन्य उपकरण जब्त किए गए। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि जब्त मोबाइल फोन से सैकड़ों अश्लील वीडियो मिले हैं। हालांकि, पूछताछ के दौरान रेवन्ना ने फोन के अपने होने से इनकार किया। उसने कहा कि अन्य कैदी भी फोन का इस्तेमाल करते थे और यह उन्हें बारी-बारी से मिलता था।

अधिकारी ने बताया कि उन्होंने अश्लील वीडियो डाउनलोड करने से भी इनकार किया। उससे जब्त नोटबुक में परिवार के सदस्यों और परिचितों के संपर्क नंबर थे।

कॉल लॉग से पता चला कि रेवन्ना ने मध्यस्थों के माध्यम से परिवार के सदस्यों के साथ अनधिकृत संचार किया, साथ ही एक महिला मित्र को सीधे काल भी किए, जिसे उसने पूछताछ के दौरान स्वीकार किया। पुलिस जल्द ही उन सभी को नोटिस जारी करेगी, जिनके नंबर काल हिस्ट्री में दर्ज हैं।

अल नीनो का कहरः सूखे की चपेट में देश के 218 जिले, कृषि पर मंडरा रहा संकट

पुणे/ जीएनएस। देशभर के करीब 218 जिलों में सूखे के हालात बनते जा रहे हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग का स्टैंडर्डाइज्ड प्रेसिपिटेशन इंडेक्स इन्हें मध्यम, गंभीर या बहुत ज्याद सूखे वाली श्रेणियों में रखता है।

2023 में भी ऐसे हालात बने थे, लेकिन तब भी 17 अगस्त से 13 सितंबर, 2023 के बीच इन श्रेणियों में 188 जिले दर्ज किए गए थे। वहीं इस साल 13 अगस्त से 9 सितंबर, 2026 के बीच चार हफ्तों में 218 जिले मध्यम, गंभीर या बहुत ज्यादा सूखे वाली श्रेणी में आ गए हैं। हालांकि, 2023 में सूखे वाली श्रेणी में जिलों की कुल संख्या 469 थी। वहीं इस बार ये संख्या घटकर इस साल 454 हो गई है। इससे पता चलता है कि सामान्य से कम बारिश वाले ज्यादा जिले अब ज्यादा गंभीर बारिश की कमी का सामना कर रहे हैं और इसलिए दूसरी श्रेणियों में चले गए हैं। ढ्स्ब्ठ के नक्शे के अनुसार, महाराष्ट्र के मराठवाड़ा और विदर्भ क्षेत्रों के साथ-साथ गुजरात, आंध्र प्रदेश, राजस्थान और मेघालय के कई जिलों और पंजाब-हरियाणा के कुछ हिस्सों में सूखे जिलों की मौजूदगी साफ देखी जा सकती है।

दूसरी ओर, मध्यम, गंभीर और बहुत ज्यादा बारिश वाली श्रेणियों में जिलों की संख्या 2023 में 58 से बढ़कर इस साल 86 हो गई है, जो बारिश के दोनों चरम स्तरों में तेजी से बदलाव की ओर इशारा करता है।

टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, ढ्स्ब्ठ पुणे में क्लाइमेट एप्लीकेशन और यूजर इंटरफेस के प्रमुख डॉ. सत्यबान बिशोयी रत्ना ने कहा, मध्यम सूखे, गंभीर सूखे और बहुत ज्यादा सूखे वाली श्रेणियों में आने वाले जिलों को हाल की बारिश के लिहाज से सूखे जैसे हालात का सामना करने वाला माना जा सकता है और ऐसे हालात खेती और जल संसाधनों पर असर डाल सकते हैं।

हम एक-दूसरे की खूबियों से सीख सकते हैं, पीएम मोदी के साथ द्विपक्षीय बैठक में बोले चिनफिंग

नई दिल्ली/ जीएनएस। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी चिनपिंग के बीच महत्वपूर्ण द्विपक्षीय वार्ता हुई। इस दौरान चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने दोनों देशों के रिश्तों को रणनीतिक दृष्टिकोण से आगे बढ़ाने पर जोर देते हुए कहा कि भारत और चीन एक-दूसरे की खूबियों से सीखकर साझा विकास की ओर बढ़ सकते हैं।

चीनी राष्ट्रपति चिनफिंग सात साल बाद शनिवार को भारत आए हैं। चिनफिंग ने पीएम मोदी से सीमा संबंधी मुद्दों, व्यापार और निवेश पर बातचीत की।

एक बार फिर भारत में स्वागत- इस दौरान पीएम मोदी ने कहा, आपका हार्दिक स्वागत करते हुए मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में आपकी सकारात्मक टिप्पणियों के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता के दौरान चीन से प्राप्त समर्थन और सहयोग के लिए मैं आभार व्यक्त करता हूं। अब हमारे पास द्विपक्षीय सहयोग पर चर्चा करने का अवसर है। एक बार फिर, भारत में आपका हार्दिक स्वागत है।

चीनी राष्ट्रपति चिनफिंग ने कहा कि उन्हें भारत आने का निमंत्रण उनके जन्मदिन 15 जून को मिला। हम पीएम मोदी से 21 बार मिल चुके हैं और कई महत्वपूर्ण समझौतों पर पहुंचे हैं, जिन्होंने चीन-भारत संबंधों को निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर किया है। चिनफिंग ने आगे कहा, चीन ने हमेशा भारत के साथ अपने संबंधों को रणनीतिक और दीर्घकालिक दृष्टिकोण से देखा और विकसित किया है। हालांकि, हमारे दोनों देशों की राष्ट्रीय परिस्थितियां भिन्न हैं, फिर भी हम एक-दूसरे की खूबियों से पूर्णतः सीख सकते हैं, एक-दूसरे का समर्थन कर सकते हैं, साथ मिलकर सफलता प्राप्त कर सकते हैं और साझा विकास की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं।

भारत घर जैसा लगता है, यहां मिला अपनापन, वैश्विक पत्रकारों ने आतिथ्य सत्कार को सराहा

नई दिल्ली/ जीएनएस। नई दिल्ली में आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन को कवर करने पहुंचे विदेशी पत्रकारों ने भारत की मेहमाननवाजी और संस्कृति की भूरी-भूरी प्रशंसा की है। दुनिया के अलग-अलग कोनों से आए इन मीडियाकर्मियों का कहना है कि एक अरब से अधिक की आबादी वाले इस देश में होने के बावजूद उन्हें कभी यह अहसास नहीं हुआ कि वे अपने घर से दूर हैं।

भारत की आत्मीयता ने उन्हें ऐसा अपनापन दिया कि हर कोई यहां की संस्कृति, खान-पान और विकास की गति का मुरीद हो गया। %करोड़ों की भीड़ में भी नहीं हुआ खोने का अहसास% टीवी ब्रिक्स अफ्रीका की मेलिसा हालो ने अपने पहले भारत दौरे को बेहद खूबसूरत अनुभव बताया। उन्होंने कहा कि शिखर सम्मेलन से पहले मंदिरों के दर्शन और स्थानीय सैर के दौरान उन्हें अद्भुत शांति का अनुभव हुआ। करोड़ों लोगों की आबादी के बीच भी उन्हें जरा भी अजनबीपन महसूस नहीं हुआ क्योंकि यहां के लोग बेहद मददगार हैं। वहीं, इसी मीडिया संस्थान के शाद्रक हालो ने भारतीय व्यंजनों की तारीफ करते हुए कहा कि तंदूरी चिकन समेत हर एक बाइट उनके लिए स्वादिष्ट और रंगीन अनुभव रही।

खलीज टाइम्स की वरिष्ठ पत्रकार अलिया मोहम्मद ओबैद अली अल धन्हानी ने भी ब्रिक्स सम्मेलन के शानदार और सुव्यवस्थित आयोजन के साथ-साथ भारतीय आतिथ्य की खुलकर सराहना की।

दक्षिण अफ्रीका के अन्य पत्रकारों ने भी भारत में आरामदायक प्रवास और हर कदम पर मिलने वाले स्वागत की प्रशंसा की। पहली बार भारत आई मलेशियाई पत्रकार यास्मीन नताशा देश की आर्थिक तरक्की और तेजी से फैलते परिवहन तंत्र को देखकर हैरान रह गईं।

इसके अलावा, इंडोनेशियाई पत्रकार मेगा मेई वाहिदावती ने दोनों देशों के बीच प्राचीन और गहरे सांस्कृतिक रिश्तों को रेखांकित किया।

संभागायुक्त भास्कर लाक्षाकार ने सिंहस्थ के कार्यों की प्रगति के लिए बुलाई 15 विभागों की संयुक्त समन्वय बैठक

रुके कार्यों की अड़चने दूर करने के लिए नगर निगम आयुक्त हर माह करेंगे समन्वय बैठक

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। संभागायुक्त श्री भास्कर लाक्षाकार ने आज सिंहस्थ -2028 से पूर्व विकास कार्यों में जुटे 15 विभागों के साथ कलेक्टर कार्यालय में संयुक्त समन्वय बैठक की। बैठक में उन्होंने कहा कि एक बार विकास कार्य हो जाने के बाद उस कार्य को अन्य विभाग के कार्य के लिए तोड़ना ना पड़े, इसके लिए ऐसा समन्वय जरूरी है जिससे कार्य समय सीमा के साथ ही गुणवत्ता पूर्ण हो सके। इसलिए विभाग प्रमुख के साथ ही विभागों के तकनीकी अधिकारियों का समन्वय बेहतर रहे। इस दौरान संभागायुक्त श्री लाक्षाकार ने निर्देश दिए कि नगर निगम क्षेत्र में कार्य कर रहे विभागों के साथ नगर निगम आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल हर माह विभागों की संयुक्त समन्वय बैठक आयोजित करेंगे।

बैठक में उन्होंने निर्देश दिए कि सिंहस्थ से संबंधित सभी कार्यों को प्राथमिकता के साथ समय-सीमा में पूर्ण किया जाए। सिंहस्थ के साथ-साथ अन्य विकास कार्य भी प्रभावित न हों, इसके लिए सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें और निर्माण कार्यों में आ रही अड़चनों का तत्काल निराकरण सुनिश्चित करें।

निर्माण कार्य एजेंसी वैकल्पिक मार्ग सुनिश्चित करें, आम नागरिकों को समुचित मार्ग दे - संभागायुक्त श्री लाक्षाकार

संभागायुक्त श्री लाक्षाकार ने कहा कि निर्माण कार्य से जुड़े विभाग खासकर सड़क निर्माण कार्य को शुरू करने के पूर्व वैकल्पिक मार्ग का निर्माण सुनिश्चित करें ताकि नागरिकों और वाहन चालकों को परेशानी न आए। सभी विभागों में आपसी समन्वय जरूरी है। वैकल्पिक मार्ग का आवश्यक होने पर निर्धारण के साथ ही निर्माण भी करे। ताकि विकास पूर्ण होने तक उपयोगी बना रहे।

इंदौर में सिंहस्थ से पूर्व 23 सड़के होगी पूर्ण- बैठक में नगर निगम आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल ने बताया कि नगर निगम द्वारा सिंहस्थ के मद्देनजर किए जा रहे सड़क निर्माण कार्यों की जानकारी दी गई। निगम द्वारा लगभग 23 प्रमुख सड़कों पर कार्य किया जा रहा है। इन कार्यों को अगस्त 2027 तक पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। इनमें से कुछ सड़क निर्माण कार्य इसी वर्ष अक्टूबर माह अथवा उसके आसपास पूर्ण किए जाने की संभावना है।

बैठक में इंदौर विकास प्राधिकरण द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा के दौरान MR-11 एवं MR-12 मार्गों की प्रगति की जानकारी दी गई। MR-11 मार्ग की लगभग 3.5 किलोमीटर लंबाई तथा MR-12 मार्ग की लगभग 9 किलोमीटर लंबाई के कार्यों पर चर्चा की गई। MR-12 पर प्रस्तावित रिवर ब्रिज सहित अन्य कार्यों के संबंध में भी आवश्यक समन्वय एवं कार्य प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में स्मार्ट सिटी के अंतर्गत संचालित विभिन्न विकास कार्यों की प्रगति की भी समीक्षा की गई। अधिकारियों ने बताया कि कार्यों को गति देने के लिए नगर निगम सहित अन्य संबंधित विभागों के साथ निरंतर समन्वय किया जा रहा है।

बैठक में रेलवे विभाग के कार्यों की समीक्षा के दौरान राजेन्द्र नगर ROB, केसरबाग ROB तथा लक्ष्मीबाई नगर ROB से संबंधित प्रकरणों पर चर्चा हुई। राजेन्द्र नगर ROB के कार्य के लिए नगर निगम की पेयजल लाइन शिफ्ट किए जाने की आवश्यकता बताई गई। इस संबंध में नगर निगम से निरंतर समन्वय किया जा रहा है। केसरबाग ROB के निर्माण कार्य में अतिक्रमण के कारण आ रही बाधा पर भी चर्चा की गई। संभागायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि लंबित अड़चनों का शीघ्र निराकरण कर कार्य को गति दी जाए। उन्होंने नगर निगम आयुक्त को स्थल निरीक्षण कर प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

संभागायुक्त श्री लाक्षाकार ने लक्ष्मीबाई नगर ROB के संबंध में कहा कि निर्माण कार्यों के दौरान नागरिकों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जाए। नागरिकों के आवागमन के लिए वैकल्पिक मार्गो की जानकारी स्पष्ट रूप से उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों के कारण नागरिकों को अनावश्यक परेशानी न हो, यह भी संबंधित विभागों की जिम्मेदारी है। लक्ष्मीबाई नगर ROB से संबंधित कार्यों में रेलवे एवं लोक निर्माण विभाग के स्तर पर आवश्यक समन्वय तथा भोपाल स्तर पर लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए गए।

बैठक में लोक निर्माण विभाग द्वारा इंदौर, खरगोन एवं ओंकारेश्वर क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की गई। अधिकारियों ने बताया कि कुल सात कार्यों में से पांच कार्य पूर्ण हो चुके हैं। संभागायुक्त ने शेष कार्यों में आ रही अड़चनों की पहचान कर उनका निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम द्वारा सिंहस्थ से संबंधित चार प्रमुख कार्य किए जा रहे हैं। इनमें मुसाखेड़ी, देवास नाका, क्रिस्टल पार्क एवं सत्य साई क्षेत्र में छह लेन फ्लायओवर से संबंधित कार्य शामिल हैं। इन कार्यों को दिसम्बर 2026 तक पूर्ण करने का लक्ष्य है।

संभागायुक्त श्री लाक्षाकार ने कहा कि इन कार्यों में भारी मशीनरी का उपयोग होना है, इसलिए आगामी समय में आने वाली संभावित कठिनाइयों का पूर्व आकलन कर कार्ययोजना तैयार की जाए। संबंधित विभागों के साथ समन्वय कर कार्यों को इस प्रकार संचालित किया जाए कि यातायात एवं नागरिक सुविधाएं प्रभावित न हों।

बैठक में नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण द्वारा ओंकारेश्वर क्षेत्र में घाटों के निर्माण एवं विकास से संबंधित कार्यों की भी समीक्षा की गई। अधिकारियों ने आठ घाटों से संबंधित कार्यों की जानकारी दी, जिनमें ओंकारेश्वर क्षेत्र में छह तथा नवघाटखेड़ी क्षेत्र में दो घाटों के कार्य शामिल हैं।

संभागायुक्त श्री लाक्षाकार ने मेट्रो रेल परियोजना के अंतर्गत विभिन्न स्थानों पर चल रहे कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए गए। मल्हारगंज पुलिस थाने को नई बिल्डिंग में शिफ्ट किए जाने के संबंध में भी चर्चा हुई। उन्होंने राजवाड़ा क्षेत्र में शिवाजी मार्केट की 16 दुकानों से संबंधित प्रकरण, रेलवे स्टेशन निर्माण, पलासिया स्टेशन तथा पुलिस क्वार्टर की भूमि से जुड़े विषयों पर भी अधिकारियों के साथ चर्चा की गई। संबंधित प्रकरणों के निराकरण के लिए आवश्यक समन्वय करते हुए एक सप्ताह में स्थिति स्पष्ट करने के निर्देश दिए गए।

कार्य पूरा होने पर बैरिकेटिंग ज्ञान के साथ ही क्षतिग्रस्त हुए विकास कार्य या सड़क की व्यवस्थित करने की जिम्मेदारी भी ले - संभागायुक्त श्री लाक्षाकार संभागायुक्त श्री लाक्षाकार ने कहा कि जहां बैरिकेडिंग की गई है, वहां कार्य में तेजी लाई जाए तथा कार्य पूर्ण होने के बाद स्थान को शीघ्र व्यवस्थित किया जाए। निर्माण कार्य के दौरान क्षतिग्रस्त हुई सड़कों एवं अन्य नागरिक सुविधाओं को दुरुस्त करते समय गुणवत्ता एवं व्यवस्थित निर्माण का विशेष ध्यान रखा जाए। मेट्रो रेल के रोबोट चौराहे से खजराना तक के कार्य को दीपावली तक पूर्ण करने का लक्ष्य भी अधिकारियों द्वारा बताया गया।

बैठक में संभागायुक्त श्री लाक्षाकार ने सभी विभागों से कहा कि सिंहस्थ से जुड़े प्रत्येक कार्य को समयबद्धता, गुणवत्ता और आपसी समन्वय के साथ पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों के दौरान नागरिक सुविधाओं एवं यातायात व्यवस्था का विशेष ध्यान रखते हुए संभावित समस्याओं का पूर्व में ही समाधान किया जाए, ताकि सिंहस्थ की तैयारियां सुचारू रूप से आगे बढ़ सकें।

संभागायुक्त श्री लाक्षाकार ने करीब 15 से अधिक विभागों के साथ की समन्वय बैठक- संभागायुक्त श्री लाक्षाकार ने स्मार्ट सिटी, नगर निगम,मप्र पर्यटन,रेलवे, मेट्रो,पीआईयू, पीडब्ल्यूडी भवन, मप्र पुलिस हाउसिंग, नेशनल हाईवे, नेशनल हाइवे अथॉरिटी, एमपीआरडीसी, मप्र भवन विकास निगम,नगरीय प्रशासन,नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण,पीएमजीएसवाई आदि विभागों की समन्वय बैठक ली।

बैठक में कलेक्टर श्री शिवम वर्मा, निगमायुक्त श्री क्षितिज सिंघल, अपर कलेक्टर श्री रिंकेश वैश्य, स्मार्ट सिटी कंपनी के सीईओ श्री अर्थ जैन, स्वास्थ्य विभाग के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री माधव प्रसाद हसानी, सभी अनुविभागीय अधिकारी सहित नगर निगम, रेलवे, मेट्रो, आईडीए, लोक निर्माण विभाग, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, एमपीआरडीसी के इंजीनियर, लोक स्वास्थ्य एवं यांत्रिकी विभाग, श्रम विभाग सहित अन्य विभागों के संयुक्त संचालक एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

नेशनल लोक अदालत में आपसी सुलह से 241 मामलों का हुआ निराकरण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली के निर्देशानुसार एवं म.प्र. उच्च न्यायालय खण्डपीठ इंदौर के प्रशासनिक न्यायाधिपति श्री सुबोध अभ्यंकर के आदेशानुसार म.प्र. उच्च न्यायालय खण्डपीठ इन्दौर में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। नेशनल लोक अदालत के समक्ष सिविल (एम.ए.सी.टी.आदि), रिट, क्रिमिनल एवं अन्य प्रकृति के कुल 537 प्रकरणों को सुनवाई हेतु रखा गया था जिसमें से कुल 241 प्रकरण निराकृत किये जाकर लगभग 3 करोड़ 19 लाख 04 हजार 921 रुपये के अवार्ड पारित हुए, उक्त प्रकरणों के निराकरण से 1170 पक्षकार लाभान्वित हुए। वर्ष 2026 की तृतीय नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ शनिवार उच्च न्यायालय खण्डपीठ इन्दौर के सभागार में प्रशासनिक न्यायाधिपति श्री सुबोध अभ्यंकर, न्यायाधिपति श्री राजेन्द्र कुमार वाणी एवं न्यायाधिपति श्री जय कुमार पिल्लई द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर श्री अनूप कुमार त्रिपाठी,प्रिंसिपल रजिस्ट्रार, श्री नीरज मालवीय ,विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी,श्री मनीष यादव ,अध्यक्ष, उच्च न्यायालय अधिवक्ता संघ, श्री मनीष गढ़कर सचिव उच्च न्यायालय अधिवक्ता संघ,खण्डपीठ के सदस्य अधिवक्ता श्री निशित विशर्ड,अधिवक्ता सुश्री निधि बोहरा सहित अन्य अधिवक्तागण, बीमा कंपनियों के अधिकारीगण, उच्च न्यायालय एवं उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति के अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे। न्यायाधिपतिगण द्वारा कांफ्रेंस हॉल में उपस्थित सभी व्यक्तियों को नेशनल लोक अदालत की शुभकामनाएं प्रेषित की गई । नेशनल लोक अदालत में उच्च न्यायालय खण्डपीठ इन्दौर की ओर से प्रकरणों को सुनवाई हेतु न्यायाधिपति श्री राजेन्द्र कुमार वाणी व न्यायाधिपति श्री जय कुमार पिल्लई की खण्डपीठों के समक्ष रखा गया जिसमें खण्डपीठों द्वारा 241 प्रकरणों का सफलतापूर्वक निराकरण किया गया।

अवैध मदिरा परिवहन के विरुद्ध आबकारी विभाग की कार्रवाई

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के आदेश एवं सहायक आयुक्त आबकारी श्री अभिषेक तिवारी के निर्देशानुसार जिले में अवैध मदिरा के निर्माण, परिवहन एवं विक्रय के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में कंट्रोलर श्री कमलेश सोलंकी तथा डिप्टी कंट्रोलर एवं वृत्त राजमोहल्ला के सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्री मनोज अग्रवाल के नेतृत्व में आज वृत्त राजमोहल्ला क्षेत्र में अवैध मदिरा के विरुद्ध कार्रवाई की गई। आबकारी विभाग के वृत्त उप निरीक्षक श्रीमती मीना माल एवं टीम द्वारा गश्त के दौरान भूतेश्वर मंदिर के पास पंचकुईया रोड क्षेत्र में शंका के आधार पर दोपहिया वाहन क्रमांक MP09AK7247 (स्कूटी) को रोककर तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान स्कूटी के आगे रखे कपड़े के झोले से 55 पाव देशी मदिरा तथा वाहन की डिक्की से 60 पाव प्लेन देशी मदिरा बरामद की गई। कुल 20.7 बल्क लीटर अवैध मदिरा बरामद की गई। आबकारी विभाग की टीम द्वारा अवैध मदिरा एवं परिवहन में प्रयुक्त वाहन को विधिवत जप्त करते हुए आरोपी विनय पिता सीताराम, उम्र 19 वर्ष, निवासी भागीरथपुरा इंदौर को मौके से गिरफ्तार किया गया। आरोपी के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम, 1915 की धारा 34(1)(क) के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। कार्रवाई के दौरान जप्त की गई अवैध मदिरा एवं वाहन की कुल अनुमानित कीमत 1 लाख 3 हजार 625 रुपये है। आबकारी विभाग द्वारा अवैध मदिरा के विरुद्ध अभियान निरंतर जारी रहेगा।

राष्ट्रीय लोक अदालत में 24 प्रकरणों का निराकरण

लगभग 50 लाख 23 हजार 122 लाख रुपये के अवॉर्ड पारित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोषण आयोग क्रमांक-एक, इंदौर में आज राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। आयोग की अध्यक्ष सुश्री जसवीर कौर सासन के मार्गदर्शन में आयोजित लोक अदालत में उपभोक्ता विवादों से संबंधित प्रकरणों का आपसी सहमति एवं राजीनामे के आधार पर निराकरण किया गया।

राष्ट्रीय लोक अदालत के दौरान आयोग क्रमांक-एक में कुल 24 प्रकरणों का निराकरण किया गया। इन प्रकरणों में पक्षकारों के मध्य आपसी सहमति से विवादों का समाधान कर प्रकरणों का अंतिम रूप से निराकरण किया गया।

लोक अदालत में निराकृत प्रकरणों में कुल लगभग 50,23,122/- (पचास लाख तेईस हजार एक सौ बाईस रुपये) राशि के अवॉर्ड पारित किए गए। इस प्रकार राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से पक्षकारों को त्वरित एवं सौहार्दपूर्ण ढंग से विवादों के समाधान का लाभ प्राप्त हुआ।

जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोषण आयोग क्रमांक-एक की अध्यक्ष सुश्री जसवीर कौर सासन ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन उपभोक्ता विवादों के त्वरित, सरल एवं आपसी सहमति से समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। आयोग द्वारा पक्षकारों को आपसी सहमति एवं राजीनामे के माध्यम से विवादों का समाधान करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

देपालपुर न्यायालय परिसर में निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं औषधि वितरण शिविर आयोजित

न्यायिक अधिकारी, कर्मचारी, अधिवक्तागण एवं उनके परिजनों को मिला स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के निर्देशों के पालन में तहसील विधिक सेवा समिति, सिविल न्यायालय देपालपुर एवं खण्ड चिकित्सा अधिकारी, विकासखण्ड देपालपुर के संयुक्त तत्वावधान में देपालपुर न्यायालय परिसर में निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण, चिकित्सकीय परामर्श एवं औषधि वितरण शिविर आयोजित किया गया।

शिविर में न्यायालय परिसर के समस्त न्यायिक अधिकारीगण, कर्मचारीगण, अधिवक्तागण एवं उनके परिजनों के स्वास्थ्य का परीक्षण कर उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श प्रदान किया गया। आयुर्वेदिक चिकित्सकों द्वारा विभिन्न रोगों से संबंधित स्वास्थ्य परीक्षण एवं परामर्श के साथ आवश्यक औषधियों का निःशुल्क वितरण भी किया गया।

जिला आयुष अधिकारी डॉ. हंसा बारिया ने बताया कि शिविर में न्यायाधीश श्री हिदायतुल्लाह खान, न्यायाधीश श्रीमती रिजवाना कौशर, न्यायाधीश सुश्री दिव्या श्रीवास्तव, अभिभाषक संघ अध्यक्ष श्री अंतरसिंह मौर्य तथा एसडीओपी श्री संघप्रिय सम्राट की उपस्थिति रही। शिविर में नोडल अधिकारी डॉ. सोनाली ठाकुर, डॉ. गौरव जोशी, शासकीय आयुर्वेद औषधालय सगरोद की चिकित्सकीय टीम तथा डॉ. ईशा मालवीय, शासकीय आयुर्वेद औषधालय सुमठा सहित स्टाफ के श्री राजेश पटेल, श्री सुनील कलमे आदि ने उपस्थित रहकर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कीं।

शिविर के माध्यम से कुल 103 रोगियों को स्वास्थ्य परीक्षण, चिकित्सकीय परामर्श एवं औषधियों का लाभ प्रदान किया गया। शिविर में उपस्थित न्यायिक अधिकारीगण एवं अधिवक्तागण ने निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए तहसील विधिक सेवा समिति एवं आयुष विभाग के प्रति आभार व्यक्त किया।

प्रभारी महापौर द्वारा निरीक्षण, पौधारोपण की वर्तमान स्थिति का जायजा लिया

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर दिनांक 12 सितंबर 2026। प्रभारी महापौर श्री राजेंद्र राठौर द्वारा आज रेवतीरेंज, पितृपर्वत, कृषि कॉलेज, बुडानिया पर निगम द्वारा किए गए पौधारोपण का जायजा लिया तथा पौधा पौधे जीवित रहे इसके संबंध में किए जाने वाली कार्यवाही के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। प्रभारी महापौर श्री राठौर ने बताया कि निगम द्वारा नदी किनारे 2 लाख से अधिक बांस के पौधे लगाने का लक्ष्य रखा है जिसमें से लगभग 25000 से अधिक बांस के पौधे नहर भंडारा पर लगाए जा चुके हैं तथा शेष पौधे भी शहर में विभिन्न नदी किनारे के स्थानों पर शीघ्र लगाने के संबंध में दिशा निर्देश दिए गए जिससे हरयाली के साथ ही नदी किनारे के पर कटाव नहीं होगा।

ब्यूटिशियन की मौत में फरार कारोबारी ने सरेंडर किया, सोमवार को आएगी पोस्टमार्टम रिपोर्ट

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर के तिलक नगर स्थित होटल एलेक्स में बुधवार को शारदा नगर मेन रोड (सुखलिया) की निवासी सोनिला शर्मा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। इस मामले में पुलिस ने शुक्रवार देर रात उसके कारोबारी दोस्त दीपक खंडेलवाल को हिरासत में ले लिया है। क्या है मामला-सोनिला होटल अलेक्स के रूम नंबर 101 में कारोबारी दीपक के साथ ठहरी हुई थी, जहां लगभग 40 मिनट के बाद उसकी मौत हो गई। घटना के बाद से ही दीपक फरार चल रहा था। टीआई मनीष लोधा की टीम ने अब दीपक को देर रात बायपास इलाके से हिरासत में लिया है। देर रात होने के कारण उससे पूछताछ शुरू नहीं हो सकी थी। बताया जा रहा है कि दीपक ने सरेंडर किया है। सोनिला की मौत के बाद दीपक अपने घर नहीं गया था। जब पुलिस उसके घर पहुंची, तो पत्नी ने बताया कि दीपक से उसका कोई संपर्क नहीं हो पा रहा है। हालांकि, पत्नी और बच्चों से हुई पूछताछ की जानकारी मिलने पर दीपक ने पुलिस से संपर्क कर सरेंडर करने की बात कही। उस समय तक पुलिस उसकी तलाश में दो अलग-अलग टीमें तैनात कर चुकी थी। पुलिस ने फिलहाल मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है, लेकिन मौत के सटीक कारणों का अभी खुलासा नहीं हुआ है। प्रारंभिक जांच में जहर दिए जाने की संभावना से इनकार किया गया है। पुलिस फांसी और हत्या, दोनों ही एंगल से मामले की जांच कर रही है।

एक तरफ नागरिकों के सफर को बनाएंगे सुगम, दूसरी तरफ मध्यप्रदेश देश में बनेगा स्मार्ट पब्लिक ट्रांसपोर्टेशन का मॉडल राज्य

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में आयोजित दो दिवसीय यात्री परिवहन विज़न समिट 2026 का के तहत आज सीमलेस पैसेंजर एक्सपीरियंस वाया वन स्टेट, वन जर्नी- इंटीग्रेटेड टिकटिंग एंड ऑटोमैटिक फेयर कलेक्शन विषय पर एक उच्चस्तरीय तकनीकी सत्र आयोजित किया गया। सत्र में ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ओएनडीसी) के उपाध्यक्ष (सार्वजनिक परिवहन) श्रीनिवास भंडारी, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के जनरल मैनेजर श्री भरत मिश्रा तथा चलो मोबिलिटी की सह-संस्थापक प्रिया सिंह ने अपने विचार साझा किए। वक्ताओं ने रेखांकित किया कि परस्पर जुड़े डिजिटल प्लेटफॉर्म्स, स्वचालित किराया संग्रहण और स्मार्ट मोबिलिटी समाधान न केवल नागरिकों के सफर को सुगम बनाएंगे, बल्कि मध्य प्रदेश को देश में स्मार्ट पब्लिक ट्रांसपोर्टेशन का मॉडल राज्य भी बनाएंगे। संचालन केपीएमजी की पार्टनर (गवर्नमेंट एंड पब्लिक सर्विसेज) सोनिया सिंह ने किया। सत्र में बताया गया कि समिट का प्राथमिक विज़न एकीकृत टिकटिंग और स्वचालित किराया संग्रहण (इंटीग्रेटेड टिकटिंग एंड ऑटोमैटिक फेयर कलेक्शन) प्रणाली के माध्यम से राज्यभर में यात्रियों को निर्बाध सफर का अनुभव प्रदान करना है। इस पहल के तहत यात्रा के हर चरण को आसान और पारदर्शी बनाया गया है, जिससे यात्री एक ही मंच से रूट, बस सेवाओं, उनकी उपलब्धता और सटीक किराये की जानकारी आसानी से प्राप्त कर सकेंगे। नई व्यवस्था के तहत यात्री आरक्षित, अनारक्षित और नियमित यात्री पास डिजिटल माध्यमों से बुक कर सकेंगे। यात्रियों की सुविधा के लिए विभिन्न भुगतान विकल्प जोड़े गए हैं, जिनमें यूपीआई, क्रेडिट/डेबिट कार्ड, नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड (एनसीएमसी), एमपीवाईपीआईएल क्लोज़-लूप कार्ड और ई-वॉलेट शामिल हैं। इसके साथ ही ग्रामीण और अंतर-शहरी क्षेत्रों की कनेक्टिविटी को ध्यान में रखते हुए नकद व ऑफलाइन टिकटिंग की व्यवस्था भी रखी गई है, जिससे नेटवर्क न होने पर भी यात्रा बाधित न हो। परिवहन विभाग के इस एकीकृत तंत्र में ऑन-बोर्ड ई-पीओएस, चालक द्वारा जारी टिकट, मोबाइल व वेब बुकिंग और एक साझा बैकएंड प्रणाली को शामिल किया गया है।

नवनाथ मामाजी भाजपा के समर्पित कार्यकर्ता थे- कैलाश विजयवर्गीय

भाजपा नेता स्व नवनाथ कोल्हे (मामा जी) की पुण्यतिथि

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भाजपा नेता, सामाजिक कार्यकर्ता स्व नवनाथ कोल्हे (मामाजी) की पुण्यतिथि पर आज श्री राम नगर बड़ी भामोरी स्थित प्रतिमा पर मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, विधायक रमेश मेंदोला, भाजपा महामंत्री सुधीर कोल्हे पार्षद सुरेश कुरवाडे ने माल्यार्पण किया।

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि नवनाथ कोल्हे जी भाजपा के समर्पित कार्यकर्ता थे। विपरित परिस्थितयों में इस क्षेत्र में भाजपा को स्थापित करने में मामाजी की अहम भूमिका रही। क्षेत्र के विकास में उनके योगदान को भुलाया नहीं जा सकता।

उनके पुण्य स्मरण पर - इस अवसर पर श्री नवनाथ कोल्हे चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा आज श्री क्षेत्र राम नगर में प्रतिमा के समक्ष भगवान हरि के भजन किए गए। विधायक रमेश मेंदोला ने भी मंजीरे बजाकर भगवान हरि की मराठी भजनों पर आराधना की। कार्यक्रम में हरि भजन गाने वाले बालक बालिकाओं का सम्मान किया गया, साथ ही वारकरी संप्रदाय के भजन गायकों का भी सम्मान किया गया।

इस अवसर चंदुराव शिंदे, नगर उपाध्यक्ष हरप्रीत सिंह बक्शी, स्वाति काशीद, नगर कोषाध्यक्ष सचिन बंसल, रानू अग्रवाल, दीपांश खण्डेलवाल, हेमराज वाडिया, रितेश शर्मा, पार्षद मनोज मिश्रा, पूजा पाटीदार, सोनाली विजय परमार, भूपेंद्र चौहान, पिंटू चौधरी सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित थे।

राहुल गांधी के कार्यक्रम को मिला मैदान, कांग्रेस ने IDA को चुकाए 10 लाख रुपये, Gen-Z को लुभाने की तैयारी

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राहुल गांधी के 19 सितंबर को प्रस्तावित 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम के लिए मैदान आखिरकर कांग्रेस को मिल ही गया। शुक्रवार को इंदौर विकास प्राधिकरण के खाते में कांग्रेस ने 10 लाख 8 हजार 175 रुपये जमा किए। लीज रेंट की यह राशि चुकाने के बाद आइडीए ने रीजनल पार्क के सामने स्थित मैदान देने की मंजूरी दे दी है। छात्रों की गूंज में राहुल गांधी के साथ फिल्म फेयर पुरस्कार विजेता गायक राघव चैतन्य रियालिटी शो के अमेरिका गॉट टैलेंट का विजेता डांस ग्रुप विकास अनबिटेबल और रैपर लश-करी शामिल होंगे।

आइडीए के संपदा अधिकारी की ओर से शुक्रवार सुबह मैदान आवंटन के लिए शहर कांग्रेस कमेटी को मांग पत्र दिया गया। तीन दिन के लिए मैदान आवंटन के बदले 8 लाख 54 हजार 385 रुपये लीज रेंट और 1 लाख 53 हजार 790 रुपये जीएसटी चुकाने को कहा गया। शहर कांग्रेस अध्यक्ष चिंटू चौकसे नकद राशि लेकर आइडीए दफ्तर पहुंचे।

नकद स्वीकार करने से अधिकारियों का इनकार- नकद स्वीकार करने से अधिकारियों ने इनकार किया इसके बाद प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने आरटीजीएस से राशि आइडीए के खाते में ट्रांसफर की। कांग्रेस ने उम्मीद जताई कि अब अनुमति को लेकर कोई समस्या नहीं होनी चाहिए और एक-दो दिनों में आइडीए की ओर से मैदान आवंटन का पत्र मिलने की उम्मीद कर रहे हैं। 17 सितंबर से 19 सितंबर तक मैदान कांग्रेस के पास रहेगा। कांग्रेस कार्यक्रम स्थल को 'भारत जोड़ो मैदान' नाम देने की तैयारी में है।

राहुल गांधी से पहले होगा शो- 19 सितंबर को छात्रों की गूंज में राहुल गांधी से संवाद के पहले तीन कला प्रस्तुतियां होगी। गायक राघव चैतन्य के अलावा रैपर लश-करी गीतों से युवा व विद्यार्थियों को लुभाएंगे। इसके बाद अमेरिका गाट टैलेंट शो का विजेता डांस ग्रुप विकास अनबिटेबल ड्रीम टीम की प्रस्तुति भी होगी। जेन-जी को लुभाने के लिए उन्हीं की पीढ़ी के कलाकारों को राहुल के साथ मंच साझा करने बुलाया गया है। इसके बाद राहुल गांधी विद्यार्थियों से संवाद करेंगे।

दिल्ली से आई टीम, सौंपा प्रचार का जिम्मा - शुक्रवार को दिल्ली से राहुल गांधी की टीम के केवी बैजू व अन्य इंदौर पहुंचे।

सीबीआई के शिकंजे में आए नारकोटिक्स इंस्पेक्टर सिद्धार्थ श्रीवास्तव निलंबितविभागीय कार्रवाई

केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो ग्वालियर ने जारी किया आदेश, गिरफ्तारी के दिन 10 सितंबर से ही प्रभावी माना गया सस्पेंशन

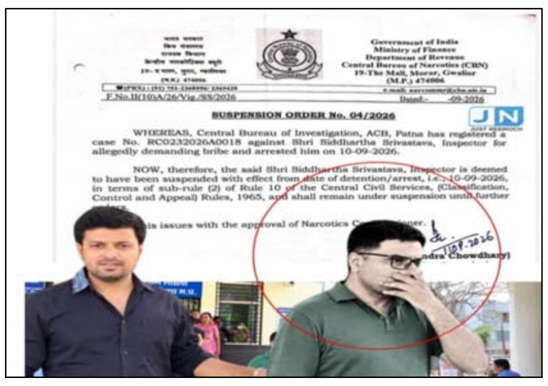

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। रिश्वतखोरी के संगीन मामले में पटना सीबीआई द्वारा दबोचे गए केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो नीमच के इंस्पेक्टर सिद्धार्थ श्रीवास्तव पर अब महकमे की बड़ी गाज गिरी है। केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो, ग्वालियर मुख्यालय ने त्वरित एक्शन लेते हुए आरोपी इंस्पेक्टर को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। यह निलंबन आदेश उनकी गिरफ्तारी की तारीख यानी 10 सितंबर 2026 से ही प्रभावी माना गया है।कमिश्नर की हरी झंडी के बाद आदेश जारीविभागीय सूत्रों के मुताबिक, ग्वालियर मुख्यालय द्वारा जारी निलंबन आदेश क्रमांक 04/2026 में स्पष्ट किया गया है कि यह कार्रवाई केंद्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम, 1965 के नियम 10 के उपनियम (2) के तहत की गई है। नियमानुसार, किसी भी लोक सेवक के 48 घंटे से अधिक पुलिस या न्यायिक हिरासत में रहने पर उसे स्वतः निलंबित माना जाता है। नारकोटिक्स कमिश्नर की आधिकारिक स्वीकृति के बाद इस आदेश पर बृजेन्द्र चौधरी के हस्ताक्षर से मुहर लगाई गई है।

डिजिटल ट्रांजैक्शन बना गले की फांस, 50 लाख से शुरू हुआ था सौदा

क्या है मामला इंस्पेक्टर सिद्धार्थ श्रीवास्तव पर आरोप है कि उन्होंने एनडीपीएस यानी ड्रग्स तस्करी के एक मामले में पटना निवासी एक व्यक्ति को आरोपी न बनाने के एवज में 50 लाख की भारीभरकम घूस मांगी थी।

20 लाख में तय हुई थी डील मानमनौव्वल के बाद सौदा 20 लाख में तय हुआ। पीड़ित ने सीबीआई में शिकायत दर्ज कराने से पहले ही 4 लाख का ऑनलाइन ट्रांसफर इंस्पेक्टर को कर दिया था। यही डिजिटल ट्रांजैक्शन आरोपी इंस्पेक्टर के खिलाफ सबसे पुख्ता सबूत बना।

नीमच में CBI की रेड सीबीआई की एंटी करप्शन ब्रांच (ACB) पटना ने प्रकरण क्रमांक RC0232026A0018 दर्ज कर 10 सितंबर को नीमच स्थित सरकारी आवास और दफ्तर पर एक साथ दबिश दी थी, जिसके बाद इंस्पेक्टर को गिरफ्तार कर ट्रांजिट रिमांड पर लिया गया।

पत्नी-पति की बस दुर्घटना में मौत पर 55.03 लाख रुपये का अवॉर्ड

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। न्यायालय पंचम मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण, मंदसौर की विद्वान न्यायाधीश श्रीमती मंजू सिंह मैडम ने बस दुर्घटना में पति-पत्नी की मृत्यु से जुड़े दो प्रकरणों में महत्वपूर्ण निर्णय देते हुए कुल 55 लाख 3 हजार 856 रुपये की क्षतिपूर्ति राशि का अवॉर्ड पारित किया है। न्यायालय ने पेंशन को परिवार की नियमित एवं पक्की आय का स्रोत माना, वहीं गृहिणी के घरेलू कार्य को भी आर्थिक मूल्य प्रदान करते हुए उसकी भूमिका को मान्यता दी।

प्रकरण के अनुसार प्रयागराज कुंभ से दर्शन कर बस से लौट रहे यात्रियों की बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी। दुर्घटना में मंदसौर निवासी 64 वर्षीय किशोरीलाल राठौर तथा उनकी पत्नी कैलाशीबाई की मृत्यु हो गई थी। मृतक के दो पुत्र एवं पुत्री की ओर से अधिवक्ता संजय राठौर द्वारा मंदसौर न्यायालय में क्लेम आवेदन प्रस्तुत किए गए थे। मामले में महत्वपूर्ण तथ्य यह था कि मृतक किशोरीलाल सेवानिवृत्त कर्मचारी थे और उन्हें पेंशन प्राप्त होती थी। उनकी मृत्यु के बाद पेंशन पात्रता भी समाप्त हो चुकी थी। अधिवक्ता संजय राठौर की ओर से तर्क दिया गया कि पेंशन पिछली सर्विस से मिलने वाली नियमित एवं पक्की आय है, जो मृत व्यक्ति से जुड़े आर्थिक लाभ का जरूरी हिस्सा है और इसका लाभ केवल पत्नी तक सीमित नहीं, बल्कि परिवार की आर्थिक स्थिति से भी जुड़ा होता है। न्यायालय ने इन तर्कों से सहमत होते हुए 64 वर्षीय किशोरीलाल जी की मृत्यु पर 29,47,856 रुपये का अवॉर्ड पारित किया। गृहिणी के घरेलू कार्य को भी माना आर्थिक योगदान इसी दुर्घटना में मृतक की पत्नी 60 वर्षीय कैलाशीबाई, जो गृहिणी थीं, के संबंध में भी न्यायालय ने महत्वपूर्ण टिप्पणी की। न्यायालय ने माना कि परिवार के प्रति गृहिणी द्वारा किए जाने वाले घरेलू कार्य की भूमिका अदृश्य होने के बावजूद अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। न्यायालय ने कहा कि अब समय आ गया है कि गृहिणी के घरेलू कार्य को वास्तविक रूप में मान्यता दी जाए। कैलाशीबाई की आय 30 हजार रुपये प्रतिमाह मानते हुए न्यायालय ने उनके निधन पर 25,56,000 रुपये की क्षतिपूर्ति राशि का अवॉर्ड पारित किया। साथ ही अवॉर्ड राशि पर दावा आवेदन की तारीख से 6 प्रतिशत वार्षिक ब्याज तथा निर्धारित अवधि में भुगतान नहीं होने पर 9 प्रतिशत की दर से ब्याज दिए जाने का आदेश भी पारित किया गया। दोनों प्रकरणों में न्यायालय द्वारा पारित कुल अवॉर्ड राशि 55,03,856 रुपये है। प्रकरण में सफल पैरवी अधिवक्ता नंदलाल राठौर, संजय राठौर एवं गोवर्धनलाल राठौर, एडवोकेट मंदसौर द्वारा की गई।

मंडी में पिकअप हटाने को लेकर विवाद, किसान व ड्राइवर को पीटा, दो हम्मालों पर केस दर्ज

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पिपलिया कृषि उपज मंडी में पिकअप वाहन हटाने की बात को लेकर शुरू हुआ विवाद देर रात मारपीट में बदल गया। आरोप है कि दो हम्मालों ने ड्रायवर के सिर पर पत्थर से वार कर उसे घायल कर दिया। बीच-बचाव करने आए किसान के साथ भी से मारपीट की। घटना के बाद घायल ड्रायवर को उपचार के लिए शासकीय अस्पताल पिपलियामंडी ले जाया गया, जहां से गंभीर चोट के चलते उसे मंदसौर अस्पताल रेफर किया गया। पिपलियामंडी पुलिस को दी रिपोर्ट में ग्राम जलोद संजर, थाना भाटपचलाना, जिला उज्जैन निवासी किसान ने बताया कि वह खेती करता है। वह अपने परिचित ड्रायवर सरदार सिंह पिता मान सिंह देवड़ा, निवासी अजड़ावदा, थाना भाटपचलाना, जिला उज्जैन की पिकअप में लहसुन भरकर बेचने के लिए पिपलियामंडी आया था। फरियादी के अनुसार रात करीब 9.30 बजे पिकअप वाहन की मंडी के अंदर एंट्री हो रही थी। इसी दौरान पिकअप के सामने से हटने की बात को लेकर ड्रायवर सरदार सिंह की जीवन नामक हम्माल से कहासुनी हो गई थी। हालांकि उस समय मामला शांत हो गया और पिकअप मंडी के अंदर चली गई। रिपोर्ट के अनुसार इसके बाद दोनों ने खाना खाया और रात करीब 12.30 बजे बालाजी मंदिर की तरफ सोने के लिए जा रहे थे। इसी दौरान जीवन और मंगल सिंह दोनों हम्माल वहां पहुंचे और सरदारसिंह से विवाद करने लगे। आरोप है कि दोनों ने सरदार सिंह को यह कहते हुए गाली-गलौज शुरू कर दी कि वह ज्यादा तेज चल रहा है। जीवन ने पास में पड़ा पत्थर उठाकर सरदारसिंह के सिर के पीछे की तरफ मार दिया। पत्थर लगने से सरदार सिंह के सिर में गंभीर चोट आई और खून निकलने लगा। फरियादी जब बीच-बचाव करने पहुंचा तो मंगलसिंह ने उसके साथ मारपीट की और धक्का दे दिया, जिससे वह नीचे गिर गया।

नीमच तक बढ़ाई जाएं कई ट्रेनों की सेवा, जावरा-मल्हारगढ़ समेत 7 स्टेशनों पर ठहराव की मांग

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। यात्री सुविधाओं के विस्तार और नई ट्रेनों के संचालन को लेकर क्षेत्रीय रेलवे उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति के सदस्य गौरव अग्रवाल ने 11 सितंबर को महाप्रबंधक के साथ हुई बैठक में रतलाम मंडल से जुड़ी कई मांगें रखीं। उन्होंने जयपुर-हैदराबाद एक्सप्रेस सहित कई ट्रेनों का जावरा, मल्हारगढ़, पिपलिया, कचनारा, दलौदा और बिसलवास कलां जैसे स्टेशनों पर ठहराव देने की मांग की। उज्जैन-चित्तौड़गढ़ पैसेंजर को दोहरीकरण के बाद सभी स्टेशनों पर रोकने का सुझाव भी दिया।

अग्रवाल ने ग्वालियर-रतलाम और भिंड-रतलाम ट्रेनों को नीमच तक बढ़ाने के साथ इंदौर-जबलपुर व इंदौर-बिलासपुर एक्सप्रेस का फतेहाबाद-रतलाम होकर नीमच तक विस्तार करने की मांग रखी। जयपुर-भोपाल के बीच नई वंदे भारत ट्रेन शुरू करने, इंदौर-दिल्ली सराय रोहिला और इंदौर-बीकानेर महामना एक्सप्रेस के फेरे बढ़ाने तथा इंदौर-भिवानी ट्रेन को नियमित करने का प्रस्ताव रेलवे बोर्ड को भेजने की मांग की रतलाम-नीमच ट्रैक का दोहरीकरण पूरा होने का हवाला देते हुए उन्होंने इंदौर से माता वैष्णोदेवी, हरिद्वार, जयपुर और अहमदाबाद सहित लंबी दूरी की नई ट्रेनों को फतेहाबाद-रतलाम-मंदसौर-नीमच होकर चलाने का प्रस्ताव भेजने को कहा। इंदौर-जयपुर नई ट्रेन के पूर्व स्वीकृत प्रस्ताव को जल्द शुरू कराने की मांग भी रखी। पुराने डेमू रेक के स्थान पर मेमू रेक शुरू करने तथा चित्तौड़गढ़ होकर नई ट्रेनों के संचालन के लिए कोटा मंडल द्वारा किए गए पत्र व्यवहार की जानकारी देने की मांग की।

स्टेशन विकास से लेकर फाटक-अंडरब्रिज तक मुद्दे उठाए- बैठक में नीमच के रोड ओवरब्रिज, डिमरीपिया और उठिया ओवरब्रिज के काम की स्थिति बताने, बारिश में अंडरब्रिज में होने वाले जलभराव का स्थायी समाधान करने की मांग की गई। अमृत भारत योजना के अगले चरण में जावरा, पिपलियामंडी और दलौदा स्टेशनों को शामिल करने तथा मंदसौर-नीमच में लिफ्ट, एस्केलेटर और यात्रियों के लिए अलग प्रवेश-निकास मार्ग बनाने का सुझाव दिया। भीलवाड़ा-रतलाम डेमू में एक्सप्रेस के बजाय लोकल किराया लागू करने की मांग भी रखी गई। इसके अलावा 2028 के सिंहस्थ को देखते हुए मंदसौर संसदीय क्षेत्र के स्टेशनों के लिए रेलवे की तैयार कार्ययोजना से अवगत कराने और उज्जैन-चित्तौड़गढ़ पैसेंजर का चित्तौड़गढ़ में उदयपुर-हरिद्वार ट्रेन से समन्वय करने का सुझाव दिया गया।

सिंगोली कन्या स्कूल की बेटियों ने बिखेरा कला का जादू

मिट्टी में प्राण फूंककर बनाई विघ्नहर्ता की भव्य प्रतिमा

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्थानीय शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की बेटियों ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि उनकी कल्पनाशीलता और हुनर की कोई सीमा नहीं है। गणेश चतुर्थी के पावन और उल्लास पूर्ण अवसर पर विद्यालय परिसर में एक अनूठा सांस्कृतिक और रचनात्मक उत्सव देखा गया। यहां की छात्राओं ने अपनी उत्कृष्ट कला, अद्वितीय रचनात्मकता और अथक परिश्रम का जीवंत परिचय देते हुए भगवान श्री गणेश की एक अत्यंत मनमोहक, सजीव और भव्य प्रतिमा का निर्माण किया।मिट्टी और प्राकृतिक रंगों के अद्भुत समन्वय से तैयार की गई इस दिव्य प्रतिमा की कलाकृति इतनी आकर्षक थी कि इसे देखने वाला हर कोई मंत्रमुग्ध हो गया। छात्राओं की इस सुंदर पहल से पूरा विद्यालय परिसर भक्ति के रस में डूब गया और चारों ओर सकारात्मक ऊर्जा का संचार होने लगा।

प्राचार्य का प्रेरणादायी संबोधन-

बेटियों की उंगलियों में है सृजन की शक्ति-+कार्यक्रम के मुख्य पड़ाव पर छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए विद्यालय के ऊर्जावान प्राचार्य राजेन्द्र जोशी भावुक और गर्वित नजर आए। उन्होंने छात्राओं को संबोधित करते हुए एक बेहद प्रेरणादायी वक्तव्य दिया।

प्राचार्य जोशी ने कहा कि, हमारी बेटियों की उंगलियों में ईश्वर ने सृजन की अद्भुत शक्ति दी है। आज इन्होंने कोरी मिट्टी में जो प्राण फूंके हैं और विघ्नहर्ता का यह भव्य स्वरूप तैयार किया है, वह केवल एक प्रतिमा नहीं बल्कि इनकी अटूट श्रद्धा, एकाग्रता और उत्कृष्ट कौशल का प्रमाण है।

किताबी ज्ञान हमें साक्षर बनाता है, लेकिन कला और संस्कृति हमारे भीतर के इंसान को संस्कारित करती है।उन्होंने आगे जोर देकर कहा कि, यदि हमारी छात्राओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए सही मंच, सकारात्मक वातावरण और सही मार्गदर्शन मिले, तो वे न केवल शिक्षा बल्कि कला, विज्ञान और हर वैश्विक पटल पर सफलता का नया इतिहास रच सकती हैं। इस ऐतिहासिक और भव्य निर्माण ने आज पूरे विद्यालय परिवार का सिर गर्व से ऊंचा कर दिया है।

सम्मान पाकर खिले छात्राओं के चेहरे, बप्पा के जयकारों से गूंजा परिसर- इस कला उत्सव में बढ़-चढ़कर भाग लेने वाली और अपनी कला से बप्पा की प्रतिमा को अंतिम रूप देने वाली सभी प्रतिभागी छात्राओं को विद्यालय प्रबंधन द्वारा मंच पर विशेष रूप से पुरस्कृत और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

सम्मान पाकर बेटियों के चेहरे खुशी और आत्म-विश्वास से खिल उठे।

इस अवसर पर संस्था के समस्त वरिष्ठ शिक्षकों और स्टाफ ने भी छात्राओं की इस अदभुत लगन की सराहना की और उनके उज्ज्वल एवं स्वर्णिम भविष्य की मंगलकामना की।पूरे कार्यक्रम का समापन समवेत स्वर में छात्राओं, शिक्षकों और उपस्थित जनों द्वारा लगाए गए गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ के गगनभेदी और दिव्य जयघोष के साथ हुआ। इस गरिमामय अवसर पर विद्यालय का समस्त शिक्षक स्टाफ, स्थानीय गणमान्य नागरिक और भारी संख्या में छात्राएं उपस्थित थीं।

नर्मदा परिक्रमा ने सिखाया अहंकार छोड़कर सेवा और निर्भयता से जीना-पूर्व कलेक्टर ओमप्रकाश श्रीवास्तव ने सुनाए अनुभव

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नर्मदा की पद परिक्रमा केवल एक धार्मिक यात्रा नहीं, बल्कि स्वयं को जानने, अहंकार से मुक्त होने और सेवा, त्याग, वैराग्य तथा निर्भयता का बोध कराने वाली साधना है। यात्रा के दौरान मनुष्य को यह अनुभव होता है कि जीवन के लिए बहुत अधिक साधनों की आवश्यकता नहीं है। नर्मदा मैया के किनारे साधु-संतों और सामान्य लोगों की आत्मीय सेवा यह सिखाती है कि जिसके पास देने के लिए बहुत कम है, वह भी श्रद्धा और प्रेम से बहुत कुछ दे सकता है। यह बात मंदसौर के पूर्व कलेक्टर ओमप्रकाश श्रीवास्तव ने नर्मदा परिक्रमा के संस्मरण सुनाते हुए कही।

नर्मदा परिक्रमा पूरी करने के बाद मंदसौर पहुंचे पूर्व कलेक्टर ओमप्रकाश श्रीवास्तव एवं उनकी पत्नी भारती श्रीवास्तव के सम्मान में नपा सभागार, गांधी चौराहा पर अष्टमूर्ति ग्रुप द्वारा श्री नर्मदा यात्रा संस्मरण प्रसंग का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद एवं भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बंशीलाल गुर्जर की विशेष उपस्थिति रही। ओमप्रकाश श्रीवास्तव ने कहा कि प्रशासनिक सेवा के दौरान उन्हें जिस तरह की संतुष्टि और स्नेह मंदसौर में मिला, वह कहीं और नहीं मिला। नर्मदा पद परिक्रमा के अनुभव साझा करते हुए उन्होंने कहा कि जब व्यक्ति के भीतर शांति, वैराग्य, प्रेम और करुणा उत्पन्न होने लगे तो समझना चाहिए कि साधना सही दिशा में आगे बढ़ रही है। भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी देन यह है कि वह दिखाई देने वाले संसार के पीछे मौजूद उस सत्य को जानने की प्रेरणा देती है, जिसे हम ईश्वर कहते हैं। जिस तरह विज्ञान के नियमों को समझकर हम संसार को बदलते हैं, उसी तरह अध्यात्म के नियमों को अपने भीतर उतारने पर ईश्वर की अनुभूति की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं।

उन्होंने कहा कि नर्मदा परिक्रमा में कई ऐसे अनुभव हुए, जिन्होंने जीवन को देखने का नजरिया बदल दिया। घर में रहते हुए व्यक्ति निश्चिंतता का जीवन जीता है, लेकिन यात्रा में अगले पड़ाव पर क्या मिलेगा, इसकी कोई निश्चितता नहीं होती। जब परिक्रमा शुरू की तो पीठ पर काफी सामान था, लेकिन दो दिन में समझ आ गया कि इतना सामान लेकर चलना संभव नहीं है। सामान कम किया तो अनुभव हुआ कि कम साधनों में भी जीवन चल सकता है और कई बार बेहतर ढंग से चल सकता है। उन्होंने बताया कि यात्रा से लौटकर सेवा का भाव जीवन में बना रहना ही यात्रा की वास्तविक सार्थकता है। भारती श्रीवास्तव ने नर्मदा पद परिक्रमा की आध्यात्मिक और पौराणिक परंपराओं का उल्लेख करते हुए कहा कि नर्मदा को अमर नदी माना गया है। उन्होंने नर्मदा के उद्गम, उसके विभिन्न स्वरूपों और परिक्रमा की परंपरा के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अमरकंटक से छोटी धारा के रूप में निकलकर नर्मदा आगे बढ़ती है और कई स्थानों पर अलग-अलग स्वरूपों में दिखाई देती है। नर्मदा की परिक्रमा करीब 3200 किलोमीटर की मानी जाती है। पैदल परिक्रमा में साधक लंबे समय तक मां नर्मदा के साथ रहता है और यही तप तथा साधना का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता है। परंपरागत रूप से परिक्रमा की अवधि तीन वर्ष, तीन माह और 13 दिन बताई जाती है। इसमें चातुर्मास के दौरान परिक्रमा नहीं की जाती। उन्होंने कहा कि यात्रा की शुरुआत '? नमः शिवाय' मंत्र से हुई थी, लेकिन कब यह 'नर्मदे हर' के जयघोष में बदल गया, इसका पता ही नहीं चला। नर्मदा किनारे की यात्रा में त्याग, वैराग्य, भक्ति और सेवा के भाव का निरंतर अनुभव होता है। कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद बंशीलाल गुर्जर ने कहा कि नर्मदा परिक्रमा के अनुभव सुनना स्वयं में प्रेरणादायी है। ओमप्रकाश श्रीवास्तव की नर्मदा यात्रा के अनुभवों से सभी को प्रेरणा मिलेगी और नर्मदा मैया की कृपा सभी पर बनी रहेगी। स्वागत उद्बोधन एवं आयोजन की भूमिका वरिष्ठ पत्रकार डॉ. घनश्याम बटवाल ने रखी। संचालन वरिष्ठ पत्रकार ब्रजेश जोशी ने किया आभार डॉ. देवेंद्र पुराणिक ने माना। अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान शाल ओढ़ा कर पुष्प गुच्छ द्वारा अष्टमूर्ति ग्रुप के सर्व श्री डॉ. देवेंद्र पुराणिक डॉ. घनश्याम बटवाल, ब्रजेश जोशी,अजय कुमार सिखवाल एडवोकेट, प्रद्युम्न शर्मा पार्टनर, महेश शर्मा पप्पू, अजय तिवारी, राजीव शर्मा ने किया। समारोह में गुरुचरण बग्गा, पूर्व न्यायाधीश आर एस चुण्डावत नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी गुर्जर डॉ. विजय शंकर मिश्र डॉ गोविन्द छापरवाल, डॉ. उर्मिला तोमर, भारती पाटीदार, डॉ. रविन्द्र सोहोनी राजाराम तंवर सत्येन्द्र सिंह सोम, पं.देवेश्वर जोशी पंडित दशरथ भाई पं.गोपाल पंचारिया, पूर्व अपर कलेक्टर, एनएस राजावत, इतिहासकार कैलाश चन्द्र पाण्डेय, नरेन्द्र त्रिवेदी नंदकिशोर राठौर गोपाल बैरागी, गोपाल कृष्ण पाटिल प्रो जे एस दुबे,अरुण शर्मा, मदनलाल राठौर आदि अनेक गणमान्यजन उपस्थित थे।

सतर्कता ही स्वस्थ आंखों की सबसे बड़ी कुंजी है- डॉ. मजहर हुसैन, 133 की मरीजों को जांचा

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। लायंस क्लब मंदसौर के तत्वावधान में परफेक्ट आई हॉस्पिटल में एक निशुल्क नेत्र परीक्षण एवं मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर का आयोजन किया गया। इस परोपकारी शिविर में जाने-माने नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. मजहर हुसैन द्वारा 133 मरीजों की आंखों की गहन जांच की गई, जिनमें से 15 चिन्हित मरीजों की कैटरेक्ट (मोतियाबिंद) सर्जरी कर निःशुल्क लेंस प्रत्यारोपित किए गए।

शिविर के दौरान डॉ. मजहर हुसैन ने कहा कि आंखें ईश्वर का दिया हुआ सबसे अनमोल उपहार हैं, जो हमें इस सुंदर संसार का अनुभव कराती हैं। आज की आधुनिक जीवनशैली में मोबाइल और डिजिटल स्क्रीन का अत्यधिक उपयोग हमारी आंखों पर भारी तनाव डाल रहा है। हमें दिन में पर्याप्त पानी पीना चाहिए, हरी पत्तेदार सब्जियों का सेवन करना चाहिए और आंखों को सीधी धूप तथा धूल-मिट्टी से बचाना चाहिए। 40 वर्ष की आयु के बाद प्रत्येक व्यक्ति को वर्ष में कम से कम एक बार अपनी आंखों की जांच अवश्य करानी चाहिए, ताकि मोतियाबिंद या काला पानी जैसी बीमारियों का सही समय पर पता लगाकर इलाज किया जा सके। अपनी दृष्टि की देखभाल करें, क्योंकि सतर्कता ही स्वस्थ आंखों की सबसे बड़ी कुंजी है। लायंस क्लब अध्यक्ष डॉ. के.सी. श्रीमाल ने बताया कि डॉ. मजहर हुसैन स्वयं लायंस क्लब के सम्मानित सदस्य एवं पास्ट जोन चेयरपर्सन हैं, जो सदैव क्लब के माध्यम से समाज सेवा के लिए पूरी तरह निः शुल्क अपनी सेवाएं प्रदान करते हैं। लायंस क्लब मंदसौर का सदैव यही ध्येय रहा है कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाई जाएं। क्लब अंधत्व निवारण की दिशा में निरंतर शिविर लगाता है, जिससे जरूरतमंदों के जीवन में पुनः रोशनी लाई जा सके।

आप कुंठित, व्यथित और परेशान क्यों?, सारस्वत और डगवार ने विधायक जैन को लिखा पत्र

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भाजपा मंडल अध्यक्ष अरविंद सारस्वत और विनोद डगवार ने विधायक विपिन जैन को पत्र लिखा है। पत्र में उन्होंने हाल ही में जैन द्वारा लिखे गए पत्र पर प्रतिक्रिया देते हुए अनेक सवाल उठाए है। दोनों मंडल अध्यक्षों ने पत्र में लिखा कि आपका पत्र सोशल मीडिया पर पढ़ने को मिला। हमें ऐसा प्रतीत हो रहा है कि आप शासकीय कार्यक्रमों में पूर्व विधायक यशपाल सिंह

सिसौदिया को मिल रहे आमंत्रण और सम्मान को लेकर कुंठित, व्यथित और परेशान है। ऐसे आमंत्रण तो उन्हें बीते दो वर्षों से मिल रहे हैं, आप 2 वर्षों से क्यों खामोश रहे। आपने कलेक्टर को पत्र लिखकर मंदसौर में निवासरत दो और पूर्व विधायकों को भी कार्यक्रमों में आमंत्रित करने का सुझाव दिया। आपके उस सुझाव से कोई परहेज नहीं है, सम्मान सबका होना भी चाहिए और बना भी रहना चाहिए। हम तो आपको सिर्फ याद दिलाना चाहते है कि जब कमलनाथ के नेतृत्व वाली सरकार थी, तब मंदसौर जिले के भाजपा के सांसद, विधायकों को प्रोटोकॉल के अंतर्गत शासकीय बैठकों में तक नहीं बुलाया जाता था, सार्वजनिक कार्यक्रमों में भी नहीं बुलाया जाता था, और उद्घाटन,शिलान्यास के अवसर पर भी नहीं बुलाया जाता था, तब आप मुखर क्यों नहीं हुए?

पत्र में दोनों ने लिखा कि आपको याद होगा जब आप दलोदा के सरपंच थे तब प्रोटोकॉल में सांसद, विधायक का नाम कहां होता था और आपके दल के लोगों को आप कहां स्थान देते थे? सारस्वत और डगवार ने पत्र में लिखा कि शासकीय कार्यक्रमों में स्थान देने को लेकर आपने पत्र तो लिख दिया लेकिन आपके अपने स्वयं के विधायक निधि के कार्यक्रम जो आप अकेले करते हैं, उसमें आपने कब अन्य जन प्रतिनिधियों का सम्मान रखने का मन बनाया, यह भी बताने की कृपा करें। हमें उम्मीद है कि अब आप अपने स्वयं द्वारा आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों में जैसी कलेक्टर महोदय से आपने अपेक्षा की है, उस अपेक्षा के अंतर्गत आप स्वयं सभी जनप्रतिनिधियों को भी सम्मान देंगे और आमंत्रित करेंगे। पत्र में दोनों ने यह भी लिखा कि हम आपका ध्यान इस ओर भी आकर्षित करवाना चाहते है कि 12 सितंबर 2026 को मंदसौर के प्रधानमंत्री एक्सीलेंस कॉलेज में मंदसौर मंथन के नाम से एक कार्यक्रम तय हुआ है, जिसमें शासकीय अधिकारियों और सेवानिवृत अधिकारियों को ही बुलाया गया, मंदसौर जिले के एक भी जनप्रतिनिधि जिसमें आप स्वयं भी शामिल हैं, का नाम आमंत्रण पत्र की सूची में नहीं था, आपने उस पर आपत्ति क्यों नहीं की? इससे यह स्पष्ट हो रहा है कि आपको सिर्फ पूर्व विधायक यशपाल सिंह सिसौदिया के नाम पर तकलीफ, पीड़ा और कष्ट है। दोनों ने लिखा कि यह पत्र हम आपको इसलिए लिख रहें है कि आपने अपने पत्र में श्री सिसौदिया का उल्लेख किया है, अगर आप उनका उल्लेख किए बगैर कलेक्टर से अन्य व्यवस्था में सुझाव प्रेषित करते तो हमें आपको यह पत्र लिखने का अवसर नहीं मिलता, क्योंकि आपने श्री सिसौदिया के नाम का उल्लेख किया है, इसलिए हमने सभी उदाहरणों सहित आपको यह पत्र लिखने का प्रयास किया है।

सिंगोली CHC बना संजीवनी, 1 लाख की आबादी को दे रहा उत्कृष्ट सेवाएं

रोजाना 200 की OPD और हर महीने 90 प्रसव के बीच डॉक्टरों व नर्सों का अद्भुत तालमेल

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विपरीत परिस्थितियों में भी अगर सेवा का सच्चा जज्बा हो, तो संसाधन कभी आड़े नहीं आते। इसकी जीती-जागती मिसाल पेश कर रहा है नीमच जिले का 30-बिस्तरीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिंगोली। स्वास्थ्य मानकों के अनुसार जहां इस अस्पताल में 46 से 52 कर्मचारियों का अमला होना चाहिए, वहीं वर्तमान में मात्र 24 कर्मचारियों की छोटी सी टीम अपनी कर्मठता से मध्य प्रदेश और राजस्थान के सीमावर्ती गांवों की करीब 1 लाख की आबादी को वीआईपी स्वास्थ्य सेवाएं दे रही है।

अतीत में डॉक्टरों की कमी को लेकर हुए जन-आंदोलनों और अनशन के दौर को पीछे छोड़ते हुए, वर्तमान स्टाफ ने अपनी लगन से इस केंद्र की पूरी तस्वीर बदल दी है।

चुनौतियों पर भारी पड़ रहा स्टाफ का सेवाभाव- अस्पताल में रोजाना 150 से 200 मरीजों की ओपीडी पूरी मुस्कुराहट के साथ संभाली जा रही है। स्त्री रोग विशेषज्ञ न होने के बाद भी यह कर्मठ स्टाफ हर महीने 50 से 90 सुरक्षित प्रसव कराकर मातृत्व को सुरक्षित कर रहा है। सबसे खास बात यह है कि बिना बाल रोग विशेषज्ञ के भी गंभीर नवजात बच्चों की जान बचाने वाली (प्राइमरी आईसीयू) यूनिट को यह अमला पूरी संवेदनशीलता से चला रहा है।

फार्मासिस्ट न होने पर नर्सिंग स्टाफ दवाओं के वितरण की अतिरिक्त जिम्मेदारी निभा रहा है, वहीं बिना सुरक्षा गार्ड के भी रात की इमरजेंसी ड्यूटी में महिला स्टाफ मुस्तैदी से डटा हुआ है। अस्पताल में एक्स-रे और महिलाओं की सभी पैथोलॉजी जांचें भी नियमित रूप से की जा रही हैं।

स्टाफ की कमी और अत्यधिक कार्यभार-निश्चित रूप से एक बड़ी चुनौती है, लेकिन हमारा एकमात्र ध्येय क्षेत्र की जनता को बिना किसी रुकावट के बेहतर स्वास्थ्य लाभ पहुंचाना है। सीमित अमले के बावजूद हमारी टीम 24 घंटे पूरी ऊर्जा के साथ मुस्तैद रहती है। हर महीने होने वाले रिकॉर्ड प्रसव और एनबीएसयू में गंभीर बच्चों की जान बचा पाना हमारे पूरे स्टाफ की सामूहिक कर्मठता और अटूट सेवाभाव का परिणाम है।

डॉ. ईतेश व्यास, चिकित्सा अधिकारी, CHC

सिंगोली सहयोग मिले तो बने पूरे संभाग का मॉडल- सीमित अमले के इस शानदार और सकारात्मक प्रदर्शन की पूरे क्षेत्र में सराहना हो रही है। नागरिकों का कहना है कि यदि इस समर्पित स्टाफ को शासन का पूरा सहयोग मिल जाए और गाइडलाइन के अनुसार विशेषज्ञ डॉक्टरों व सुरक्षा गार्ड्स की स्थाई पदस्थापना हो जाए, तो सिंगोली CHC पूरे संभाग में एक अनुकरणीय और आदर्श स्वास्थ्य केंद्र बनकर उभरेगा

अनीता भील बनीं जयस महिला मोर्चा की मंदसौर जिला प्रभारी

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जय आदिवासी युवा शक्ति (जयस) संगठन में महिला नेतृत्व को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण नियुक्ति की गई है। श्रीमती अनीता भील को जयस महिला मोर्चा, जिला मंदसौर की जिला प्रभारी नियुक्त किया गया है। जयस संभाग अध्यक्ष संजय खराड़ी ने अपने लेटर पैड पर नियुक्ति पत्र जारी कर श्रीमती अनीता भील को संगठन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी। उनकी नियुक्ति पर जयस के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। संगठन के पदाधिकारियों ने विश्वास जताया कि श्रीमती अनीता भील के नेतृत्व में मंदसौर जिले में महिला मोर्चा को और मजबूती मिलेगी।

सम्पादकीय

किसी गुट से न जुड़े होने के बावजूद CM सतीशन के सामने कांग्रेस की अंदरूनी राजनीति सबसे बड़ी चुनौती

केरलम में फुटबॉल का जबरदस्त जुनून है। इसलिए, 2024 में जब राज्य की तत्कालीन वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) सरकार के खेल मंत्री वी अब्दुर रहमान ने घोषणा की कि उन्होंने यह कर दिखाया है-लियोनेल मेसी 2026 में राज्य में एक मैत्रीपूर्ण मैच खेलने आएंगे-तो ज्यादातर लोगों को उम्मीद थी कि अब्दुर रहमान 2026 के विधान सभा चुनावों में अपनी सीट (तिरुर) पर भारी बहुमत से जीत हासिल करेंगे। मंत्री और उनके विभाग द्वारा किए गए प्रयासों में स्पेन की यात्रा भी शामिल थी, जो स्वाभाविक रूप से जनता के खर्च पर हुई। यह अपने आप में समझ से परे था क्योंकि मेसी तो अर्जेंटीना के खिलाड़ी हैं।

मेसी भारत तो आए, पर केरलम में कभी नहीं दिखे। अब्दुर रहमान 24,000 से अधिक वोटों के अंतर से अपनी सीट हार गए। मेसी को केरलम में 'आमंत्रित' करने पर 200 करोड़ रुपये से अधिक के घपले की बात की जा रही है (राज्य की जांच एजेंसियां अभी भी इसकी गणना कर रही हैं)। कहा जाता है कि इसमें से अधिकांश पैसा विदेश में संदिग्ध कंपनियों में लगाया गया।

केरल मेडिकल सर्विसेज कॉरपोरेशन लिमिटेड (केएमएससीएल) के मामलों सहित अन्य घोटालों की जांच विशेष जांच दल (एसआईटी) कर रहे हैं। केएमएससीएल राज्य की प्रसिद्ध चिकित्सा प्रणाली का एक अभिन्न अंग है। मुख्यमंत्री वी डी सतीशन ने अपने 100 दिन के कार्यकाल में पांच एसआईटी गठित करने का आदेश दिया है। यह एक तरह का रिकॉर्ड प्रतीत होता है। एलडीएफ की लगातार दो सरकारों के बाद सत्ता में आई कांग्रेस के नेतृत्व वाली संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) सरकार एलडीएफ की विश्वसनीयता को कमजोर करने के लिए अपराध और सजा को हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रही है। लेकिन इससे कहीं अधिक गंभीर समस्याएं हैं, जिनमें से कुछ संरचनात्मक हैं, जिनका समाधान करना आवश्यक है।

सतीशन ने इस दिशा में कुछ कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। जून में पेश किए गए अपने संशोधित बजट में सरकार ने राज्य की भूमि नीति की समीक्षा करने, केरलम को समुद्री विकास पर आधारित एक 'बंदरगाह शहर' अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित करने और नए निवेश ढांचे के माध्यम से विदेश से भेजे जाने वाले धन पर निर्भरता से मुक्ति पाने की घोषणा की।

महिलाओं के लिए मुफ्त परिवहन, जो पार्टी शासित राज्यों में कांग्रेस का एक प्रमुख कल्याणकारी उपाय बनता जा रहा है, लंबे समय से समानता की मांग कर रही आशा कार्यकर्ताओं के लिए नया पैकेज और वरिष्ठ नागरिकों के लिए नया विभाग कल्याणकारी पैकेज का हिस्सा थे। केरलम में मादक पदार्थों की समस्या के बारे में सभी जानते थे लेकिन कभी बात नहीं करते थे, अब यह सबके सामने आ गई और ऑपरेशन तूफान ने राज्य में सिंथेटिक ड्रग माफिया के व्यापक प्रभाव को उजागर किया।

सरकार के पहले 100 दिन में ही मादक पदार्थ एवं मनोविकार पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत चौंका देने वाले 11,700 मामले दर्ज किए गए। ऑपरेशन तूफान पुलिस कार्रवाई, हाई-प्रोफाइल गिरफ्तारियों, अंतरराज्यीय जांच और राजनीतिक संदेशों का एक अनूठा संगम बन गया है।

गृह मंत्री रमेश चेन्निथला इस अ?भियान का नेतृत्व कर रहे हैं, जबकि उन्होंने अस्पष्ट रूप से यह स्वीकार किया है कि उन्होंने 'कभी नहीं सोचा था कि मादक पदार्थ हमारे राज्य में एक गहरी जड़ जमा चुकी बीमारी है।'

सतीशन को बड़ा फायदा है। निकट भविष्य में राज्य के कोई चुनाव नहीं होने वाले हैं। स्थानीय निकाय चुनाव मई में हुए विधान सभा चुनावों से ठीक पहले हुए थे, इसलिए वे समाप्त हो चुके हैं। कहीं उपचुनाव की भी कोई आवश्यकता नहीं है। चुनावी मोर्चे पर उन्हें कुछ भी साबित करने की जरूरत नहीं है।

मई में हुए विधान सभा चुनावों में मिली करारी हार के बाद एलडीएफ अभी भी अपने घावों से उबरने में लगा है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अपनी पकड़ मजबूत करना चाहती है, लेकिन जमीनी स्तर पर उसे सीमित समर्थन मिल रहा है। यूडीएफ सरकार ने स्वतंत्रता दिवस समारोह से वंदे मातरम को हटाने का फैसला किया। भाजपा ने घोषणा की कि वह 21 अगस्त को केरलम के सभी 30 जिलों में वंदे मातरम गाएगी।

मामला तब उलझ गया जब कोझिकोड नगर निगम में ध्वजारोहण समारोह में कांग्रेस और वामपंथी पार्षदों ने जन गण मन गाया, वहीं सात भाजपा पार्षदों ने एक साथ वंदे मातरम गाया। राष्ट्रगान गाने वाले पार्षद इसके समाप्त होते ही चले गए। राष्ट्रगीत गाने वाले पार्षदों ने खाली कुर्सियों के सामने अंत तक गाया। यह एक निराशाजनक क्षण था।

केरलम में कांग्रेस कई गुटों का समूह है। सतीशन किसी भी गुट से संबंधित नहीं हैं। यह बात उन्हें सुरक्षा प्रदान करती है, लेकिन साथ ही उन्हें अधिक असुरक्षित भी बनाती है। अब तक न तो गांधी परिवार के करीबी माने जाने वाले केसी वेणुगोपाल, न ही मुख्यमंत्री बनने के योग्य समझे जाने वाले रमेश चेन्निथला, और न ही राज्य के किसी अन्य कांग्रेस नेता ने कोई कदम उठाया है। इससे सतीशन को कुछ राहत मिली है। राज्य इकाई के नए प्रमुख की नियुक्ति आवश्यक है। यही उनके लिए सबसे बड़ी चुनौती हो सकती है। अतीत में एक से अधिक मुख्यमंत्री राज्य पार्टी प्रमुख के साथ तालमेल न होने के कारण पद से हटाए जा चुके हैं।

श्री गणेश के आशीर्वाद से प्राप्त होती है शुद्धि व सिद्धि

शुद्धि के बिना सिद्धि संभव नहीं है। और, शुद्धि पाने का सहजतम मार्ग है सहज योग। सहज योग के अनुसार श्री गणेश का स्थान हमारे मूलाधार चक्र पर है। श्री गणेश सदैव बाल रुप में हैं और अबोधिता के गुण को मानव मात्र में स्थापित करते हैं। श्री गणेश के आशीर्वाद के बगैर हमारे अंदर शुद्धता व अबोधिता नहीं आ सकती क्योंकि जब यह गुण हमारे अंदर स्थापित होता है तभी सेक्रम बोन में तीन कुंडल में सुप्तावस्था में विराजमान कुंडलिनी मां जागृत होती है और उधर्वगति की ओर चलायमान होती है और मनुष्य के अंदर अबोधिता, पवित्रता और बुद्धिमता के गुण स्थापित होते हैं।

हमारे दैनिक जीवन में पवित्रता का विशेष महत्व है। शुद्धि से तात्पर्य मात्र शरीर का नहीं है, बल्कि मन, प्राण और भाव-विचार के साथ-साथ हमारा अंतःकरण भी निर्मल होना चाहिए। शुद्धता के गुण आते ही व्यक्ति धीरे-धीरे अज्ञान व अंधकार के आवरण को पार कर प्रकाशित स्थिति प्राप्त करता है। इस शुद्धि के फलस्वरूप मन की शांति, चित्त की स्थिरता और प्राण की एकाग्रता व हृदय की तन्मयता का प्रादुर्भाव स्वभावत~ होने लगता है। आनंद का अवरोहण भी तभी संभव होता है। शुद्धि से आत्मा विभिन्न वासनाओं और आकर्षणों से मुक्त होती है। और...सिद्धि प्राप्ति से पहले की प्रारंभिक अवस्था शुद्धि ही है। शुद्ध भावों वाला व्यक्ति ही परमात्मा को भी प्रिय होता है। आचार-विचार के साथ-साथ जीवन के अन्य क्षेत्रों जैसे व्यापार में पैसे के लेन-देन और नौकरी आदि में ईमानदारी व कर्त्तव्य के प्रति निष्ठावान बने रहना भी पवित्रता की ही श्रेणी में आते हैं। व्यक्ति चाहे किसी भी क्षेत्र में कार्यरत हो, वह वहां रहते हुए ही पवित्रता का ध्यान रखने योग्य बन जाता है। पवित्रता को नित्य-प्रतिदिन की दिनचर्या में रखकर हम अपना बैद्धिक स्तर तो उत्तम बना ही सकते हैं, साथ ही, स्वयं सुखी रहते हुए अन्य लोगों को भी इस राह पर अग्रसर कर सकते हैं। पवित्रता जीवन का मूल आधार है। आज समाज में जो नैतिक पतन हो रहा है उसका एक खास कारण शुचिता की ओर ध्यान नहीं दिया जाना है। व्यक्ति जैसे ही पवित्रता की तरफ एक कदम बढ़ाता है, उसकी सोच में निखार आता है, उसकी भौतिक प्रगति के साथ-साथ आध्यात्मिक उन्नति भी होती है। श्री गणेश का पूजन मात्र एक कर्मकांड बनकर ना रह जाये इसीलिए सहज योग ध्यान पद्धति से जुड़कर उत्थान मार्ग पाने का प्रयास होना चाहिए। सहज योग पूर्णतया निशुल्क है।

शब्दों पर पहरा नहीं, फिर भी आवाज़ें कम क्यों होती जा रही हैं?

आपने सच लिखा, किसी ने झूठ नहीं कहा–बस आपकी आवाज को रास्ते से हटा दिया। यही डिजिटल दौर की नई विडंबना है। मेटा के फेसबुक और इंस्टाग्राम पर अभिव्यक्ति का मंच खुला है, लेकिन आपकी बात कितनी दूर जाएगी, यह 'कम्युनिटी स्टैंडर्ड' तय कर सकता है। सरकार की नीति पर सवाल, किसी फैसले की आलोचना या व्यवस्था की कमी सामने रखते ही पोस्ट हट सकती है, पहुंच घट सकती है और अकाउंट प्रतिबंधित हो सकता है। फिर एक संदेश आता है–'आपकी सामग्री हमारे नियमों के विरुद्ध है।' मगर नियम किसने बनाए, किस आधार पर लागू हुए और फैसला किसने सुनाया–इसका जवाब देने वाला कोई दिखाई नहीं देता।

डिजिटल दरबार में अभिव्यक्ति की आज़ादी का फैसला किसके हाथ में है? अगस्त 2026 में पत्रकारों, राजनेताओं, स्वतंत्र टिप्पणीकारों और कुछ राजनीतिक संगठनों के पोस्ट व अकाउंट्स पर कार्रवाई ने गंभीर सवाल खड़े किए। मुद्दा पोस्ट हटने का नहीं, पारदर्शिता का है। नागरिक को पता होना चाहिए कि उसकी अभिव्यक्ति किस नियम की किस धारा से टकराई। मगर यहाँ फैसला पहले आता है, कारण बाद में भी आए तो कृपा समझिए। निर्णय स्वचालित प्रणाली, स्थानीय टीम या कानूनी अनुरोधों के दबाव में हुआ–स्पष्ट नहीं। आईटी नियमों और सरकारी अनुरोधों का जिक्र है, फिर भी पारदर्शिता कम है। मेटा के डेटा के अनुसार भारत में नफरत वाली सामग्री पर प्रोएक्टिव कार्रवाई वैश्विक औसत से कम रही है। सवाल है–एल्गोरिदम अंधा है या उसकी आँखों पर सुविधा का चश्मा है?

पहले सेंसरशिप सामने थी, अब स्क्रीन के पीछे है। किताब जब्त होती थी, अखबार रोका जाता था, छपाई पर पहरा होता था। विरोध करने वाला जानता था कि सामने कौन है। डिजिटल युग में सेंसरशिप अभिवादन करके आती है। पोस्ट रहती है, पर पहुँच गायब हो जाती है। अकाउंट चलता है, पर लोग देख नहीं पाते। लेखक लिखता रहता है और इंटरनेट को व्यस्त समझता है। इसे 'शैडोबैन', 'रिस्ट्रिक्शन' या तकनीकी नाम दें; नतीजा एक है–आवाज मौजूद होकर भी सार्वजनिक नहीं रहती। यह उस लेखक जैसा है जिसकी किताब छपे, पर सारी प्रतियाँ गोदाम में बंद रहें। आपको बोलने दिया जाता है, बस आपकी बात सुनाई नहीं देती।

वैश्विक नियमों की असली परीक्षा अलग-अलग देशों में होती है। मेटा की नीतियां वैश्विक हैं, पर 'समान न्याय' का सवाल बना रहता है। अलग राजनीतिक-सामाजिक परिस्थितियों में इनका लागू होना एक जैसा नहीं। अमेरिका में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और भारत में सरकार, समाज व कानून के दबाव की वास्तविकता अलग है। भारत के आईटी नियम प्लेटफॉर्म पर दबाव डाल सकते हैं, सरकार वैधानिक शक्ति इस्तेमाल कर सकती है और प्लेटफॉर्म कारोबारी हित व नियामकीय जोखिम देखता है। सबसे कमजोर नागरिक है–न मंत्रालय, न अरबों डॉलर की कंपनी, न एल्गोरिदम की चाबी। उसके पास केवल एक पोस्ट है–कभी-कभी वह भी नहीं बचती।

मंच वही सार्थक है, जहाँ हर आवाज को जगह मिले। मेटा स्वयं को अभिव्यक्ति का मंच कहता है। मंच पर सहमति और असहमति–दोनों सुनाई देनी चाहिए। लेकिन जब मंच का मालिक तय करने लगे कि कौन-सी आलोचना स्वीकार्य है और कौन-सी नहीं, तो वह संपादक, निर्णायक और प्रहरी–तीनों बन जाता है। 'हेट स्पीच' और 'गलत सूचना' रोकना जरूरी है; हिंसा और घृणा को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता नहीं कहा जा सकता। लेकिन सत्ता की आलोचना को उसी श्रेणी में रखना लोकतंत्र के लिए खतरनाक है। कसौटी यही है कि नियम सत्ता समर्थक और सत्ता विरोधी–दोनों पर समान लागू हों। यदि तराजू हर बार दबाव की ओर झुके, तो न्याय की परिभाषा बदल देना सबसे आसान रास्ता है।

सेंसरशिप की सबसे बड़ी जीत पोस्ट हटाना नहीं, लिखने से पहले हाथ रोक देना है। जब पत्रकार को सवाल पूछने पर अकाउंट बंद होने का डर हो, टिप्पणीकार को तीखी बात लिखना डिजिटल आत्महत्या लगे और नागरिक को पहुँच घटने का भय हो, तब सेंसरशिप सफल है। फिर सेंसर को कुछ करने की जरूरत नहीं; नागरिक अपने भीतर ही सेंसर बिठा लेता है। यही आत्म-सेंसरशिप लोकतंत्र को भीतर से खोखला करती है। लोग वही लिखते हैं जो सुरक्षित है, वही कहते हैं जो स्वीकार्य है और धीरे-धीरे सार्वजनिक बहस में असहमति की जगह प्रशंसा का शोर भर जाता है। चुप समाज बाहर से शांत, भीतर से लोकतांत्रिक रूप से बीमार होता है।

निजी स्वामित्व अधिकार देता है, जवाबदेही से छूट नहीं। मेटा निजी कंपनी है, इसलिए सामग्री हटाने का अधिकार रखती है–लेकिन यह आधा सच है। जब करोड़ों नागरिकों की बातचीत निजी प्लेटफॉर्मों पर निर्भर हो, तो उनकी सामाजिक जिम्मेदारी भी बढ़ती है। संविधान ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता नागरिक को दी है, एल्गोरिदम को नहीं। इसलिए पारदर्शिता, निष्पक्ष अपील और स्वतंत्र निगरानी जरूरी है। हर कार्रवाई का कारण बताया जाए, प्रभावी अपील मिले और जांच हो कि नियम सभी पर समान लागू हैं या नहीं। अदालतों और नियामकों को डिजिटल सत्ता समझनी होगी, क्योंकि न्याय पीछे रहा तो कई आवाजें फैसला आने से पहले ही इतिहास बन जाएंगी। बात मेटा और किसी पत्रकार की नहीं, उस अधिकार की है जिससे लोकतंत्र जीवित रहता है–बोलने का अधिकार।

सवाल है, नागरिक की आवाज संविधान तय करेगा या किसी कंपनी का 'कम्युनिटी स्टैंडर्ड'? सरकार को आलोचना से असहज होने के बजाय उसकी स्वतंत्रता बचानी चाहिए और प्लेटफॉर्म को मुनाफे व नियामकीय दबाव के बीच नागरिक अधिकारों को दबने नहीं देना चाहिए। यदि दोनों शक्तिशाली पक्षों की सुविधा नागरिक की चुप्पी में मिलती है, तो यह लोकतंत्र का सबसे खतरनाक गठजोड़ है। आज पोस्ट हटती है, कल पहुँच घटती है, परसों शब्दों की सीमा तय होगी। जिस दिन डिजिटल दरबार तय करेगा कि हमें क्या कहना है, खतरा आवाज बंद होने का नहीं, अपनी आवाज की जरूरत भूल जाने का होगा। वही सेंसरशिप की असली जीत होगी–और हमें पता भी नहीं चलेगा।

-प्रो. आरके जैन

भारत में बदल रही पेमेंट की पूरी कहानी, यूपीआई के बाद अब स्मार्ट और एक्टिव डिजिटल करेंसी की ओर कदम

लगभग दो साल पहले, दिसंबर 2024 में मैंने अपने एक बैंकर मित्र के साथ शर्त लगाई~ क्या यूपीआई (यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस) ग्रामीण भारत में नकदी का विकल्प बन सकता है? क्या यह हर चीज के लिए काम कर सकता है ङ्क किराने का सामान, भोजन, छोटे से छोटे लेनदेन? वह संशय में था। लेकिन मुझे पूरा विश्वास था कि यह संभव है।

मैंने एयरबीएनबी पर एक कमरा बुक किया और चार दिन की छुट्टी के लिए महाराष्ट्र के तटीय शहर दहाणू के लिए रवाना हो गया। मैंने जानबूझकर अपना बटुआ घर पर ही छोड़ दिया था। अपनी पूरी यात्रा के दौरान, मैंने जो भी चाहा-मछली की करी और चावल (250 रुपये), इडली-वड़ा (40 रुपये), केले (50 रुपये प्रति दर्जन), और यहां तक कि मीठा पान (10 रुपये)- सबके लिए यूपीआई ने बिना किसी रुकावट के काम किया। मैंने घर के केयरटेकर को टिप भी यूपीआई के माध्यम से ही दी। मेरा फोन ही मेरा बटुआ बन गया। हर विक्रेता, चाहे वह कितना भी छोटा क्यों न हो, उसके पास एक क्यूआर कोड था।

मुझे इतना यकीन हो गया था कि मैंने एक किताब लिखने की योजना बना ली थी और उसका शीर्षक भी सोच लिया था~ द क्यूआर रेवल्यूशन। मेरा बैंकर दोस्त, जो शर्त हार गया था, उसने कुछ वैकल्पिक शीर्षक भी सुझाए। लेकिन मैं उसे लिख ही नहीं पाया। पिछले हफ्ते मैंने शांतनु पॉल और बी. सांबमूर्ति (पेंगुइन रैंडम हाउस) द्वारा लिखित 'कैशलेस नेशन~ हाउ यूपीआई चेंज्ड एवरीथिंग' पढ़ी।

पॉल भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) के बोर्ड सदस्य थे और उसकी नवाचार परिषद के अध्यक्ष भी रहे। सांबमूर्ति इंस्टीट्यूट फॉर डेवलपमेंट ऐंड रिसर्च इन बैंकिंग टेक्नॉलजी के प्रमुख थे और एनपीसीआई के अंतरिम गैर-कार्यकारी अध्यक्ष भी रहे। इस पुस्तक में पांच खंड हैं जिनमें से प्रत्येक भारत के डिजिटल परिवर्तन के एक अलग पहलू को उजागर करता है।

पहला अध्याय इस प्रकार शुरू होता है~ 'यह 8 नवंबर, 2016 का दिन था, और यह बाकी दिनों जैसा ही लग रहा था। दीवाली को बीते हुए मुश्किल से दस दिन ही बीते थे, और भारत इसके प्रभावों से उबरने लगा था। जैसे-जैसे दिन ढलने लगा, अचानक यह चर्चा फैल गई कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज शाम राष्ट्र को संबोधित कर सकते हैंज रात 8 बजे, प्रधानमंत्री राष्ट्रीय टेलीविजन पर प्रकट हुए और उन्होंने अपना गला साफ किया।' बाकी, जैसा कि कहते हैं, इतिहास है।

इसके कुछ महीने पहले 11 अप्रैल, 2016 को, मुंबई के एक गर्म और उमस भरे दिन, ताज महल पैलेस होटल में एक नई यात्रा की शुरुआत हुई थी। यूपीआई के सॉफ्ट-लॉन्च के दौरान भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के तत्कालीन गवर्नर रघुराम राजन ने कहा था, 'देश में दुनिया की सबसे परिष्कृत सार्वजनिक भुगतान प्रणाली है।' उससे भी कई साल पहले, 29 सितंबर, 2010 को उत्तरी महाराष्ट्र के नंदुरबार जिले का तेम्भली गांव उत्सव के माहौल में जाग उठा था।

-सुनील कुमार महला

पर्चा लीक रोकने के लिए तकनीक नहीं, मजबूत संस्थागत ढांचा और जवाबदेही ज्यादा जरूरी

देश में पिछले दिनों कुछ परीक्षाओं के प्रश्न पत्र लीक होने पर काफी हंगामा हुआ था। इस हंगामे के बीच पूरा परीक्षा तंत्र बेहतर बनाने के कई सुझाव भी आए हैं। जिन समाधानों पर खास तौर पर ध्यान गया है उनमें ब्लॉकचेन टेक्नॉलजी लागू करने से लेकर गड़बड़ी के लिए सजा के प्रावधान अधिक सख्त करना आदि बातें शामिल हैं। इस चर्चा के लिए सरकार की क्षमता और संस्थागत ढांचे के बारे में गहरी समझ की जरूरत है न कि जल्दबाजी में पेश किए गए या कामचलाऊ समाधानों की।

हमें इस चर्चा की शुरुआत बड़े सवालों के साथ करनी चाहिए। परीक्षा प्रक्रिया में जो दिक्कतें दिख रही है उनकी वजह उच्च शिक्षा नीति में कुछ बुनियादी सवालों पर ध्यान न देना है। केंद्रीकृत नामांकन के लिए केंद्रीकृत मूल्यांकन की आवश्यकता होती है। आधुनिक अर्थव्यवस्था और समाज में स्वायत्त विश्वविद्यालय अपने छात्रों का चयन स्वयं करते हैं। एक ही राष्ट्रीय परी?क्षा एक जैसी व्यवस्था के आधार पर काम करती है जिससे संस्थानों की विविधता का ख्याल नहीं रह जाता है।

इसके अलावा, उच्च शिक्षा की उपलब्धता नियामकीय रुकावटों की वजह से सीमित है जिससे नए लोगों के लिए विश्वविद्यालय शुरू करना मुश्किल हो जाता है। यह बनावटी कमी प्रवेश प्रकिया का महत्त्व बढ़ा देती है जिससे गड़बड़ी होने की आशंका भी बढ़ जाती है। अगर उपलब्धता उचित स्तर तक होती तो एक ही मुख्य परीक्षा पर दबाव कम हो जाता।

अगर बहुत सारे आवेदकों में कुछ दावेदारों का चयन मकसद है तो लोक नीति में लॉटरी का इस्तेमाल एक आकर्षक तरीका है। अगर एक मानकीकृत परीक्षा जरूरी मानी जाती है तो सरकारी एजेंसी बनाना ही एकमात्र प्रशासनिक विकल्प नहीं है। शैक्षणिक परीक्षण सेवा (ईटीएस) दुनिया भर में जीआरई और सैट जैसी परीक्षाएं भरोसे के साथ आयोजित करती है।

सरकार परीक्षा तंत्र शुरू से तैयार करने की कोशिश करने के बजाय स्थापित व्यावसायिक वेंडरों से परीक्षण संबंधित सेवाएं ले सकती हैं। इन बुनियादी सवालों का समाधान जरूरी है। परीक्षण में बाद में होने वाली गड़बड़ियां असल में शुरुआती नीतिगत फैसलों का नतीजा होती हैं। फिलहाल हम इन बड़े सवालों पर बात नहीं करेंगे।

अगर यह मान लिया जाए कि नीतिगत फैसला सरकार द्वारा आयोजित देशव्यापी परीक्षा का है तो इसके आयोजन में सरकार की क्षमता एक समस्या बन कर सामने आती है। बड़े पैमाने पर सुरक्षित लॉजिस्टिक परीक्षण परिचालन के लिए बेहतरीन प्रबंधन क्षमता की जरूरत होती है। राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) में इस क्षमता की कमी है। लोक प्रशासन सिद्धांत इस कमी को समझने के लिए एक आधार देती है।

संस्थागत ढांचा के नजरिये से एनटीए का विश्लेषण करने पर इसमें संरचनात्मक कमियां दिखाई देती हैं। एनटीएकी स्थापना वर्ष 2018 में हुई थी। इसे किसी कानून के तहत नहीं बल्कि सोसायटी पंजीयन अधिनियम, 1860 के तहत एक सोसायटी के तौर पर तैयार किया गया था। इसका कामकाज एक संचालन इकाई देखती है जिसके अध्यक्ष संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) के पूर्व अध्यक्ष होते हैं। भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) का एक अधिकारी महानिदेशक और सदस्य सचिव के तौर पर काम करता है, साथ ही पदेन अंशकालिक निदेशक भी होते हैं।

इस ढांचे में कामकाज की गहराई की कमी है। एजेंसी ने अब तक 270 से अधिक प्रतियोगिता परीक्षाएं आयोजित की हैं और 6.6 करोड़ से अधिक उम्मीदवारों का पंजीयन किया है। यह एजेंसी महज 39 स्थायी पदों की स्वीकृत संख्या के साथ इतने बड़े लॉजिस्टिक कार्य को संभालने की कोशिश करती है। ये सभी पद प्रतिनियुक्ति के जरिये भरे जाते हैं।

अभी इनमें से 24 स्थायी पदों पर ही लोग काम कर रहे हैं। कामकाज का बोझ संभालने के लिए एनटीए अस्थायी कर्मचारियों पर निर्भर है। इसमें 73 अनुबंध वाले कर्मचारी (जिनमें सलाहकार भी शामिल हैं) हैं और 124 बाहरी लोगों (जो आंकड़ों का विश्लेषण और प्रशासनिक सहायता का काम करते हैं) को काम पर रखा है।

इस तरह एजेंसी 197 अस्थायी कर्मचारियों के साथ चलती है जिन्हें प्रतिनियुक्ति पर आए 24 सरकारी अधिकारियों की मुख्य टीम संभालती है। अस्थायी और बाहर के लोगों पर बहुत अधिक निर्भरता इसके ढांचे की एक कमी है।

संगठन के कानूनी स्वरूप का असर इसके कामकाज और नियंत्रण पर पड़ता है। एक सोसाइटी बिना उस कानूनी ढांचे के काम करती है जो आम नियामकीय संस्थाओं की पहचान होती है। कानूनी निकायों के स्थापना संबंधी कानूनों में ही आंतरिक वित्तीय नियंत्रण और बाहरी जवाबदेही के नियम शामिल होते हैं। एनटीए में इस तरह के ढांचे का अभाव है। चूंकि, यह कोई कानूनी संस्था नहीं है इसलिए यह संसद की नियमित जांच-पड़ताल की जद में नहीं आती है। ऐसा कोई कानूनी नियम नहीं है जिसके तहत एनटीए की सालाना प्रशासनिक और वित्तीय रिपोर्ट संसद में पेश की जाएं और उन पर बहस हो। इसके खातों की जांच अनिवार्य रूप से भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) द्वारा उस तरह से नहीं की जाती जैसे किसी सरकारी विभाग या कानूनी संस्था के खातों की होती है।

इस तरह की जवाबदेह प्रणाली की कमी से ढांचागत कमियां जैसे कर्मचारियों की कमी और कामकाज से जुड़ी कमजोरियां औपचारिक संसदीय जांच से छिपी रहती हैं। जब तक कोई बड़ा कांड न हो जाए तक तक किसी का ध्यान नहीं जाता है।

विकसित अर्थव्यवस्थाएं सार्वजनिक एजेंसियों के गठन के लिए व्यवस्थित नियमों का पालन करती हैं। ब्रिटेन गैर-विभागीय सार्वजनिक निकायों (एनडीपीबी) की संरचना का इस्तेमाल करता है। यह शब्द वर्ष 1980 में सर लियो प्लियात्जकी की एक रिपोर्ट के बाद गढ़ा गया था। एनडीपीबी राष्ट्रीय शासन प्रक्रियाओं में भूमिका निभाता है मगर मंत्रियों से स्वतंत्र होकर कार्य करता है।

ब्रिटेन में मंत्रिमंडल किसी नए एनडीपीबी की स्थापना की अनुमति तभी देता है जब यह किसी विशिष्ट कार्य को निष्पादित करने का सबसे लागत प्रभावी साधन माना जाता है। एनडीपीबी और उसके प्रायोजक विभाग के बीच संबंध इस प्रकार परिभाषित किया जाता है कि यह प्रतिनिधिमंडल का समर्थन करे और साथ ही उत्तरदायी मंत्री को वित्तीय औचित्य और जोखिम प्रबंधन का आश्वासन दे। निकायों की नियमित रूप से समीक्षा की जाती है ताकि यह सत्यापित किया जा सके कि उनके कार्य अभी भी जरूरी हैं।

समय के साथ ब्रिटेन में सार्वजनिक निकायों का एक वर्गीकरण उभरा है जो उन्हें कार्यकारी एनडीपीबी, सलाहकार एनडीपीबी, पंचाट एनडीपीबी, सार्वजनिक निगम आदि के रूप में वर्गीकृत करता है। यह वर्गीकरण जवाबदेही, वित्त पोषण और रिपोर्टिंग व्यवस्था निर्धारित करता है। कार्यकारी एनडीपीबी में नियुक्तियां सख्त नियमों द्वारा नियंत्रित होती हैं।

उन्हें समर्पित कर्मचारी नियुक्त करने और अपने आवंटित बजट का प्रबंधन करने का अधिकार है। इससे किसी काम को कुशलतापूर्वक पूरा करने के लिए ज़रूरी स्थायी संस्थागत स्मृति और क्षमता बनती है।। ब्रिटेन की कानूनी और संवैधानिक व्यवस्था में ऊपर वर्णित नियंत्रण और संतुलन के लिए वैधानिक स्थिति की आवश्यकता नहीं है।

भारत में सार्वजनिक सेवाओं के प्रशासन के लिए आपूर्ति निकायों के निर्माण हेतु एक मानकीकृत, वैधानिक ढांचे की आवश्यकता है। संवेदनशील कार्यों के लिए स्थापित एजेंसियों को बाहर से सेवाएं लेने और प्रतिनियुक्ति पर रखे गए अधिकारियों पर निर्भर होकर शिथिल रूप से प्रशासित संस्थाओं के तौर पर नहीं रखा जा सकता है।

-सुनील कुमार महला

नेट-जीरो का लक्ष्य तो तय, लेकिन नक्शा गायब; स्टील-सीमेंट जैसे क्षेत्रों में उत्सर्जन घटाने की योजना अब भी अधूरी

दुनिया के 140 से ज्यादा देशों ने वर्ष 2050 से 2070 के बीच विशुद्ध शून्य कार्बन उत्सर्जन (नेट-जीरो) का लक्ष्य हासिल करने की घोषणा की है। इन देशों में दुनिया के करीब 90 फीसदी कार्बन उत्सर्जन वाले देश शामिल हैं। विशुद्ध शून्य कार्बन उत्सर्जन लक्ष्य तय करना आसान हिस्सा था। असली चुनौती अब यह है कि इन बड़े राष्ट्रीय लक्ष्यों को अलग-अलग क्षेत्रों और कंपनियों के लिए ठोस योजनाओं में कैसे बदला जाए। खासतौर पर उन आठ क्षेत्रों को कार्बन उत्सर्जन से मुक्त करना सबसे मुश्किल है जहां उत्सर्जन कम करना आसान नहीं है।

इनमें स्टील, सीमेंट, एल्युमीनियम, रसायन, विमानन, जहाजरानी, ट्रक परिवहन और तेल एवं गैस क्षेत्र शामिल हैं। इन क्षेत्रों के कार्बन उत्सर्जन में बड़ी कटौती पर अभी अपेक्षाकृत कम चर्चा हो रही है।

अब तक कार्बन उत्सर्जन कम करने की कोशिशों में दो बातें साफ दिखाई देती हैं। पहली, नीतियों और निवेश का बड़ा हिस्सा ऊर्जा क्षेत्र में बदलाव पर केंद्रित रहा है। दूसरी, इलेक्ट्रिक वाहनों जैसे क्षेत्रों में बदलाव अभी सीमित है और इसका बड़ा हिस्सा चीन में ही देखने को मिलता है। दूसरा, इसके मुकाबले उन आठ क्षेत्रों पर बहुत कम ध्यान दिया गया है जबकि इन्हें विशुद्ध शून्य कार्बन उत्सर्जन की राह पर लाने के लिए बिजली क्षेत्र की तुलना में कहीं ज्यादा निवेश की जरूरत है। बिजली क्षेत्र में सौर, पवन और अन्य स्वच्छ ऊर्जा तकनीकों का विकास काफी आगे बढ़ चुका है और इनकी लागत भी तेजी से कम हुई है।

दुनियाभर में इन आठ अधिक कार्बन उत्सर्जन वाले क्षेत्रों को वर्ष 2050 तक विशुद्ध शून्य कार्बन उत्सर्जन के लक्ष्य तक पहुंचाने के लिए करीब 30 लाख करोड़ डॉलर के अतिरिक्त निवेश की जरूरत का अनुमान है। ये आठ क्षेत्र मिलकर दुनिया के कुल ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन का करीब 40 फीसदी हिस्सा पैदा करते हैं। इनमें स्टील और सीमेंट क्षेत्र सबसे बड़ी चुनौती हैं। दोनों ही ऊर्जा की बहुत ज्यादा खपत करते हैं। इसके अलावा इनके उत्पादन की रासायनिक प्रक्रियाओं के दौरान भी बड़ी मात्रा में कार्बन डाइऑक्साइड निकलती है।

स्टील और सीमेंट के क्षेत्र में कार्बन उत्सर्जन में बड़ी कटौती के लिए कार्बन कैप्चर और भंडारण (सीसीएस) तथा हाइड्रोजन आधारित प्रक्रिया पर काफी निर्भर रहना पड़ेगा। लेकिन अभी ये तकनीकें महंगी हैं और बड़े पैमाने पर इनके इस्तेमाल का पर्याप्त अनुभव नहीं है। सीमेंट उद्योग की समस्या और भी जटिल है। सीमेंट उत्पादन से निकलने वाले कार्बन डाई ऑक्साइड का करीब 60 फीसदी हिस्सा चूना पत्थर को गर्म करने की प्रक्रिया से पैदा होता है। यानी यह केवल ईंधन जलाने की वजह से नहीं निकलता। ऐसे में सस्ती गैस या ज्यादा अक्षय ऊर्जा उपलब्ध करा देने भर से सीमेंट उद्योग की यह समस्या हल नहीं होगी। यहीं पर क्षेत्रवार बदलाव की योजना (एसटीपी) की भूमिका महत्त्वपूर्ण हो जाती है। ये योजनाएं किसी देश के जलवायु और विशुद्ध शून्य कार्बन उत्सर्जन लक्ष्यों को उद्योगों और कंपनियों की ठोस कार्रवाई से जोड़ने का काम करती हैं। इसमें यह बताया जाता है कि कब तक कितना उत्सर्जन कम करना है, किन तकनीकों और उत्पादन प्रक्रियाओं में बदलाव करना होगा और इसके लिए कितने निवेश की जरूरत होगी।

इसके साथ ही ऐसी योजना में सरकार से मिलने वाली जरूरी नीतिगत मदद की भी पहचान की जाती है। इन योजनाओं के बिना कार्बन उत्सर्जन को शून्य के करीब लाने का लक्ष्य हासिल करना मुश्किल है। भारत में नीति आयोग एसटीपी उत्सर्जन कम करने की दिशा और अलग-अलग क्षेत्रों के लिए जरूरी बदलावों का खाका देता है। लेकिन यह योजना कानूनी रूप से बाध्यकारी नहीं है। इसमें हर संयंत्र के लिए यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि कब तक कौन-सा बदलाव करना होगा। इसे लागू कराने और नियमों का पालन सुनिश्चित करने की व्यवस्था भी नहीं है। यही वजह है कि कंपनियों को इस बदलाव के लिए जरूरी फंड जुटाने में दिक्कत आती है।

योजना से पूंजीगत खर्च तक- कंपनियों की बदलाव की योजनाएं यह बताती हैं कि कोई कारोबार अपनी रणनीति, काम करने के तरीके और बड़े निवेश को किस तरह बदलकर उत्सर्जन कम करने के लक्ष्य के अनुरूप लाएगा। इन योजनाओं में यह तय किया जाता है कि कंपनी को क्या लक्ष्य हासिल करने हैं, कौन-सी तकनीक अपनानी है, फैसलों और निगरानी की जिम्मेदारी किसकी होगी और अलग-अलग चरणों में कितने धन की जरूरत पड़ेगी।

दुनिया में अब अंतरराष्ट्रीय मानक, वर्गीकरण व्यवस्था और बहुपक्षीय विकास बैंक भी ऐसी योजनाओं के लिए स्पष्ट नियम और दिशा तय करने में मदद कर रहे हैं। हालांकि, इन बदलाव की योजनाओं को अपनाने की स्थिति हर देश में एक जैसी नहीं है। ब्रिटेन में करीब 66 फीसदी और यूरोपीय संघ में 59 फीसदी बड़ी कंपनियां अब अपनी बदलाव की योजनाओं की जानकारी सार्वजनिक कर रही हैं। इसके पीछे वहां लागू नियमों और कंपनियों के लिए जानकारी सार्वजनिक करने की अनिवार्यता की बड़ी भूमिका है।

इसके उलट, भारत, चीन, इंडोनेशिया और ब्राजील मिलकर दुनिया के 60 फीसदी से ज्यादा स्टील और करीब 70 फीसदी सीमेंट का उत्पादन करते हैं।

इसके बावजूद इन देशों में अभी तक ऐसा कोई कानूनी रूप से बाध्यकारी और निवेश के लिहाज से क्षेत्रवार बदलाव की भरोसेमंद योजना नहीं है जिसके आधार पर बड़े पैमाने पर निवेश किया जा सके। कंपनियों के सर्वेक्षण भी इस कमी को उजागर करते हैं। ज्यादातर कंपनियों ने अभी यह तक तय नहीं किया है कि उत्सर्जन कम करने के लिए उन्हें कौन-कौन से ठोस कदम उठाने होंगे। ऐसे में उनके लिए इसके लिए जरूरी बजट तय करना तो और भी दूर की बात है।

पूंजीगत खर्च से उत्सर्जन कम करने की दिशा- बदलाव के लिए मिलने वाला फंड उन कंपनियों और उद्योगों को मदद देता है, जिनसे अभी काफी ज्यादा उत्सर्जन होता है, लेकिन जो समय के साथ अपने कारोबार को कम-कार्बन वाला बनाने के लिए बड़े निवेश करना चाहते हैं। यह ग्रीन फाइनैंस से अलग है। ग्रीन फाइनैंस उन परियोजनाओं के लिए दिया जाता है जो पहले से ही कम-कार्बन उत्सर्जन वाली हैं, जैसे सौर ऊर्जा संयंत्र, पवन ऊर्जा परियोजनाएं और इलेक्ट्रिक वाहन।

अभी तक दुनिया में ग्रीन फाइनैंस पर ज्यादा जोर रहा है जबकि बदलाव से जुड़ी फंडिंग पर कम ध्यान दिया गया है। यही वजह है कि स्टील, सीमेंट और दूसरे ऐसे क्षेत्रों में बहुत कम पैसा पहुंच रहा है जहां उत्सर्जन कम करना सबसे मुश्किल है।

कई सर्वेक्षणों में निवेशकों ने कहा है कि इसके रास्ते की सबसे बड़ी रुकावट कंपनियों की व्यावहारिक और निवेश के लिहाज से भरोसेमंद बदलाव की योजनाओं का अभाव है। इन योजनाओं के बिना विशुद्ध शून्य उत्सर्जन का लक्ष्य हासिल करना मुश्किल है क्योंकि जिन उद्योगों को सबसे ज्यादा बदलाव की जरूरत है, वहां जरूरी निवेश पहुंच ही नहीं पाएगा।

कैसी हो निवेश के लायक योजना- स्वच्छ ऊर्जा में बदलाव के लिए वित्तपोषण आकर्षित करने के लिए दो चीजें सबसे जरूरी हैं। पहली, मुश्किल क्षेत्रों के लिए विस्तृत और भरोसेमंद क्षेत्रवार बदलाव की योजनाएं होनी चाहिए। इनमें हर संयंत्र के लिए बदलाव की समय-सीमा, जरूरी बुनियादी ढांचा, सरकारी नीतियां और प्रोत्साहन तथा इस्तेमाल की जाने वाली तकनीकों की जानकारी होनी चाहिए। फिलहाल ज्यादातर देशों में ऐसी क्षेत्रवार योजनाएं केवल दिशानिर्देश हैं, उन्हें लागू करना कानूनी रूप से जरूरी नहीं है। इसलिए निवेशकों को परियोजनाओं में पैसा लगाने के लिए जरूरी भरोसा नहीं मिल पाता।

-धनंजय राजौरा

जैन समाज ने धूमधाम से मनाया भगवान महावीर का जन्म वाचन महोत्सव

नगर में निकाला गया विशाल चल समारोह, चौदह स्वप्नो बोली का लिया लाभ

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। ओसवालसेरी स्थित जैन उपाश्रय में आयोजित पर्वाधिराज पर्युषण महापर्व के अंतर्गत पांचवे दिवस शनिवार को कल्प सूत्र वाचनकर्ता सौरभ नारेलिया द्वारा धर्मसभा में उपस्थित समाजजनों के समक्ष भगवान महावीर के जन्म प्रसंग का भावपूर्ण वर्णन किया गया।

गौरतलब है कि जैन समाज के मुख्य पर्युषण पर्व के पांचवे दिवस समाजजनों द्वारा भगवान महावीरस्वामी का जन्मवाचन महोत्सव मनाया जाता है। इस वर्ष भी उक्त आयोजन को सैकड़ों समाजजनों की उपस्थिति में धूमधाम से मनाया गया। जैसे ही प्रभु का जन्मवाचन सम्पन्न हुआ पूरा नगर भगवान महावीर जी के गगनभेदी जयकारों से गूंजायमान हो गया। इसके पूर्व धर्मसभा स्थल पर समाजजनों द्वारा भगवान महावीर के जन्म की पूर्व रात्रि में माता त्रिशलादेवी द्वारा स्वप्न में देखे गए चौदह स्वप्नों की बोली लगाई गई। जिसके अंत में भगवान के पालनाजी की बोली लगाई गई, जिसका लाभ पुलकित कुमार - दिनेश कुमार नाहर परिवार द्वारा लिया गया। इसके पश्चात मालवरत्न पपू जैनाचार्य श्रीमद्विजय श्रीवीररत्न सुरीश्वरजी म.सा. की प्रेरणा से नगर में नवनिर्मित चौबीस जिनालययुक्त भव्य जैन मंदिर से प्रारंभ हुआ जैन समाज का विशाल चलसमारोह बैंड-बाजे सहित नगर के विभिन्न प्रमुख मार्गों कसेरा बाजार, आजाद चौक, सोमवारिया बाजार, कंस चौराहा, नागनागनी रोड़, टॉकीज चौराहा तथा नई सड़क आदि स्थानों से होता हुआ पुनः जैन मंदिर पहुंचा जहां भगवान की आरती के साथ आयोजन का समापन हुआ। आरती की बोली का लाभ जितेन्द्र कुमार कटारिया परिवार ने लिया। चलसमारोह में महिलाओं द्वारा चौदह स्वप्न व पालनाजी को माथे पर धारण किया हुआ था। इस दौरान चलसमारोह में बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

मंदिर में हुई परमात्मा की विशेष अंगरचना- चौबीसवें जिनतीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी के जन्म वाचन महोत्सव के उपलक्ष्य में ओसवाल सेरी स्थित चौबीस जिनालय धाम एवं लालघाटी स्थित श्री सिद्धाचल वीरमणि महातीर्थ धाम जैन मंदिर में विराजित तीर्थंकर प्रतिमाओं का समाजजनों द्वारा विभिन्न सामग्रियों से आकर्षक व नयनाभिराम श्रंगार किया गया। रात्री के समय मंदिर में की गई जगमगाहटभरी विद्युत सज्जा ने प्रतिमाओं की सजी हुई अंगरचना का स्वरूप और भी आकर्षित बना दिया जिसके दर्शन का लाभ समाजजनों सहित शहरवासियों ने भी लिया।

भक्ति के साथ मनाया जन्म वाचन महोत्सव- भगवान महावीर स्वामी के जन्म कल्याणक महोत्सव को समाजजनों द्वारा मंदिर में रंगारंग भक्ति व भजन संध्या के साथ मनाया गया। इस दौरान लोकेन्द्र नारेलिया भक्ति मंडल द्वारा तीर्थंकर भगवान की सुमधुर भजनों से देर रात रंगारंग भक्ति की गई। इसके पूर्व जन्म वाचन की पूर्व संध्या शुक्रवार रात्रि श्री सिद्धाचल वीरमणि तीर्थ धाम पर प्रभु भक्ति व भजन संध्या का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में समाजजन शामिल हुए।

एनएसएस स्वयंसेवक, एनसीसी कैडेट्स एवं विद्यार्थियों ने लिया संकल्प

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। साक्षरता सप्ताह 08 से 14 2026 के अंतर्गत नगर के नवीन कॉलेज में साक्षरता एवं जन-जागरूकता शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस), राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) एवं भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी (यूथ रेडक्रास) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को साक्षरता के महत्व के साथ-साथ सामाजिक जागरूकता के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझाना रहा। कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. एसके तिवारी ने विद्यार्थियों एवं रासेयो स्वयंसेवकों सहित उपस्थित सभी को साक्षर एवं जागरूक समाज के निर्माण की शपथ दिलाई। शपथ दिलाते हुए प्राचार्य ने कहा कि साक्षरता केवल पढ़ने-लिखने तक सीमित नहीं है, बल्कि व्यक्ति को अपने अधिकारों, कर्तव्यों, स्वास्थ्य, स्वच्छता, शिक्षा एवं सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक बनाना भी साक्षरता का महत्वपूर्ण उद्देश्य है। एनएसएस, एनसीसी शिक्षा एवं जागरूकता का संदेश समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता प्रो. अरविंद शर्मा ने कहा कि वर्तमान समय में साक्षरता के साथ डिजिटल एवं सामाजिक जागरूकता भी आवश्यक है। विद्यार्थी लोगों को शिक्षा, स्वच्छता, स्वास्थ्य, सरकारी योजनाओं, डिजिटल सुरक्षा तथा सामाजिक कुरीतियों के प्रति जागरूक करने का प्रयास करें। इस अवसर पर प्रशासनिक अधिकारी प्रो मीनू गिडवानी, एनएसएस प्रभारी डॉ. अर्चना वर्मा एवं एनसीसी प्रभारी प्रो. अभिषेक पाटीदार ने भी स्वयंसेवकों एवं कैडेट्स को मार्गदर्शन प्रदान किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. दिलीप माहेश्वरी ने किया। इस अवसर पर एनएसएस स्वयंसेवक एवं एनसीसी कैडेट्स उपस्थित रहे।

कभी बारिश ने बढ़ाई परेशानी, कभी धूप से छूटे पसीने

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर में शनिवार के दिन मौसम के अलग-अलग रूप देखने को मिले। कभी तेज धूप खिली तो कभी आसमान पर छाए घने बादलों से तेज बारिश हुई। ऐसा दिन में दो से चार बार हुआ। जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। मौसम विभाग की माने तो आने वाले दो तीन दिन मौसम ऐसा ही बना रहेगा।

सुबह जब लोगों की नींद खुली तो उनका सामना तेज धूप से हुआ। लेकिन कुछ देर बाद ही मौसम बदल गया और आसमान पर काले बादल छा गए और बारिश शुरू हो गई जो करीब 10 मीनिट तक जारी रही। उम्मीद थी कि दिनभर बारिश होगी लेकिन कुछ देर बाद ही मौसम साफ हो गया और धूप खिल उठी। लेकिन दोपहर में फिर मौसम के यही हाल हो गए और कभी बारिश तो कभी धूप खिलने से मौसम के मिजाज समझ से परे रहे। इस दिन अधिकतम तापमान भी बढ़कर 30 डिग्री से अधिक दर्ज किया गया लेकिन बारिश होने से मौसम में ठंडक भी घुल गई।

शाम को फिर हुई झमाझम बारिश, इधर-उधर भागे लोग - शाम करीब 5 बजे भी तेज धूप खिली हुई थी और बारिश की उम्मीद नहीं थी। जिसके चलते लोग बिन छाते के घर से निकल पड़े, लेकिन कुछ देर बाद ही आसमान काले बादलों से ढंक गए और देखते ही देखते बारिश शुरू हो गई। जिसके चलते लोगों को बारिश से बचने के लिए इधर-उधर भागकर बारिश से बचने के प्रयास करते देखा गया। इधर मौसम के बदलते मिजाज से लोगों को मौसमी बीमारियां भी घेर रही हैं।

आज सजेगा अज़ीमुश्शान जलसा, शाही इमाम पंजाब मौलाना उस्मान रेहमानी लुधियानवी का होगा खिताब, ईदगाह मस्जिद पर तैयारियां मुकम्मल

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर की ऐतिहासिक सरज़मी पर अंजुमन कमेटी और सीरत कमेटी के तत्वावधान में एक अज़ीमुश्शान जलसे का आयोजन किया जा रहा है। यह जलसा 13 सितंबर रविवार को शाम 7 बजे से स्थानीय ईदगाह मस्जिद परिसर में शुरू होगा।

जलसे की सबसे बड़ी ख़ासियत यह है कि इसमें मेहमान-ए-खुसूसी के तौर पर देश के मशहूर आलिम-ए-दीन और शाही इमाम पंजाब जनाब हज़रत मौलाना उस्मान रेहमानी साहब लुधियानवी तशरीफ़ ला रहे हैं। मौलाना लुधियानवी अपने पुरअसर बयानों और इत्तेहाद-ओ-मोहब्बत के पैगाम के लिए पूरे मुल्क में जाने जाते हैं। शाजापुर में उनके पहली बार आगमन को लेकर अवाम में जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है। अंजुमन कमेटी व सीरत कमेटी के सदर हाजी नईम कुरैशी ने बताया कि जलसे को भव्य बनाने के लिए सभी इंतज़ामात अंतिम चरण में हैं। ईदगाह मस्जिद मैदान पर ज़ायरीन और अकीदतमंदों के बैठने, वुज़ू, रोशनी, पार्किंग और साउंड सिस्टम की पुख्ता व्यवस्था की गई है। हाजी श्री कुरैशी ने बताया कि शाही इमाम पंजाब के पुरहिकमत बयान को सुनने के लिए शाजापुर जिले के अलावा आसपास के जिले उज्जैन, देवास, राजगढ़, सिहोर, आगर आदि जगहों से और ग्रामीण अंचलों से भी भारी तादाद में मुस्लिम समाज के लोगों के पहुंचने की उम्मीद है। अंजुमन और सीरत कमेटी के ज़िम्मेदार नौजवान वालंटियर्स व्यवस्था संभालने के लिए मुस्तैद रहेंगे। कमेटी के तमाम ओहदेदारों ने शहर और आसपास के तमाम अवाम से अपील की है कि वे वक्त की पाबंदी के साथ जलसे में शिरकत करें और मौलाना उस्मान रेहमानी लुधियानवी के इल्मी बयानों से फैजय़ाब होकर दीनी व दुनियावी जिंदगी में सुधार लाएं।

उलेमा और जेन-जी युवाओं से करेंगे खास मुलाकात- शाही इमाम पंजाब के शाजापुर आगमन को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। तय कार्यक्रम के अनुसार 13 सितंबर को मुख्य आयोजन के बाद शाही इमाम सद्र हाजी नईम कुरैशी के निवास पर कयाम (विश्राम) करेंगे। इसके अगले दिन 14 सितंबर को सुबह मस्जिद बैतुल हम्द में दो महत्वपूर्ण मुलाकातों का दौर चलेगा।

सुबह 7 से 8 बजे शाजापुर के प्रमुख उलेमा हजरात शाही इमाम से रूबरू होंगे और विभिन्न दीनी व समाजी मसलों पर चर्चा करेंगे। सुबह 8 से 8.30 बजे मुस्लिम जेन-जी और छात्र वर्ग के साथ एक विशेष संवाद सत्र आयोजित होगा। इसमें युवाओं की तालीम, भविष्य की दिशा और समाज निर्माण में उनकी भूमिका पर विचार साझा किए जाएंगे। मस्जिद बैतुल हम्द में होने वाली इन मुलाकातों को लेकर स्थानीय युवाओं और समाज के लोगों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है।

लिपिकों ने दो सूत्रीय मांगों को लेकर किया प्रदर्शन

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। लिपिक वर्ग के कर्मचारियों ने अपनी दो सूत्रीय मांगों को लेकर शनिवार को प्रदर्शन किया। मध्य प्रदेश लिपिक वर्गीय शासकीय कर्मचारी संघ के प्रांताध्यक्ष मुकेश चतुर्वेदी के कहने पर प्रदेश के 55 जिलों में लिपिक अलग-अलग चरणों में आंदोलन कर रहे हैं। इसी क्रम में शनिवार को शाजापुर जिला इकाई ने विधायक अरुण भीमावद को मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव के नाम ज्ञापन सौंपा। संघ के जिलाध्यक्ष जितेंद्रसिंह राजपूत ने बताया कि लिपिकों की मुख्य मांगों में मैदानी लिपिकों को मंत्रालय के लिपिकों के बराबर समयमान वेतनमान और ग्रेड-पे देना शामिल है। इसके अलावा अनुकंपा नियुक्ति पाने वाले लिपिकों को सीपीसीटी की अनिवार्यता से छूट देने की भी मांग की गई है। राजपूत ने बताया कि मुख्यमंत्री ने सीपीसीटी को आसान बनाने के लिए दो बार खुले मंच से घोषणाएं की हैं। लेकिन अभी तक सरकार की तरफ से कोई आधिकारिक आदेश जारी नहीं हुआ है। इससे लिपिक वर्ग में नाराजगी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि मैदानी लिपिकों को समान काम के लिए समान वेतन मिलना उनका अधिकार है।

छोटी सी गलती भी केस को प्रभावित कर सकती है

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। एनडीपीएस एक्ट के मामलों की जांच बेहतर करने के लिए शनिवार को पुलिस कंट्रोल रूम में प्रशिक्षण हुआ। जहां प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश आनंद कुमार तिवारी ने पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को जब्ती, सीलिंग, सैंपलिंग और दस्तावेजी कार्रवाई की कानूनी प्रक्रिया समझाई। उन्होंने जांच के दौरान सबूतों की चेन ऑफ कस्टडी सुरक्षित रखने पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि छोटी सी गलती भी केस को प्रभावित कर सकती है।

न्यायाधीश आनंदकुमार तिवारी ने बताया कि एनडीपीएस मामलों में घटनास्थल से लेकर कोर्ट में केस की सुनवाई तक हर कार्रवाई तय प्रक्रिया के अनुसार होना चाहिए। उन्होंने प्रशिक्षण में अधिकारियों को बताया कि बरामद किए गए मादक पदार्थ और दूसरे सबूतों को सुरक्षित तरीके से रखा जाए। उनकी हैंडलिंग और रिकार्डिंग की पूरी प्रक्रिया का दस्तावेजीकरण किया जाए, ताकि कोर्ट में सबूतों की विश्वसनीयता बनी रहे। वहीं जांच अधिकारियों को निष्पक्ष तरीके से कार्रवाई करने और हर तथ्य को सबूतों के आधार पर दर्ज करने की जानकारी दी गई। न्यायाधीश ने कहा कि कानूनी प्रक्रिया का सही पालन होने से कोर्ट में केस मजबूत रहता है। इस प्रशिक्षण में एसपी प्रियंका शुक्ला, एएसपी घनश्याम मालवीय, एसडीओपी शाजापुर कीर्ति बघेल, डीएसपी अजाक अजय मिश्रा और एसडीओपी बेरछा एनपीएस चौहान, कोतवाली टीआई संतोष वाघेला, मक्सी टीआई मदन इवने, लालघाटी टीआई अर्जुन मुजाल्दे, मो. बड़ोदिया टीआई मनीषा शर्मा, सलसलाई टीआई जनकसिंह रावत, शुजालपुर मंडी टीआई शिव कुमार यादव समेत अन्य पुलिस अधिकारी-कर्मचारी भी प्रशिक्षण में शामिल हुए।

आपसी समझौते से 5.25 करोड़ के अवार्ड- लंबित मामलों में करोड़ों की राशि का हुआ सेटलमेंट, चेक बाउंस के 210 मामले सुलझे

नेशनल लोक अदालत में 1521 लंबित एवं 219 प्रिलिटिगेशन प्रकरणों का निराकरण

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण देवास श्री कपिल मेहता के मार्गदर्शन में शनिवार को जिले के समस्त न्यायालयों में वर्ष 2026 की तृतीय नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। लोक अदालत में कुल 1521 लंबित प्रकरणों तथा 219 प्रिलिटिगेशन प्रकरणों का निराकरण किया गया। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री मेहता ने कहा कि नेशनल लोक अदालत एक ऐसा यज्ञ है, जिसमें न्यायाधीशगण एवं अधिवक्तागण अपने श्रम, समय एवं अनुभव की आहुति देकर समाज में न्याय एवं सौहार्द की स्थापना में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। उन्होंने कहा कि लोक अदालत केवल लंबित प्रकरणों के निराकरण का माध्यम नहीं है, बल्कि पक्षकारों के मध्य आपसी सौहार्द, सहयोग एवं सामाजिक समरसता स्थापित करने का प्रभावी मंच भी है। उन्होंने सभी संबंधित विभागों, न्यायिक अधिकारियों, अधिवक्ताओं एवं पक्षकारों से अधिकाधिक प्रकरणों का आपसी सहमति एवं राजीनामे के आधार पर निराकरण कराने का आह्वान किया।

नेशनल लोक अदालत में परिवार न्यायालय, देवास ने विशेष उपलब्धि हासिल की। प्रधान न्यायाधीश, कुटुम्ब न्यायालय श्री जितेन्द्र सिंह कुशवाह द्वारा एकल बैठक में कुल 93 प्रकरणों का सफलतापूर्वक निराकरण किया गया। इनमें 30 दंपतियों के पारिवारिक विवादों का आपसी सहमति एवं समझाइश के माध्यम से समाधान किया गया। विवादों के समाप्त होने के बाद 30 दंपति प्रसन्नता एवं उल्लास के वातावरण में ढोल-नगाड़ों के साथ अपने-अपने घरों के लिए रवाना हुए। यह दृश्य लोक अदालत की मूल भावना विवाद का अंत, संबंधों की पुनः शुरुआत को साकार करता नजर आया।

पारिवारिक विवादों के निराकरण में पक्षकारों की भावनाओं, पारिवारिक परिस्थितियों एवं आपसी संबंधों को ध्यान में रखते हुए समझाइश एवं सहमति के माध्यम से समाधान का प्रयास किया गया।

जनसहयोग से न्यायालय परिसर को मिली समर्पित एंबुलेंस- न्यायालय परिसर में पक्षकारों, अधिवक्ताओं, कर्मचारियों अथवा अन्य व्यक्तियों की आकस्मिक तबीयत बिगड़ने की स्थिति में तत्काल चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से न्यायिक परिवार एवं अधिवक्ता समुदाय के सहयोग से समर्पित एंबुलेंस की व्यवस्था की गई।न्यायाधीशगण द्वारा 51 हजार रुपये तथा कर्मचारीगण द्वारा 24 हजार 100 रुपये का आर्थिक सहयोग प्रदान किया गया। एंबुलेंस में प्राथमिक उपचार एवं आवश्यक आपातकालीन चिकित्सा उपकरणों की व्यवस्था की गई है। यह सेवा न्यायालय परिसर में आने वाले पक्षकारों, आम नागरिकों, अधिवक्ताओं एवं न्यायालयीन कर्मचारियों के लिए निःशुल्क उपलब्ध रहेगी।इस अवसर पर कहा गया कि न्यायालय का दायित्व केवल न्याय प्रदान करना ही नहीं, बल्कि आवश्यकता के समय मानवीय संवेदनाओं के साथ समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाना भी है। न्यायाधीशों, कर्मचारियों एवं अधिवक्ताओं के सामूहिक सहयोग से शुरू की गई यह सेवा इसी भावना का प्रतीक है।

प्रहरी भर्ती परीक्षा-2026 के लिए कार्यक्रम एवं आवश्यक दिशा-निर्देश जारी

सीहोर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रहरी भर्ती परीक्षा-2026 के अंतर्गत आयोजित होने वाली परीक्षा के संबंध में संबंधित विभाग द्वारा परीक्षा कार्यक्रम एवं अभ्यर्थियों के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। जारी कार्यक्रम के अनुसार परीक्षा 7 अक्टूबर से 18 अक्टूबर 2026 तक निर्धारित परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित की जाएगी। परीक्षा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प्रतिदिन प्रातः 7ः00 बजे से दोपहर 2ः00 बजे तक आयोजित होगी। अभ्यर्थियों को अपनी निर्धारित परीक्षा तिथि एवं समय के अनुसार परीक्षा केन्द्र पर उपस्थित होना होगा।

जारी कार्यक्रम में अभ्यर्थियों के अनुक्रमांक के अनुसार परीक्षा की तिथियां निर्धारित की गई हैं। कार्यक्रम के अनुसार 7 अक्टूबर से 17 अक्टूबर 2026 तक अलग-अलग समूहों में अभ्यर्थियों की परीक्षा निर्धारित की गई है। इसी क्रम में 18 अक्टूबर 2026 को शेष निर्धारित अभ्यर्थियों की परीक्षा आयोजित की जाएगी। अभ्यर्थियों को अपने प्रवेश-पत्र में अंकित परीक्षा तिथि, परीक्षा केन्द्र तथा अन्य विवरण का ध्यानपूर्वक अवलोकन कर उसी के अनुसार परीक्षा में सम्मिलित होने के निर्देश दिए गए हैं। परीक्षा में सम्मिलित होने वाले अभ्यर्थियों के लिए परीक्षा प्रक्रिया से संबंधित आवश्यक निर्देश भी जारी किए गए हैं। अभ्यर्थियों को परीक्षा केन्द्र पर निर्धारित समय का विशेष ध्यान रखते हुए उपस्थित होना होगा। परीक्षा केन्द्र में प्रवेश एवं परीक्षा के दौरान जारी दिशा-निर्देशों का पालन करना अनिवार्य होगा। अभ्यर्थियों से कहा गया है कि वे परीक्षा में शामिल होने से पहले अपने प्रवेश-पत्र तथा उसमें उल्लेखित आवश्यक निर्देशों को अच्छी तरह पढ़ लें और निर्धारित प्रक्रिया के अनुरूप ही परीक्षा केन्द्र पर उपस्थित हों। विभाग द्वारा जारी जानकारी के अनुसार परीक्षा से संबंधित अभ्यर्थियों की सूची में उनके आवेदन/अनुक्रमांक के आधार पर परीक्षा की तिथि निर्धारित की गई है। अभ्यर्थियों को यह सुनिश्चित करने की सलाह दी गई है कि वे अपने अनुक्रमांक के अनुसार निर्धारित परीक्षा दिवस पर ही परीक्षा केन्द्र पर पहुंचें। परीक्षा कार्यक्रम में विभिन्न तिथियों के लिए निर्धारित अभ्यर्थियों के अनुक्रमांक का विवरण भी उपलब्ध कराया गया है। अभ्यर्थियों से अपील की गई है कि वे परीक्षा संबंधी सभी निर्देशों का पालन करें तथा परीक्षा दिवस पर किसी प्रकार की असुविधा से बचने के लिए निर्धारित समय से पर्याप्त पूर्व परीक्षा केन्द्र पर पहुंचें।

भगवान महावीर का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया

श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ मंदिर पर अनेक आयोजनो के साथ हुआ जन्म वांचन समारोह

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्री पर्युषण पर्व के अंतर्गत जैन जगत के चौवीसवे तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी का जन्मोत्सव अपूर्व हर्षोल्लास के बीच अपार उत्साह के साथ मनाया गया। भगवान महावीर की माता त्रिशला ने भगवान के जन्म के पूर्व जो 14 महास्वप्न देखे थे उनको झूलाने तथा माल्यार्पण का कार्यक्रम हुआ, जिसमें समाज के लोगो ने उत्साहपूर्वक चढ़ावा बोलकर बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। भगवान महावीर के पलना झूलाने का विशेष आयोजन हुआ। जैन धर्मावलंबियो को केशरिया छापे लगाये गये। श्रद्धालुओ ने श्रीफल फोड़कर भगवान महावीर के जन्म की खुशी व्यक्त की।

श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ जैन मंदिर तुकोगंज रोड पर आज जन्म वांचन समारोह को लेकर श्रद्धालुओं में सुबह से ही भारी उत्साह दिखाई दे रहा था। प्रात सामूहिक स्नात्र पूजन का कार्यक्रम हुआ। जन्म वांचन समारोह दोपहर 2 बजे से प्रारंभ हुआ। वीर सैनिक भाग्यवंत भाई , मेहुल भाई, धर्मेश भाई, भव्य भाई ने जन्म वाचन के दौरान जैसे ही प्रभु महावीर के जन्म की घोषणा की उपस्थित विशाल जनसमुदाय आत्म विभोर होकर झूमने-नाचने लगा। संपूर्ण वातावरण भगवान महावीर की जय-जयकार से गुंजायमान हो गया। श्रद्धालुओ ने नारियल फोड़े तथा एक-दूसरे को खिलाकर खुशी व्यक्त की। जन्म वाचन के पश्चात भगवान महावीर का पलनाजी घर ले जाने का लाभ संजय कुमार नेमीचंद जैन पद्मावती परिवार ने प्राप्त किया। चांदमल सूरजमल जैन द्वारा प्रभु की नयनरम्य अंगरचना की गई। सुशीलकुमार बम द्वारा प्रभावना वितरित की गई। डूंगर ऊपर श्री आदेश्वर भगवान की अंग रचना अजय कुमार धर्मेन्द्र कुमार मूणत परिवार द्वारा की गई।

प्रवक्ता विजय जैन ने बताया कि श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ मंदिर प्रांगण में भगवान महावीर के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में रात्रि 8 बजे भव्य महाआरती संपन्न हुई तथा भक्ति भावना के विशेष कार्यक्रम के साथ लकी ड्रा का आयोजन हुआ। श्रद्धालुओ ने रात्रि जागरण करके संपूर्ण रातभर भगवान महावीर के पलनाजी की झूमते, नाचते, गाते भक्ति-भावना की। संस्था जय जिनेन्द्र एवं माणिभद्र मंडल के तत्वाधान में भगवान महावीर की मनोहारी झांकी सजायी गई, जिसमें प्रभु महावीर का उच्च सिंहासन एवं उसके समक्ष झरने एवं बगीचे का सुंदर प्रदर्शन किया गया। जितप्रज्ञा बालिका मण्डल ने नयनरम्य रांगोली की रचना की। आतुर चौधरी, अंकित जैन, अंशुल जैन , आयुष चौधरी ,सानिध्य जैन, विकास जैन, प्रफुल्ल जैन, महावीर जैन, सुरेंद्र जैन मामा, सिद्धार्थ कटारिया, जय जैन, सिद्धार्थ जैन,यश जैन, राहिल जैन, ऋषभ जैन , आलोक जैन आदि का सहयोग रहा। इस अवसर पर विलास चौधरी, शैलेन्द्र चौधरी, राकेश तरवेचा, नरेन्द्र जैन, मदनलाल कटारिया, दीपक जैन, अतुल जैन, राजेन्द्र जैन, सुशील कुमार बम, अशोक जैन, संतोष सेठिया, चंद्रशेखर जैन, सुधीर जैन, अजय मूणत, मनोज कटारिया उपस्थित रहे। साथ ही श्री आदेश्वर मंदिर बड़ा बाजार, श्री चंदाप्रभु मंदिर एम जी रोड एवं सुतार बाखल, श्री मुनिसुव्रत स्वामी मंदिर सिविल लाईन्स पर भी भगवान महावीर का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया।

आगामी कार्यक्रम

आगामी कार्यक्रम के तहत 13 सितम्बर रविवार को दोपहर 2 बजे श्री नवपदजी पूजन संस्था जय जिनेन्द्र द्वारा की जाएगी। रात्रि को एक शाम प्रभु पार्श्वनाथ के नाम कार्यक्रम के अंतर्गत मनोरम गीत सज्जा एवं 11 लकी ड्रा के साथ भक्ति भावना की जाएगी। 15 सितम्बर मंगलवार को संवत्सरी महापर्व मनाया जायेगा।

जिला सहकारी बैंक की आर्थिक मजबूती के लिये जमा राशि और वसूली बढ़ाने पर जोर

ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला सहकारी बैंक एवं उसकी शाखाओं और प्राथमिक सहकारी संस्थाओं को सरकार की मंशा के अनुरूप आर्थिक रूप से सशक्त एवं अधिक किसान हितैषी बनाने के लिये ग्वालियर जिले में विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। इस सिलसिले में कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने जिला सहकारी बैंक व उसकी शाखाओं से जुड़े अधिकारी-कर्मचारियों की बैठक लेकर जमा बढ़ाने, बकाया ऋणों की प्रभावी वसूली, ऋण वितरण और नवीन सदस्यता अभियान को गति देने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने जिला सहकारी बैंक एवं उसकी शाखाओं से बकाया राशि की वसूली के लिये विशेष कार्ययोजना बनाने और हर माह का लक्ष्य निर्धारित कर वसूली करने के निर्देश दिए। शनिवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई समीक्षा बैठक में कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने कहा कि सहकारी बैंक आर्थिक रूप से मजबूत होंगे तो सरकार की मंशा के अनुरूप अधिक से अधिक किसानों को खेती-किसानी के लिये समय पर ऋण उपलब्ध कराया जा सकेगा। बैठक में जिला सहकारी बैंक की अंशपूंजी, अमानत संग्रहण, ऋण वितरण, बकाया वसूली एवं नवीन सदस्यता अभियान की विस्तार से समीक्षा की गई। सहकारी बैंकों में दुग्ध समितियों, मत्स्य समितियों एवं वनोपज समितियों के सहकारी बैंक में खाते खुलवाने के निर्देश भी कलेक्टर द्वारा दिए गए। बैठक में संयुक्त कलेक्टर श्रीमती जुही गर्ग, जिला सहकारी बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अरस्तू प्रभाकर, जिले की सभी सहकारी बैंक शाखाओं के प्रबंधक एवं मुख्यालय के संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

प्रतिदिन तीन लाख रुपए जमा कराने का लक्ष्य- कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने निर्देश दिए कि सहकारी बैंकों में अमानत संग्रहण (जमा) बढ़ाने के कार्य को चुनौती के रूप में लिया जाए। इसके लिये प्रतिदिन तीन लाख रुपए जमा कराने का लक्ष्य निर्धारित कर योजनाबद्ध ढंग से कार्य किया जाए। उन्होंने कहा कि केवल फोन के माध्यम से संपर्क करने के बजाय संभावित अमानतदारों से व्यक्तिगत संपर्क स्थापित कर उन्हें सहकारी बैंक में धनराशि जमा करने के लाभों की जानकारी दी जाए। साथ ही अमानत संग्रहण अभियान को और अधिक प्रभावी बनाने के लिये स्मार्ट सिटी के कॉल सेंटर का उपयोग करने के लिये भी कहा। उन्होंने जिला सहकारी बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को अधिक अमानत संग्रहण एवं बकाया वसूली करने वाले कर्मचारियों को विशेष प्रोत्साहन देने के निर्देश भी दिए गए।

कोटा- इंदौर इंटरसिटी के नागदा, रतलाम, बड़नगर मार्ग से संचालन के प्रस्ताव को नागदा से समर्थन

यात्री विकास एवं सुझाव मंच ने रेल मंत्री के समक्ष रखे प्रस्ताव का किया समर्थन, क्षेत्र के यात्रियों को मिल सकती है अतिरिक्त सीधी रेल सुविधा

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कोटा-इंदौर इंटरसिटी एक्सप्रेस को नागदा-रतलाम-बड़नगर मार्ग से संचालित करने संबंधी प्रस्ताव को नागदा के यात्री विकास एवं सुझाव मंच ने समर्थन दिया है। रतलाम के हेमंत कोठारी द्वारा रेल मंत्री के समक्ष रखे गए इस प्रस्ताव को मंच ने यात्री सुविधा एवं व्यापक जनहित की दृष्टि से उपयोगी पहल बताया है।

प्रस्ताव के अनुसार, परिचालन व्यवस्था अनुकूल होने पर ट्रेन को इंदौर से सुबह लगभग 8 बजे रवाना होकर बड़नगर, रतलाम एवं नागदा होते हुए दोपहर करीब 2 बजे कोटा पहुंचाने तथा वापसी में कोटा से शाम लगभग 6 बजे रवाना होकर नागदा, रतलाम एवं बड़नगर होते हुए रात करीब 12 बजे इंदौर पहुंचाने की संभावना पर विचार किया जा सकता है।

इंदौर से बड़नगर, रतलाम, नागदा होते हुए कोटा की रेल दूरी लगभग 385 किलोमीटर के आसपास है। सीमित ठहराव एवं उपयुक्त परिचालन व्यवस्था के साथ यह यात्रा लगभग 5 से 5.30 घंटे में पूरी होने की संभावना हो सकती है। हालांकि वास्तविक यात्रा समय एवं समय-सारणी का निर्धारण रेलवे द्वारा मार्ग, परिचालन एवं तकनीकी पहलुओं के परीक्षण के बाद ही किया जा सकेगा।

मंच का मानना है कि इस मार्ग से इंटरसिटी सेवा संचालित होने की स्थिति में इंदौर, बड़नगर, रतलाम, नागदा एवं आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों को कोटा के लिए एक अतिरिक्त सीधी रेल सुविधा मिल सकती है। शिक्षा, चिकित्सा, व्यापार, रोजगार एवं अन्य आवश्यक कार्यों के लिए कोटा आने-जाने वाले यात्रियों को इससे सुविधा मिलने की संभावना है।

यात्री विकास एवं सुझाव मंच के संस्थापक अध्यक्ष एवं संचालक राजेश सकलेचा (भाईजी) ने कहा कि मंच का उद्देश्य यात्री सुविधाओं से जुड़े सुझावों को सकारात्मक एवं रचनात्मक तरीके से सामने रखना है। कोटा-इंदौर इंटरसिटी को नागदा-रतलाम-बड़नगर मार्ग से संचालित करने का प्रस्ताव कई क्षेत्रों के यात्रियों के लिए उपयोगी हो सकता है। मंच इसी यात्री हित की भावना से प्रस्ताव का समर्थन करता है और रेल मंत्रालय से यात्री सुविधा, संभावित यात्री संख्या एवं परिचालन व्यवहारिकता के आधार पर प्रस्ताव पर विचार करने का आग्रह करता है।

मंच के अध्यक्ष नितिन जैन, सचिव रवि चौहान, कोषाध्यक्ष दीपक जैन, परामर्शदाता कैलाश सनोलिया एवं पंकज मारू, संयोजक चेतन यादव, सुनील त्रिवेदी एवं भवानी सिंह देवड़ा, उपाध्यक्ष सुमेर सिंह सिसोदिया, राजा कर्नावट एवं शंकर 'पप्पू' प्रजापत, मीडिया प्रभारी जीवनलाल जैन, पीआरओ गौतम लश्करी सहित अनिल दसेड़ा (जावरा), सी.एम. अतुल, निलेश सोलंकी जैन, प्रमोद कोठारी, हिमांशु ओझा, दिनेश सोलकी, दिनेश सेठिया, अर्जुन राजेरिया, प्रकाश मालपानी, डॉ. सी.एन. शुक्ला एवं भूपेंद्र चौहान ने भी प्रस्ताव का समर्थन किया।

मंच ने रेल मंत्रालय से आग्रह किया कि प्रस्ताव का यात्री सुविधा, क्षेत्रीय आवश्यकता एवं परिचालन व्यवहारिकता के दृष्टिकोण से परीक्षण कर उचित निर्णय लिया जाए। मंच का कहना है कि इंदौर से कोटा के बीच इस मार्ग से बेहतर रेल कनेक्टिविटी की संभावना पर विचार क्षेत्र के यात्रियों के लिए उपयोगी कदम हो सकता है।

'छात्रों की गूंज' को लेकर मालवा कॉलेज में उत्साह, छात्रों ने कराया रजिस्ट्रेशन

देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आगामी 19 सितंबर को नेता प्रतिपक्ष राहुल गाँधी के इंदौर में आयोजित होने वाले 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम को लेकर मालवा इंस्टिट्यूट ऑफ़ साइंस एंड टेक्नोलॉजी कॉलेज इंदौर में छात्रों के बीच खासा उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम को लेकर कॉलेज परिसर में रजिस्ट्रेशन अभियान चलाया गया, जिसमें छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हुए अपना पंजीयन कराया। इस दौरान NSUI अध्यक्ष लक्ष्य पटेल के नेतृत्व में छात्रों से संवाद कर उन्हें कार्यक्रम की जानकारी दी गई और अधिक से अधिक संख्या में सहभागिता के लिए प्रेरित किया गया। अभियान के दौरान हरिओम मकवाना एवं शिवम ठाकुर सहित अन्य छात्र उपस्थित रहे। छात्रों में कार्यक्रम को लेकर उत्साह नजर आया और बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने रजिस्ट्रेशन कर कार्यक्रम में शामिल होने की इच्छा जताई।

महिला एवं बाल विकास गरोठ सेक्टर में पोषण माह कार्यक्रम आयोजन

महिदपुर/ यश असावरा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महिला एवं बाल विकास विभाग के निर्देशन में शनिवार को आंगनबाड़ी केंद्र वार्ड 12 पर राष्टीय पोषण माह का सामूहिक कार्यक्रम आयोजित किया गया इस वर्ष की थीम अनुसार हमारी आंगनबाड़ी हमारी जिम्मेदारी है अंतर्गत रंगोली एवं व्यंजन प्रदर्शनी लगाई गई जिसमें पर्यवेक्षक रेखा सोनी द्वारा समस्त हितग्राहियों को बताया गया बच्चों की सेहत मां के स्वास्थ्य पर निर्भर करती है जिसमें बताया गया कि हमारे भोजन में सारे पोषक तत्व सम्मिलित होने आवश्यक है तिरंगा थाली के बारे में जानकारी दी गई सभी को बताया गया कि हमारे भोजन मे मिनरल्स,कार्बोहाइड्रेट विटामिन आदि सम्मिलित होना कितना आवश्यक है पोषण प्रदर्शनी में सभी पोस्टिक खाद्य सामग्री व फल सब्जियां सभी की प्रदर्शनी लगाई गई व उनकी महत्वता बताई गई लालिमा अभियान एवं कुपोषित बच्चों का शारीरिक माप, चिन्हाकन एवं वृद्धि निगरानी ग्रोथ चार्ट के माध्यम से समुदाय को समझाइश व कुपोषित बच्चों को गरोठ एनआरसी में भर्ती कराने हेतु समझाइश दी गई एवं सभी को पोषण माह की शपथ दिलवाई गई,, बच्चों को खाद्य सामग्री वितरण की गई प्रोग्राम में बच्चों की माताएं, गर्भवती, धात्री माताएं, आंगनवाड़ी कार्यकर्तद्य कल्लो रंगरेज,भागू गाड़िया ,मीना हाडा इंदु नरवाल,बिंदु सोनी,,सहायिका सुनीता एवं अन्य हितग्राही उपस्थित रहे इस प्रकार सभी केंद्रों पर पोषण माह कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।

खरतरगच्छ जैन श्रीसंघ में चल रही हैं विभिन्न कठोर तपस्याएं

महिदपुर/ यश असावरा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पर्युषण पर्व में खरतरगच्छ श्रीसंघ में सिद्धीतप,अठ्ठम तप,अठ्ठाई,उपवास, वर्षीतप, बेला, तेला, आयंबिल तप चल रहे हैं। इसी क्रम में कल्प सूत्र की पुस्तक को मस्तक पर लेकर सिद्धी तप की तपस्वी निशा नाहर लेकर चलीं।इसकी बोली श्रीमती दाखाबाई सुन्दरलाल जी नाहर परिवार ने ली।संयम चौपडा,सौरभ (चींटु) धाड़ीवाल भी यह तप कर रहे हैं।इसी तारतम्य में पांच ज्ञान की बोली माणकभईजी दिनेश सुनील हुक्मीचंद आनंदीलाल सरदारमल अशोक चौपडा माणकलाल धाड़ीवाल परिवार ने ली। परमपूज्य आचार्य श्री महेंद्रसागरजी म सा ने आठ दिवसीय व्याख्यान देने के लिये रायपुर से श्रीमान किशोरजी सराफ सपत्नीक पधारे हैं।आपके द्वारा कल्प सूत्र वाचन चल रहा है। पेपर से परीक्षा लेकर पारितोषिक दिये जा रहे हैं। रात्रि भक्ति का आयोजन रोज हो रहा है।कल मणिधारी गुरुदेव की पूजा सरदारमल मोतीलाल चौपडा परिवार ने महिला व पुरुष मंडल से साज-बाज से पढवाई।सीमा चौपडा ने यह जानकारी दी।

स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं सेवा संकल्प अभियान की तैयारियों को लेकर कलेक्टर ने की समीक्षा

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर 17 सितम्बर से प्रदेश में स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन अभियान तथा सेवा संकल्प अभियान का शुभारंभ किया जाएगा। स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन अभियान के माध्यम से ग्रामीण आबादी को उनकी संपत्ति का विधिक अधिकार प्रदान किया जाएगा, वहीं सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से जनसेवा एवं जनकल्याण की गतिविधियों को व्यापक जनभागीदारी के साथ संचालित किया जाएगा। दोनों अभियानों के सफल क्रियान्वयन एवं निर्धारित कैलेंडर के अनुसार गतिविधियों के आयोजन की तैयारियों को लेकर कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई।

स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन अभियान में 30 हजार से अधिक हितग्राही होंगे लाभान्वित-स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन अभियान के तहत जिले की 240 से अधिक ग्राम पंचायतों में 30 हजार से अधिक हितग्राहियों के स्वामित्व अधिकार अभिलेखों का राज्य शासन द्वारा निःशुल्क पंजीयन कराया जाएगा। हितग्राहियों को राजस्व विभाग के माध्यम से संपत्ति संबंधी दस्तावेज उपलब्ध कराए जाएंगे। रजिस्ट्री के लिए पंचायत उपकर एवं अतिरिक्त स्टाम्प ड्यूटी में छूट का प्रावधान किया गया है।

यह अभियान तीन चरणों में 17 सितम्बर से 3 अक्टूबर तक संचालित किया जाएगा। अभियान के क्रियान्वयन में पंचायत स्तर पर पटवारी निष्पादन अधिकारी होंगे, जबकि पंजीयन अधिकारी के रूप में तहसीलदार, नायब तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक एवं अन्य अधिकृत अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। कलेक्टर ने अभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार कर प्रत्येक पात्र हितग्राही तक इसका लाभ पहुंचाना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

सेवा संकल्प अभियान में जनसेवा के साथ व्यापक जनभागीदारी पर रहेगा जोर- सेवा संकल्प अभियान के तहत 17 सितम्बर को पीजी कॉलेज ऑडिटोरियम, झाबुआ में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। अभियान के प्रथम दिन शाम 7 बजे पूरे जिले में 4 लाख से अधिक 'आशीर्वाद के दीये' प्रज्ज्वलित किए जाएंगे। इसका जिला स्तरीय 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम राजवाड़ा चौक, झाबुआ में आयोजित होगा।

सेवा संकल्प अभियान की अवधि में निर्धारित साप्ताहिक थीम एवं गतिविधि कैलेंडर के अनुसार विभिन्न जनसेवा, जनकल्याण एवं जनभागीदारी आधारित कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इनमें फुटबॉल मैच, स्वच्छता मैराथन, विशेष स्वच्छता ड्राइव तथा सड़क सुरक्षा वाहन रैली सहित अन्य गतिविधियां शामिल होंगी।

कलेक्टर डॉ. भरसट ने संबंधित विभागों को दोनों अभियानों के लिए सौंपे गए दायित्वों का समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन अभियान में प्रत्येक पात्र हितग्राही को लाभान्वित करने तथा सेवा संकल्प अभियान की प्रत्येक गतिविधि में अधिक से अधिक जनभागीदारी सुनिश्चित करने पर विशेष ध्यान दिया जाए। दोनों अभियानों की गतिविधियां निर्धारित कैलेंडर के अनुसार समन्वित एवं प्रभावी रूप से संचालित की जाएं।

बैठक में अपर कलेक्टर श्री सी एस सोलंकी,

प्रत्येक वर्ष घोषित होने वाली अफीम नीति और जिम्मेदार सांसदो की भूमिका पर खड़े होते प्रश्न चिह्न

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नीमच के पूर्व विधायक डाक्टर सम्पत स्वरूप जाजू ने बयान में कहा कि अफ़ीम उत्पादक किसानों को अफ़ीम उत्पादक क्षेत्र के जिम्मेदार प्रतिनिधि जिस तरह से विगत एक दशक से झूठे वादों और जुमलो के माध्यम से भ्रमित कर राजनीतिक रोटिया सेकते हुए भ्रमित कर उनका शोषण कर रहे हैं वह दुर्भाग्य पूर्ण है।

डाक्टर जाजू के अनुसार विगत कई वर्षों से प्रत्येक वर्ष जिम्मेदार जनप्रतिनिधि और किसान संघटन अफ़ीम नीति की घोषणा के पूर्व नाटक करते हुए अफ़ीम सलाहकार समिति की मीटिंगों से लेकर केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण जी से व्यक्ति गत मुलाक़ात करते हुए जो प्रमुख माँग रखते है उनका अफ़ीम नीति से दूर दूर तक कोई सम्बन्ध नहीं है।

डाक्टर जाजू ने कहा कि निम्न प्रमुख मांगे -

1-ऐनडीपीएस की धारा 7/29 में संशोधन की , उसका अफ़ीम नीति से कोई सम्बन्ध नहीं है इस धारा को संसद ही समाप्त/ संशोधित कर सकती है।

सबसे बड़ा प्रश्न है कि अफ़ीम उत्पादक क्षेत्र के जिम्मेदार सांसदो ने धारा 8/29 के समाप्त करने या उसमे संशोधन के बारे में कितनी बार संसद के समक्ष रखा?

अफ़ीम उत्पादक क्षेत्र के किसानो की कई बार से लगातार चुने जाने वाले सांसदो से अपेक्षा है कि वे इस बारे में विगत एक दशक की जानकारी तथ्यों के साथ प्रस्तुत करें।

2- अफ़ीम और डोडा चूरी के मूल्यों में वृद्धि का भी अफ़ीम नीति से कोई संबंध नहीं है। मूल्यों की वृद्धि केंद्रीय राजस्व मंत्रालय जो वित्त मंत्रालय के अंतर्गत आता है जिसकी मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमणजी हैं।

दस वर्ष पूर्व केंद्रीय राजस्व विभाग ने अफ़ीम के मूल्य निर्धारण करने के लिए एक समिति का गठन किया था और उस समिति ने सम्पूर्ण अफ़ीम उत्पादक करने की गहनता से जाँच कर सन् 2016 में ही 87त्न मूल्य बढ़ाने की सिफारिश थी। लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि वित्त मंत्रीजी जिनके पास मूल्य बढ़ाने का अधिकार है उस समिति की सिफारिशों को ठंडे बस्ते में डाल दिया। अफ़ीम उत्पादक क्षेत्र के चुने हुए सांसदो ने आज तक समिति की अनुशंसा को गंभीरता से वित्त मंत्री से स्वीकृत करने की पहल की। वित्तमंत्रीजी कभी भी मूल्य वृद्धि के आदेश दे सकती है । मूल्य वृद्धि का अफ़ीम नीति से कोई लेना ना देना है।

3-अफ़ीम को फ़सल बीमा योजना में शामिल करने की मांग भी अफ़ीम नीति का हिस्सा नहीं है।

अफ़ीम की फसल को फ़सल बीमा में सम्मिलित करने का काम केंद्रीय कृषि मंत्रालय के तहत है।केंद्रीय फसल बीमा योजना (प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना - PMFBY) [केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत आती है और इसके वर्तमान केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह है

शिवराजजी चौहानस्वयं एक किसान है और वे अफ़ीम उत्पादक किसानों की समस्या को भली भाती समझते है लेकिन उन्होंने ने भी अफ़ीम फ़सल को फ़सल बीमा में शामिल करने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए।

डाक्टर जाजू ने अफ़ीम उत्पादक क्षेत्र के सांसदो की तथाकथित कार्यशैली पर आरोप लगाते हुए अनुरोध किया कि यह अफ़ीम उत्पादक क्षेत्र के ज़िम्मेदार जनप्रतिनिधियों का दायित्व और कर्तव्य है कि वे उपरोक्त माँगो को उचित सक्षम मंत्री के सम्मुख रख कर राहत प्रदान करवाते लेकिन वे प्रत्येक वर्ष अफ़ीम नीति आने के पूर्व संसदीय क्षेत्र में मीडिया (प्रिंट, इलेक्ट्रानिक और सोशल) के माध्यम से किसानो को भ्रमित करने वाले बयान देकर उनका शोषण करते हैं।

नीमच में जिला कांग्रेस ने सरकार के खिलाफ खोला मोर्चा, पुलिस से तीखी झड़प, सागर में जहरीली शराब और बालाघाट में बच्चों की मौत पर उबला गुस्सा

उप मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ला के इस्तीफे की मांग पर अड़े कांग्रेसी; थाना प्रभारी के साथ हुई धक्का-मुक्की

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश के सागर जिले में संदिग्ध जहरीली शराब के कारण हुई करीब 33 मौतों और बालाघाट जिले में संक्रामक बीमारियों व कुपोषण से 35 से अधिक मासूम बच्चों की दर्दनाक मौत के मामलों को लेकर पूरे प्रदेश में राजनीति गरमा गई है। इन दोनों भीषण त्रासदियों को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी नीमच द्वारा राज्य सरकार के खिलाफ जोरदार हल्लाबोल, पैदल मार्च, विरोध प्रदर्शन और पुतला दहन किया गया।

गांधी भवन में बैठक के बाद सड़क पर उतरे कांग्रेसी, बारिश में भी जारी रखा प्रदर्शन- गांधी भवन में संगठनात्मक बैठक समाप्त होने के बाद कांग्रेस कार्यकर्ता और पदाधिकारी हाथों में तख्तियां और 10 सिरों वाला विशेष पुतला लेकर सड़क पर उतरे। कांग्रेसी पैदल मार्च करते हुए भारत माता चौराहे की ओर बढ़े। मार्च के दौरान अचानक तेज बारिश शुरू हो गई, जिससे 500 से अधिक लोगों की भीड़ बिखर गई और करीब 50 कार्यकर्ता ही सड़क पर डटे नजर आए। हालांकि जैसे ही बारिश थोड़ी धीमी हुई, तमाम कांग्रेसी पुनः भारत माता चौराहे पर एकत्र हो गए और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी शुरू कर दी।

10 सिरों वाले रावण रूपी पुतले में दिखे मंत्रियों के चेहरे

प्रदर्शन का मुख्य केंद्र बिंदु कांग्रेस द्वारा तैयार किया गया एक अनूठा रावण रूपी कटआउट रहा। इसमें मुख्य केंद्र में मुख्यमंत्री मोहन यादव को दर्शाया गया था, जबकि रावण के अन्य सिरों के रूप में मध्य प्रदेश सरकार के प्रमुख मंत्रियों कैलाश विजयवर्गीय, उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, विश्वास सारंग, निर्मला भूरिया, राजेन्द्र शुक्ला और प्रहलाद पटेल के चेहरे लगाए गए थे। पुतले पर जहरीली शराब से मौतें, नवजात बच्चों की मौत और सरकारी लापरवाही जैसे तीखे नारे लिखे हुए थे। पुलिस प्रशासन और फायर ब्रिगेड की मौजुदगी के बावजूद भारत माता चौराहे पर कांग्रेसियों ने ऐसे 2 पुतले फूँक दिए।

पुलिस और थाना प्रभारी से तीखी झड़प - पुतला दहन को रोकने के लिए मौके पर भारी पुलिस बल तैनात था। इस दौरान पुतला छीनने और आग बुझाने को लेकर कांग्रेसी कार्यकर्ताओं तथा थाना प्रभारी सौरभ शर्मा व पुलिस जवानों के बीच काफी तीखी बहस और धक्का-मुक्की (झड़प) देखने को मिली। पुलिस की मुस्तैदी के बावजूद कांग्रेसी पुतला जलाने में सफल रहे।

स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ला के इस्तीफे पर अड़ी कांग्रेस- प्रदर्शनकारी कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि प्रदेश की भाजपा सरकार की आपराधिक लापरवाही के कारण एक तरफ गरीब जहरीली शराब से अपनी जान गंवा रहे हैं, तो दूसरी तरफ स्वास्थ्य व्यवस्था ध्वस्त होने के कारण मासूम बच्चे असमय काल के कवाल में समा रहे हैं।

कांग्रेसियों ने साफ चेतावनी दी कि जब तक इन मौतों के जिम्मेदार स्वास्थ्य मंत्री व उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला अपना इस्तीफा नहीं देते और पीड़ित परिवारों को न्याय नहीं मिलता, तब तक कांग्रेस का यह आंदोलन सड़क से लेकर सदन तक जारी रहेगा।

सुसनेर विधायक भैरो सिंह बापू का बड़ा आरोप- सुसनेर विधायक भैरो सिंह बापू ने 35 बच्चों की मौत को लेकर मध्य प्रदेश सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि 35 परिवार उजड़े हैं और इसकी जिम्मेदारी मुख्यमंत्री मोहन यादव को लेनी चाहिए। विधायक ने शराब माफिया के बढ़ते प्रभाव को लेकर सरकार को घेरा और मुख्यमंत्री से इस्तीफे की मांग की।

दिलीप सिंह गुर्जर का सरकार पर हमला- पूर्व नीमच-मंदसौर लोकसभा प्रत्याशी दिलीप सिंह गुर्जर ने बच्चों की मौत को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि मामले में कोई भाजपा नेता जवाबदारी लेने को तैयार नहीं है और विरोध के बाद मामला दबा दिया जाता है।

तरुण बाहेती का सरकार पर तीखा हमला- कांग्रेस जिलाध्यक्ष तरुण बाहेती ने मध्य प्रदेश सरकार को विफल और अराजकता का प्रतीक बताते हुए सागर में जहरीली शराब से हुई 35 मौतों और कुपोषण से बच्चों की मौतों का मुद्दा उठाया। उन्होंने मुख्यमंत्री मोहन यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि ÷आप सरकार नहीं चला सकते, तत्काल इस्तीफा दे दीजिए।÷ इसी मांग को लेकर नीमच में कांग्रेस ने विरोध प्रदर्शन और पुतला दहन किया।

प्रदर्शन के दौरान जिला कांग्रेस अध्यक्ष तरुण बाहेती, मुख्य अतिथि जिला कांग्रेस प्रभारी एवं सुसनेर विधायक भैरों सिंह बापू, पूर्व विधायक दिलीप सिंह गुर्जर, प्रभारी चंद्रशेखर शर्मा, हिमांशु जोशी एवं राजीव देवड़ा सहित सेकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नगर परिषद अध्यक्ष उपचुनावः पांचवें दिन भी नहीं खुला नामांकन का खाता

रविवार-सोमवार अवकाश के बाद अब मंगलवार को ही जमा होंगे नामांकन, सिर्फ एक दिन का मौका

सुसनेर/ गिरिराज बंजारिया/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर परिषद सुसनेर अध्यक्ष पद के उपचुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मियां लगातार तेज होती जा रही हैं। नामांकन प्रक्रिया शुरू होने के पांचवें दिन शनिवार को भी किसी दावेदार ने नामांकन पत्र दाखिल नहीं किया। हालांकि अब तक 11 दावेदार नामांकन पत्र ले चुके हैं। जिससे चुनाव मैदान में उतरने वाले संभावित प्रत्याशियों को लेकर चर्चाओं का दौर जारी है। शनिवार को नगर के बाजार सहित प्रमुख स्थानों पर दिनभर अध्यक्ष पद के टिकट को लेकर राजनीतिक चर्चाएं होती रहीं। भाजपा और कांग्रेस दोनों ही प्रमुख दलों द्वारा अब तक अपने अधिकृत प्रत्याशी के नाम की घोषणा नहीं किए जाने से दावेदारों और उनके समर्थकों की नजरें पार्टी के निर्णय पर टिकी हुई हैं। बाजार में अलग-अलग संभावित नामों को लेकर कयास लगाए जाते रहे।

अब केवल मंगलवार को ही जमा होंगे नामांकन- नामांकन प्रक्रिया में अब दावेदारों के लिए समय काफी सीमित रह गया है। रविवार को अवकाश होने के कारण नामांकन दाखिल नहीं होंगे। इसके बाद सोमवार को गणेश चतुर्थी का अवकाश रहेगा। जिसके चलते उस दिन भी नामांकन जमा नहीं किए जा सकेंगे। ऐसे में नामांकन दाखिल करने के लिए अब केवल मंगलवार का एक दिन ही शेष रहेगा। अंतिम दिन बड़ी संख्या में दावेदारों द्वारा नामांकन दाखिल किए जाने की संभावना है।

भाजपा के टिकट पर टिकी नजरें- भाजपा में अध्यक्ष पद के लिए कई नामों को लेकर पहले से ही चर्चाएं चल रही हैं। पार्टी स्तर पर दावेदारों को लेकर सर्वे भी कराया जा चुका है और तीन नामों का पैनल तैयार किए जाने की चर्चा है। अब सभी की नजरें पार्टी के अंतिम निर्णय पर हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के रविवार को आगर दौरे के बाद भाजपा द्वारा रविवार देर रात अथवा सोमवार को प्रत्याशी की घोषणा किए जाने की चर्चाएं राजनीतिक गलियारों में चल रही हैं।

कांग्रेस में भी प्रत्याशी को लेकर मंथन- इधर कांग्रेस ने भी अभी तक अपने अधिकृत प्रत्याशी के नाम की घोषणा नहीं की है। कांग्रेस की ओर से दावेदारी कर रहे विष्णु पाटीदार द्वारा जनसंपर्क किया जा रहा है। पार्टी में भी प्रत्याशी चयन को लेकर मंथन जारी है। ऐसे में कांग्रेस की घोषणा का भी दावेदारों और कार्यकर्ताओं को इंतजार है।

शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता- सांदीपनि विद्यालय सिंगोली के छात्र दिलीप बंजारा का राज्य स्तर पर चयन, उज्जैन संभाग का करेंगे प्रतिनिधित्व

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता के अंतर्गत संभाग स्तर पर सांदीपनि विद्यालय सिंगोली (जिला नीमच) के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करते हुए पूरे जिले का नाम रोशन किया है। प्रतियोगिता में नीमच जिले का प्रतिनिधित्व कर रहे विद्यालय के कक्षा 11वीं के छात्र दिलीप बंजारा का चयन अंडर-17 ट्रिपल जंप (त्रिकूद) में राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए हुआ है।

दिलीप अब आगामी राज्य स्तरीय स्पर्धा में उज्जैन संभाग की टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे।यह संपूर्ण दल खेल शिक्षक मुकेश कुमार भिंडे के मार्गदर्शन और कोच के रूप में संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में शामिल हुआ था।एथलेटिक्स स्पर्धा में सांदीपनि विद्यालय के विद्यार्थियों का शानदार प्रदर्शन:

दिलीप बंजारा (कक्षा 11वीं): अंडर-17 ट्रिपल जंप (त्रिकूद) में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर राज्य स्तर पर चयनित।

सुप्रिया (कक्षा 8वीं): अंडर-14 ऊंची कूद (हाई जंप) में चौथा स्थान।

अलका धाकड़ (कक्षा 9वीं): अंडर-17 200 मीटर दौड़ में चौथा स्थान।

गुलशन (कक्षा 7वीं): अंडर-14 ऊंची कूद (हाई जंप) में पांचवां स्थान।विद्यालय की प्राचार्य किरण जैन ने बताया कि संभाग स्तर पर विद्यालय के विद्यार्थियों ने अपनी खेल प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए यह उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण अंचल के विद्यार्थियों का यह प्रदर्शन उनकी कड़ी मेहनत और निरंतर अभ्यास का परिणाम है। साथ ही उन्होंने उम्मीद जताई कि दिलीप राज्य स्तर पर भी पदक जीतकर नीमच जिले व उज्जैन संभाग का मान बढ़ाएंगे।विद्यार्थियों की इस शानदार उपलब्धि और दिलीप के राज्य स्तर पर चयन होने पर सांदीपनि विद्यालय परिसर में हर्ष का माहौल है। प्राचार्य किरण जैन, खेल शिक्षक मुकेश कुमार भिंडे एवं समस्त विद्यालय परिवार ने सभी प्रतिभागी खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना की तथा छात्र दिलीप बंजारा को राज्य स्तरीय स्पर्धा में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं।

11 दिन बाद फिर बरसे बदरा, गर्मी-उमस से मिली राहत

कहीं तेज तो कहीं रिमझिम बारिश, अगले दो दिन भी बने रहने के आसार- जिले में अब तक औसत 22.18 इंच वर्षा

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। करीब 11 दिन के अंतराल के बाद शनिवार सुबह एक बार फिर जिले में बारिश का दौर शुरू हो गया। सुबह से ही मौसम ने करवट ली और उज्जैन सहित जिले के अलग-अलग क्षेत्रों में कहीं तेज तो कहीं रिमझिम बारिश हुई। बारिश के कारण तापमान में गिरावट आई और पिछले कुछ दिनों से गर्मी व उमस से परेशान लोगों को राहत मिली। मौसम सुहावना होने से शहरवासियों ने भी राहत महसूस की।

उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों बारिश थमने के बाद तेज धूप और उमस का असर बढ़ गया था। दिन के समय गर्मी के साथ वातावरण में नमी बनी हुई थी। ऐसे में शनिवार सुबह अचानक बदले मौसम के बाद बारिश शुरू होने से लोगों को राहत मिली। जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में भी कई स्थानों पर बारिश होने की जानकारी सामने आई है।

अगले दो दिन भी बारिश के आसार- मौसम विशेषज्ञ राजेंद्र गुप्त के अनुसार, जिले में अगले दो दिनों तक मौसम इसी तरह बना रह सकता है। इस दौरान जिले के अलग-अलग हिस्सों में कहीं तेज तो कहीं रिमझिम बारिश होने की संभावना है। मौसम के बदले मिजाज से आने वाले दिनों में अच्छी बारिश की उम्मीद भी बनी है।

औसत 22.18 इंच बारिश, अभी अच्छी बारिश का इंतजार - कलेक्ट्रेट कार्यालय से जारी वर्षा रिपोर्ट के अनुसार जिले में अब तक औसत 22.18 इंच बारिश दर्ज की गई है। हालांकि इस बार जिले में अब तक बारिश का आंकड़ा अपेक्षाकृत कम है। बारिश के बीच भी जिले के कई क्षेत्रों में अच्छी बारिश का इंतजार बना हुआ है। शनिवार को हुई बारिश से किसानों और आम लोगों को आने वाले दिनों में बेहतर वर्षा की उम्मीद जगी है।

जिले में कहां कितनी बारिश- वर्षा रिपोर्ट के अनुसार अब तक उज्जैन में 20.48 इंच, घट्टिया में 19.60 इंच, खाचरौद में 24.52 इंच, नागदा में 25.07 इंच, बड़नगर में 21.14 इंच, महिदपुर में 24.09 इंच, झाड़ में 26.73 इंच, तराना में 24.42 इंच और माकड़ौन में 13.54 इंच बारिश दर्ज की गई है। इन आंकड़ों में झाड़ क्षेत्र में सबसे अधिक 26.73 इंच, जबकि माकड़ौन में सबसे कम 13.54 इंच बारिश दर्ज हुई है। जिले में बारिश का वितरण भी एक समान नहीं रहा है। कहीं अच्छी बारिश हुई है तो कुछ क्षेत्रों में अब भी अच्छी बारिश की जरूरत बनी हुई है।

कमरे में मृत पड़ा मिला होटल में काम करने वाला उस्ताद

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। होटल में काम करने वाले युवक ने मोबाइल रिसीव नहीं किया तो चाचा का पुत्र उसे देखने घर पहुंचा। दरवाजा खुला था युवक मृत पड़ा था। होटल मालिक को बुलाया गया और पुलिस को सूचना दी गई। शनिवार सुबह पोस्टमार्टम कराया गया है संभावना हार्ट अटैक की जताई जा रही है। खाराकुआं थाना पुलिस ने बताया कि शाम को रामबरन बघेल ने सूचना देकर बताया था कि मोदी की गली में किराए से रहने वाले सुरेंद्र पिता जगदीश बघेल 40 साल निवासी भिंड की लाश पड़ी है। पुलिस मौके पर पहुंची तो रामबरन ने बताया कि मृतक सुरेंद्र उसके चाचा का पुत्र है और 4 साल से उज्जैन में सतगुण होटल में मिठाई बनाने का काम करता था। सुबह से फोन नहीं उठा रहा था घर आकर देखा तो मृत पड़ा था। पुलिस द्वारा मामले की जांच शुरू की गई संभावना जताई गई थी सुरेंद्र को हार्ट अटैक हुआ था। मामले में मर्ग कायम किया गया सुबह पोस्टमार्टम कराया गया है परिजनों ने बताया कि सुरेंद्र का पूरा परिवार भिंड में रहता है वह किराए के मकान में अकेला रहता था। उसके चाचा का पुत्र भी उज्जैन में ही अवंतिका गैस लाइन में काम करता है।

सड़क पर पड़ी थी लाश परिजन ले गए घर- शनिवार सुबह बजरंग नगर आगर रोड पर दुकान के सामने एक वृद्ध मृत अवस्था में पड़ा मिला। सूचना मिलने पर चिमनगंज थाना पुलिस और 108 एंबुलेंस पहुंच गई थी पुलिस विवेचना शुरू कर पाती उससे पहले मृतक के परिजन भी मौके पर आ गए थे उन्होंने पुलिस कार्रवाई से इनकार किया और शव अपने साथ घर लेकर चले गए थे बताया जा रहा था कि वृद्ध शराब पीने का आदि था और रात में घर नहीं लौटा था। सहायक उप निरीक्षक दिनेश वरकड़े ने बताया कि परिजन पोस्टमार्टम कराने को तैयार नहीं है उन्होंने किसी पर संदेह भी व्यक्त नहीं किया है। मृतक वृद्ध की बॉडी पर कोई चोट के निशान भी सामने नहीं थे।

एनक्वस की टीम ने शनिवार को भी जिला चिकित्सालय का किया निरीक्षण

खण्डवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला चिकित्सालय सह शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय खंडवा में राष्ट्रीय गुणवत्ता मूल्यांकन प्रणाली अर्थात एनक्वास की टीम के डॉ तेज कुमार माथुर, डॉ अंजू पूनिया, डॉ प्रतिभा साईनाथ अठारे ने शुक्रवार के बाद शनिवार को भी जिला अस्पताल के विभिन्न विभागों का निरीक्षण किया। टीम द्वारा अस्पताल में पैथोलॉजी लैब, ब्लड बैंक, लेबर रूम, आकस्मिक चिकित्सा कक्ष,पोस्ट ऑपरेटिव वार्ड, मेटरनिटी वार्ड, मेल मेडिकल वार्ड, स्क्रीन वार्ड, फीमेल मेडिकल वार्ड, ओपीडी, लॉन्ड्री, किचन,मेजर ओटी, एस.एन.सी.यू. यूनिट, गाइनीक ओ.टी., स्टोर रूम, मरचुरी, पोषण पुनर्वास केंद्र,सीटी स्कैन,एक्स-रे विभाग सहित विभिन्न वार्डों में व्यवस्थाए देखी। इस दौरान टीम ने मरीजों के इलाज की व्यवस्था, स्वच्छता मानक, इंफेक्शन कंट्रोल, उपकरणों की क्रियाशीलता, बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट और रिकॉर्ड संधारण का बारीकी से निरीक्षण किया। टीम ने संबंधित विभागों के चिकित्सकों एवं पैरामेडिकल स्टाफ से चर्चा कर उनके द्वारा किये जा रहे कार्य की जानकारी लेते हुए मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं का प्रत्यक्ष मूल्यांकन किया। निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर ओ.पी. जुगतावत, आर.एम.ओ. डॉक्टर कलमे, मेडिकल कॉलेज के अधीक्षक डॉ रंजीत बडोले, डॉ सुनील बाजोलिया, नोडल अधिकारी डॉ शक्ति सिंह राठौड़, डॉ स्वीटी तिर्की, डॉ रश्मि कौशल सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी एवं पैरामेडिकल स्टाफ उपस्थित था।

शासन और जनता के बीच विश्वास को मजबूत करना अभियान का उद्देश्य : श्री पोरवाल

खरगोन/ अंजु त्रिवेदी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के अंतर्गत ऊन स्थित महालक्ष्मी मंदिर प्रांगण में जनविश्वास शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य आमजन को एक ही स्थान पर विभिन्न शासकीय योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ उपलब्ध कराने के साथ शासन और जनता के बीच विश्वास एवं संवाद को मजबूत करना रहा।

मुख्य अतिथि प्रमुख सचिव खनिज संसाधन विभाग श्री विवेक पोरवाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान का उद्देश्य शासन और जनता के बीच विश्वास को और मजबूत करना है। प्रशासन की कार्यप्रणाली की वास्तविक कसौटी यही है कि आमजन शासकीय सेवाओं से कितना संतुष्ट है और उसके मन में शासन-प्रशासन के प्रति कितना विश्वास है। मुख्यमंत्री जी ने इसी भावना के साथ जनविश्वास अभियान की शुरुआत की है। उन्होंने कहा कि कलेक्टर श्री भव्या मित्तल... श्री गुरु प्रसाद के नेतृत्व में जिले में जनहित से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के साथ किया जा रहा है। प्रशासन द्वारा नवाचार करते हुए अधिकारियों को आमजन के बीच पहुंचकर उनकी समस्याओं को सुनने और मौके पर ही समाधान की दिशा में कार्य करने के प्रयास किए जा रहे हैं। श्री पोरवाल ने कहा कि हमारा प्रयास केवल शिकायत मिलने के बाद उसका निराकरण करना नहीं, बल्कि ऐसी व्यवस्था विकसित करना होना चाहिए कि समस्या उत्पन्न ही न हो।

शासन के विभिन्न कार्यक्रमों में आमजन की भागीदारी महत्वपूर्ण है, लेकिन हमारा लक्ष्य यह भी होना चाहिए कि नियमित रूप से किए जाने वाले कार्यों और प्रभावी प्रशासनिक व्यवस्था के माध्यम से लोगों की समस्याएं पहले ही दूर कर दी जाएं।

जनविश्वास शिविर में लगी पोषण प्रदर्शनी, कलेक्टर ने किया अवलोकन

खाचरोद/ मुरलीदास बैरागी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा राष्ट्रीय पोषण माह के अंतर्गत विभिन्न पोषण संबंधी गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार को ग्राम घिनौदा में आयोजित मुख्यमंत्री जनविश्वास शिविर में परियोजना खाचरौद-1 की आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा पोषण प्रदर्शनी लगाई गई मिशन नीव

कार्यक्रम के जिला समन्वयक लोकेन्द्र तंवर के अनुसार प्रदर्शनी में स्थानीय एवं पौष्टिक खाद्य पदार्थों के साथ संतुलित आहार, बच्चों, गर्भवती एवं धात्री माताओं के लिए आवश्यक पोषण संबंधी जानकारी प्रदर्शित की गई। जिला कलेक्टर रोशन कुमार सिंह ने पोषण प्रदर्शनी का अवलोकन कर प्रदर्शित सामग्री की जानकारी ली तथा पोषण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के प्रयासों की सराहना की जिला कार्यक्रम अधिकारी ब्रजेश त्रिपाठी ने बताया की पोषण माह के तहत आंगनवाड़ी केंद्रों एवं विभिन्न आयोजनों के माध्यम से समुदाय को संतुलित एवं पौष्टिक आहार के प्रति जागरूक किया जा रहा है। घिनौदा में आयोजित प्रदर्शनी में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने विभिन्न पोषण सामग्री एवं खाद्य पदार्थों के माध्यम से लोगों को स्वस्थ एवं संतुलित आहार का महत्व समझाया।

इस अवसर पर जिला कार्यक्रम अधिकारी ब्रजेश त्रिपाठी, परियोजना अधिकारी मनोज जाट,मुकेश वर्मा, पर्यवेक्षक भारती पंचोली, सुनीता साहनी, गायत्री वर्मा, मंगला राठौर, नीता कुशवाह एवं मीनू गुप्ता सहित आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

चेकिंग मे पकड़ाये तो कबूली वाहन चोरी की वारदात

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। महाकाल मंदिर क्षेत्र से वाहन चोरी करने वाले दो युवकों को पुलिस ने पकड़ा है एक युवक नाबालिग है दोनों की निशानदेही पर एक बाइक और एक्टिवा बरामद की गई है महाकाल थाना प्रभारी गगन बादल ने बताया कि कोट मोहल्ला चौराहा पर वाहन चेकिंग का पॉइंट लगाया गया था। इस दौरान बिना नंबर की बाइक से गुजर रहे युवक को रोकने का प्रयास किया उसने भागने की कोशिश की चेकिंग में लगी टीम ने उसे पीछा कर पकड़ा और पूछताछ की तो उसने गोंड बस्ती से बाइक चुराना कबूल कर लिया उसे थाने लाया गया और सख्ती से अन्य वाहन चोरी के संबंध में पूछताछ शुरू की गई। उसने अपने नाबालिग साथी के साथ मिलकर चोरी करना कबूल किया। नाबालिग को हिरासत में लिया गया उसके पास से भी चोरी की एक्टिवा बरामद हो गई उसने एक्टिवा नीलकंठ द्वारा के पास से चुराई थी जो महाकाल मंदिर महिला सिक्योरिटी गार्ड की थी। थाना प्रभारी ने बताया कि बाइक के साथ हिरासत में आया युवक मयंक कौशल निवासी नीमनवासा का रहने वाला है उसका नाबालिग साथी जयसिंहपुरा में रहता है। दोनों के खिलाफ वाहन चोरी का प्रकरण दर्ज किया गया है। एक को बाल न्यायालय और दूसरे को न्यायालय में पेश किया गया है।

12 सितम्बर, 2026 को आयोजित नेशनल लोक अदालत में हुआ प्रकरणों का

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। श्री महेन्द्र कुमार जैन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश / अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, की अध्यक्षता में 12 सितम्बर को जिला न्यायालय परिसर बडवानी के ए.डी.आर भवन में माँ सरस्वती जी की फोटो पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ किया गया। प्रधान जिला न्यायाधीश श्री जैन द्वारा अपने उद्बोधन में बताया कि लोक अदालत के माध्यम से न्याय आपके द्वार का

संकल्प पूरा होता है। लोक अदालत में ऐसे प्रकरणों को निराकरण किया जाता है जिसमें दोनो पक्षकार अपनी सहमति एवं राजीनामा से उनके प्रकरण का हल निकालते है। लोक अदालत का यह नारा है न कोई जीता ना कोई हारता है विवाद को सोहार्दपूर्ण माहोल में समाधान होता है व आपसी द्वेष मिटता है। साथ ही अधिवक्गाण से लोक अदालत को सफल बनाने की अपील की।

रेलवे स्टेशन से पकड़ाई पंजाब की महिलाओं से मिला मादक पदार्थ

उज्जैन से ले जा रही थी लुधियाना, रिमांड पर पूछताछ जारी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। ट्रेन के माध्यम से मादक पदार्थ डोडाचूरा उज्जैन तक लेकर पहुंची पंजाब की दो महिलाओं को जीआरपी की टीम ने पकड़ा है। उनके पास मौजूद बिट्ठू और ट्रॉली बैग में 75 किलो मादक पदार्थ भरा मिला। दोनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट का प्रकरण दर्ज कर विवेचना की जा रही है।

जीआरपी निरीक्षक सुनील कुमार गुप्ता ने बताया कि यात्रियों की सुरक्षा को लेकर प्लेटफार्म पर लगातार चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। सीआरपी टीम को चेकिंग के दौरान जानकारी मिली थी कि प्लेटफार्म नंबर 8 पर दो महिलाएं खड़ी है जिनके पास बड़ी मात्रा में मादक पदार्थ है। उप निरीक्षक बिजेंद्र सिंह कुशवाहा ने टीम के साथ घेराबंदी की और महिलाओं को मुखबिर द्वारा बताए गए हुलिए के आधार पर पकड़ा गया। उनके पास ट्रॉली बैग और पिट्ठू बैग था जिसकी तलाशी लेने पर उसमें डोडा चूरा भरा होना सामने आया। महिलाओं को थाने लाया गया जहां मादक पदार्थ का वजन करने पर 75 किलो मिला। प्रारंभिक पूछताछ में दोनों महिलाएं पंजाब के लुधियाना की रहने वाली परमिंदर कौर पति जगतार सिंह 36 वर्ष और जसविंदर कौर उर्फ किंदर पति बलविंदर कौर 47 वर्ष है। दोनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट का प्रकरण दर्ज किया गया है शनिवार को न्यायालय में पेश कर रिमांड पर लिया गया। दोनों से पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि मादक पदार्थ कहां से लेकर आई थी और कहां जा रही थी उनकी ट्रेन ट्रैवलिंग हिस्ट्री भी पता की जा रही है। बरामद किया गया डोडा चूरा 2 लाख कीमत का है। कार्रवाई में उपनिरीक्षक बिजेंद्र सिंह कुशवाह, आरक्षक राहुल राजपूत, रवि बघेल, राजेश पाटीदार, करतार यादव, महिला रक्षण शिल्पा मोगिया, मोनिका श्रीवास्तव का सहयोग रहा।

जहर खाने वाले मजदूर की अस्पताल में मौत

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शराब पीने के आदि मजदूर ने शुक्रवार को जहरीला पदार्थ खा लिया परिवार अस्पताल लेकर पहुंचा लेकिन रात में उसकी मौत हो गई। जहर खाकर आत्महत्या का कारण सामने नहीं आया है पुलिस ने मामले की जांच शुरू की है। भेरूगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम गढ़ा में रहने वाला रामेश्वर पिता मायाराम 50 साल मजदूरी करता था और एक बच्चे का पिता था शाम को वह घर पहुंचा था कुछ देर बाद उसकी हालत बिगड़ गई परिवार ने उल्टियां करते देखा तो उपचार के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे डॉक्टर ने जहरीला पदार्थ खाना बताया और भर्ती किया। रात में रामेश्वर की मौत हो गई। पुलिस में सूचना मिलने पर मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम कराया है। भाई जगदीश ने बताया कि शराब पीने का आदी था और दो दिन पहले ही रामदेवरा दर्शन कर लौटा था उसने जहर क्यों खाया इसकी वजह पता नहीं है घर में कोई वाद विवाद भी नहीं हुआ था पुलिस का कहना था कि परिजनों के बयान दर्ज कर मामले की जांच शुरू की जाएगी।

ज्वेलर्स की दुकान में घुसी महिला, शोकेस से सोने के जेवरों की ट्रे उड़ाई

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भागसीपुरा स्थित श्री यमुना ज्वेलर्स की दुकान में दिनदहाड़े तीन महिलाओं ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया। एक महिला दुकान के अंदर घुसी और शोकेस टेबल के भीतर रखी सोने के जेवरों की ट्रे निकालकर शाल में छिपा ली। इस दौरान ट्रे से कुछ जेवर नीचे गिर गए, जिन्हें महिला ने उठाकर फिर शाल में रख लिया। पूरी वारदात दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई।

फरियादी कैलाश चंद्र सोनी ने पुलिस को बताया कि वह अपने पुत्र विक्रम सोनी के साथ दुकान संचालित करते हैं। 26 अगस्त को दोपहर करीब 3.30 बजे विक्रम किसी काम से फ्रीगंज गया था। शाम करीब 4 बजे कैलाश बाथरूम जाने के लिए दुकान पड़ोसी दुकानदार के भरोसे छोड़कर गए। लौटे तो दुकान के गेट पर लगी बेंच कुछ हटी हुई थी। अंदर जाकर देखा तो कांच की शोकेस टेबल में रखी जेवरों की ट्रे गायब थी। ट्रे में 20 सोने की नथ, 10 जोड़ छोटी बालियां, 10 छोटे पेंडल, बच्चों की दो अंगूठियां, तीन जोड़ टाप्स और पांच जोड़ टाप्स के लटकन रखे थे। फुटेज देखने पर दुकान के बाहर तीन महिलाएं नजर आईं। इनमें से एक महिला टेबल खिसकाकर दुकान के अंदर दाखिल हुई और शोकेस से ट्रे निकालकर शाल में छिपाती दिखाई दी। पुलिस ने फुटेज के आधार पर महिलाओं की तलाश शुरू कर दी है।

कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक की अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक आयोजित

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आगामी त्यौहारों एवं पर्वो को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट एवं पुलिस अधीक्षक श्री देवेंद्र पाटीदार की अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में आगामी पर्वो के शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण आयोजन, आवश्यक व्यवस्थाओं तथा सुरक्षा संबंधी तैयारियों पर चर्चा की गई। साथ ही शांति समिति के सदस्यों से सुझाव प्राप्त किए गए।

कलेक्टर डॉ. भरसट ने सभी को आगामी पर्वो की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जिले में सभी वर्ग एवं पंथ आपसी सद्भाव, उत्साह और शांतिपूर्ण वातावरण में पर्व मनाएं। शांतिपूर्ण आयोजन के लिए प्रशासन के साथ समाज की सहभागिता एवं जिम्मेदारी भी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि गणेशोत्सव के दौरान पंडालों में सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं तथा विसर्जन के लिए निर्धारित पारंपरिक मार्ग का पालन किया जाए। पंडालों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा एवं सकारात्मक वातावरण को बढ़ावा दिया जाए।

कलेक्टर ने शांति समिति के सदस्यों एवं विभिन्न सामाजिक वर्गो से 17 सितम्बर को सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित होने वाले रक्तदान शिविर में बढ़-चढ़कर सहभागिता करने और अधिक से अधिक लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित करने की अपील भी की।

पुलिस अधीक्षक श्री देवेंद्र पाटीदार ने कहा कि जिले में थाना स्तर पर भी शांति समिति की बैठकें आयोजित की जा रही हैं। आयोजन समितियों एवं पंडाल प्रभारियों से निरंतर संपर्क रखा जाएगा। उन्होंने पंडालों में रात्रि के समय एक-दो जिम्मेदार व्यक्तियों की उपस्थिति सुनिश्चित करने तथा सुरक्षा की दृष्टि से सीसीटीवी कैमरे लगाने की बात कही।

उन्होंने बताया कि पर्वो के दौरान रात्रिकालीन पुलिस पेट्रोलिंग लगातार जारी रहेगी। तेज रफ्तार से वाहन चलाने वाले बाइक समूहों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसके साथ ही सोशल मीडिया की नियमित मॉनिटरिंग की जा रही है, ताकि किसी भी भ्रामक अथवा शांति व्यवस्था प्रभावित करने वाली गतिविधि पर समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

बैठक के दौरान शांति समिति के सदस्यों ने आगामी पर्वों के आयोजन एवं व्यवस्थाओं के संबंध में अपने सुझाव एवं विचार रखे, जिन पर कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक में अपर कलेक्टर श्री सी एस सोलंकी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री प्रतिपाल सिंह महोबिया, शांति समिति के सदस्य एवं अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

चारखेड़ा में वन विभाग का रोजगार मेला सम्पन्न

खण्डवा /दैनिक मालवा हेराल्ड। युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने और उन्हें देश की प्रतिष्ठित कंपनियों से सीधे जोड़ने की दिशा में वन विभाग द्वारा खंडवा जिले में एक महत्वपूर्ण एवं अभिनव पहल करते हुए शनिवार को चारखेड़ा के बटरफ्लाई पार्क में वृत्त स्तरीय रोजगार मेले का आयोजन किया गया। मेले का शुभारंभ प्रदेश के जनजातीय कार्य विभाग के मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर सीसीएफ खंडवा श्री बसु कनोजिया एवं डीएफओ खंडवा श्री राकेश कुमार डामोर सहित वन विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने वन विभाग खंडवा की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। इस प्रकार के रोजगार मेले युवाओं और रोजगार प्रदाता कंपनियों के बीच सीधा संपर्क स्थापित करने का प्रभावी माध्यम हैं। मंत्री डॉ विजय शाह ने कहा कि वन विभाग खंडवा

द्वारा आयोजित यह रोजगार मेला इस बात का उदाहरण है कि वन विभाग केवल वन एवं पर्यावरण संरक्षण तक सीमित न रहते हुए वन क्षेत्रों एवं आसपास निवास करने वाले युवाओं के सामाजिक एवं आर्थिक विकास के लिए भी निरंतर कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि युवाओं को रोजगार से जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में विभाग की यह पहल निश्चित रूप से महत्वपूर्ण कदम है। मंत्री डॉक्टर विजय शाह ने इस अवसर पर संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए इस तरह के रोजगार मिले आयोजित कर रही है। उन्होंने कहा कि जनजातीय वर्ग के युवाओं को बेहतर रोजगार दिलाने के लिए सरकार हर संभव मदद कर रही है। जनजातीय वर्ग के युवाओं को उच्च शिक्षित करने, तथा उच्च शिक्षा के लिए विदेश जाने पर छात्रवृत्ति एवं आर्थिक सहायता के रूप में भी सरकार मदद देती है। मंत्री डॉ. शाह ने कहा कि हरसूद एवं खालवा क्षेत्र के जनजातीय वर्ग के कम पढ़े लिखे हुए युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए उन्हें सिक्योरिटी गार्ड या हैवी व्हीकल ड्राइवर का भी प्रशिक्षण एवं लाइसेंस दिलाया जाएगा ताकि वे पहले से अधिक आय प्राप्त कर सकें। डीएफओ श्री राकेश डामोर ने बताया कि वन विभाग खंडवा द्वारा आयोजित इस रोजगार मेले में देश की 50 से अधिक कंपनियों ने सहभागिता की। रोजगार की तलाश कर रहे क्षेत्र के युवाओं के लिए वन विभाग की यह पहल एक महत्वपूर्ण अवसर साबित हुई। मेले में 5वीं, 8वीं, 10वीं एवं 12वीं पास तथा स्नातक की पढ़ाई पूर्ण नहीं कर सके युवाओं सहित 1000 से अधिक युवक-युवतियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रोजगार मेले में आयोजित चयन प्रक्रिया के माध्यम से लगभग 500 युवक-युवतियों का चयन विभिन्न कंपनियों में रोजगार के लिए किया गया। चयनित युवाओं को संबंधित कंपनियों द्वारा दो माह का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत दिव्यांगजनों एवं वृद्धजनों के परीक्षण एवं चिन्हांकन शिविर

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासन के निर्देशानुसार सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत "मेरी सेवा मेरा योगदान" के क्रम में कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट के मार्गदर्शन में सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, झाबुआ द्वारा ALIMCO, उज्जैन के सहयोग से जिले के सभी विकासखण्डों में शिविर आयोजित किए जाएंगे। शिविरों में ADIP एवं राष्ट्रीय वयोश्री योजना अंतर्गत पात्र दिव्यांगजनों एवं वृद्धजनों का परीक्षण एवं मूल्यांकन कर आवश्यक सहायक उपकरणों के लिए चिन्हांकन किया जाएगा।शिविर प्रातः 11 बजे से दोपहर 4 बजे तक आयोजित होंगे। निर्धारित कार्यक्रम अनुसार 15 सितम्बर को जनपद सभाकक्ष रामा, 16 सितम्बर को जनपद सभाकक्ष थांदला, 17 सितम्बर को जिला दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र झाबुआ, 18 सितम्बर को जनपद सभाकक्ष मेघनगर, 22 सितम्बर को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र (पुराना अस्पताल) पेटलावद तथा 23 सितम्बर को जनपद पंचायत प्रांगण राणापुर में शिविर आयोजित किए जाएंगे। ऐसे दिव्यांगजन एवं वृद्धजन, जिन्हें विगत 3 वर्षों में किसी शासकीय योजना के अंतर्गत सहायक सामग्री अथवा उपकरण प्राप्त नहीं हुए है, शिविर में पात्रतानुसार लाभ प्राप्त कर सकेंगे।

ADIP योजना अंतर्गत दिव्यांगजन को UDID कार्ड, आधार कार्ड, दिव्यांगता प्रमाण-पत्र, BPL कार्ड/मनरेगा जॉब कार्ड अथवा आय प्रमाण-पत्र तथा 2 पासपोर्ट साइज फोटो साथ लाना अनिवार्य होगा। BPL कार्ड नहीं होने की स्थिति में निर्धारित आय सीमा संबंधी सक्षम अधिकारी अथवा सरपंच द्वारा जारी आय प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किया जा सकेगा। राष्ट्रीय वयोश्री योजना अंतर्गत वृद्धजनों को आधार कार्ड, BPL कार्ड/मनरेगा जॉब कार्ड अथवा आय प्रमाण-पत्र तथा 2 पासपोर्ट साइज फोटो साथ लाना होगा।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

भस्म आरती में नहीं पहुंच पाए तो अब 3 डी में होंगे लाइव दर्शन

दुर्लभ दर्शन केंद्र पर सुबह 4:30 से 6:30 बजे तक नि:शुल्क सुविधा

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भगवान महाकाल की भस्म आरती के प्रत्यक्ष दर्शन से वंचित श्रद्धालुओं के लिए महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति नई सुविधा शुरू करने जा रही है। अब श्रद्धालु 3 डी तकनीक के जरिए भस्म आरती का लाइव दर्शन कर सकेंगे। तकनीक के माध्यम से भस्म आरती का दृश्य श्रद्धालुओं को सजीव और विशेष अनुभव देगा।

यह सुविधा खासतौर पर उन श्रद्धालुओं के लिए उपयोगी होगी, जो भस्म आरती में प्रत्यक्ष रूप से शामिल नहीं हो पाते। चलित दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालु मानसरोवर स्थित दुर्लभ दर्शन केंद्र पर सुबह 4:30 से 6:30 बजे तक निःशुल्क 3 डी भस्म आरती दर्शन कर सकेंगे। 3 डी दर्शन के बाद श्रद्धालुओं को महाकाल के सामान्य दर्शन की सुविधा भी मिलेगी।

भक्ति के साथ तकनीक का नया अनुभव- मंदिर समिति का उद्देश्य श्रद्धालुओं को भस्म आरती की धार्मिक और आध्यात्मिक अनुभूति तकनीक के माध्यम से और करीब से कराना है। 3 डी स्वरूप में भस्म आरती के दर्शन देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए अलग तरह का अनुभव होंगे। समिति की यह पहल आस्था और आधुनिक तकनीक के संगम के रूप में देखी जा रही है।

कम वर्षा को देखते हुए रबी में कम पानी वाली फसलों को दें प्राथमिकता

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह के मार्गदर्शन में आत्मा योजना अंतर्गत शनिवार को विकासखंड महिदपुर के ग्राम मकला में कृषक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती कृष्णाबाई शिवनारायण सूर्यवंशी की अध्यक्षता में आयोजित संगोष्ठी में संयुक्त संचालक कृषि श्री आर.पी.एस. नायक विशेष अतिथि तथा उपसंचालक कृषि एवं परियोजना संचालक आत्मा श्री के.एस. कैन की उपस्थिति रही।

संगोष्ठी में किसानों को वर्तमान कृषि परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए रबी मौसम की तैयारियों एवं फसल चयन के संबंध में महत्वपूर्ण तकनीकी मार्गदर्शन दिया गया। कम वर्षा की स्थिति को देखते हुए किसानों को आगामी रबी मौसम में कम पानी की आवश्यकता वाली फसलों को प्राथमिकता देने तथा फसल विविधीकरण अपनाने की सलाह दी गई।

अधिकारियों ने किसानों को फार्मर आईडी बनवाने के महत्व की जानकारी देते हुए इसे समय पर अपडेट कराने के लिए प्रेरित किया। साथ ही ई-टोकन के माध्यम से उर्वरक का अग्रिम उठाव करने की प्रक्रिया एवं इसके लाभों के बारे में विस्तार से बताया गया।

कृषि अधिकारियों ने कहा कि बदलती मौसम परिस्थितियों में किसानों को पारंपरिक फसल पद्धति के साथ-साथ फसल विविधीकरण, उपलब्ध जल संसाधनों का बेहतर प्रबंधन और वैज्ञानिक कृषि तकनीकों को अपनाना चाहिए। इससे कृषि में जोखिम कम करने के साथ उत्पादन एवं आय को स्थिर रखने में मदद मिल सकती है।

सोमवार को विराजेंगे श्री गणेश.. मिट्टी की मूर्तियां की बढ़ी मांग

दो से 10 फीट तक के गणेश स्वरूप तैयार- प्राकृतिक और देसी रंगों से सजावट

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। गणेशोत्सव को लेकर शहर में तैयारियां तेज हो गई हैं। बाजार में इस बार मिट्टी से बनी गणेश प्रतिमाओं की मांग बढ़ी है। घरों से लेकर सार्वजनिक पंडालों तक में पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए मिट्टी के गणेश विराजित करने की तैयारी की जा रही है। शहर के मूर्तिकार इन दिनों दिन-रात प्रतिमाओं को अंतिम रूप देने में जुटे हैं। दो से लेकर 10 फीट तक की प्रतिमाएं तैयार की जा रही हैं। गणेश प्रतिमाओं की स्थापना 14 सितंबर से होगी।

मूर्तिकारों के यहां भी गणेश प्रतिमाओं को अंतिम रूप देने का काम चल रहा है। उनका कहना है कि इस बार श्रद्धालुओं में मिट्टी से बनी प्रतिमाओं को लेकर खासा उत्साह है। पारंपरिक गणेश स्वरूपों के साथ अलग-अलग थीम और आकर्षक रूप वाली प्रतिमाओं की भी मांग की जा रही है। मूर्तिकारों के अनुसार मिट्टी की प्रतिमाओं को तैयार करने में शुद्ध मिट्टी का इस्तेमाल किया जा रहा है। प्रतिमाओं को आकर्षक बनाने के लिए प्राकृतिक और देसी रंगों का उपयोग किया जा रहा है। मिट्टी की प्रतिमाएं विसर्जन के बाद आसानी से घुल जाती हैं, जिससे जलस्त्रोतों और पर्यावरण पर अपेक्षाकृत कम असर पड़ता है। इसी कारण लोगों को मिट्टी के गणेश स्थापित करने के लिए लगातार जागरूक किया जा रहा है। गणेश प्रतिमा खरीदने पहुंच रहे श्रद्धालु अब केवल प्रतिमा का आकार और स्वरूप ही नहीं देख रहे, बल्कि उसके निर्माण में इस्तेमाल होने वाली मिट्टी और रंगों की जानकारी भी ले रहे हैं। कई परिवार पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता देते हुए शुद्ध मिट्टी से बनी प्रतिमाएं पसंद कर रहे हैं। मूर्तिकारों के मुताबिक शहर में इस वर्ष बड़ी संख्या में प्रतिमाएं तैयार की जा रही हैं। इनमें करीब 50 प्रतिशत प्रतिमाओं की एडवांस बुकिंग भी हो चुकी है।मूर्तिकारों के अनुसार इस बार प्रतिमा निर्माण में इस्तेमाल होने वाले कच्चे माल के साथ रंगों के दाम भी बढ़े हैं। जिस रंग की कीमत पहले करीब 1500 रुपए किलो थी, वह अब बढ़कर करीब 2000 रुपए किलो तक पहुंच गई है। इसके बावजूद ग्राहकों पर अतिरिक्त बोझ न पड़े, इसका ध्यान रखा गया है। प्रतिमाओं की कीमत में करीब दो प्रतिशत तक ही बढ़ोतरी की गई है।

हुसामी मस्जिद हटाने की कार्रवाई शुरू...8.5 फीट हिस्सा टूटेगा

गोपाल मंदिर के सामने है मस्जिद, बोहरा समाज की सहमति के बाद नगर निगम ने गैलरी का हिस्सा तोड़ा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ से पहले उज्जैन में सड़क चौड़ीकरण और यातायात व्यवस्था सुधारने के लिए चिन्हित निर्माणों पर कार्रवाई तेज हो गई है। इसी कड़ी में शुक्रवार शाम गोपाल मंदिर के पास स्थित दाऊदी बोहरा समाज की हुसामी मस्जिद के सड़क की ओर आने वाले हिस्से को हटाने की कार्रवाई शुरू हुई। नगर निगम की टीम ने मस्जिद की ऊपरी गैलरी पर हथौड़ा चलाकर काम शुरू किया। मस्जिद का करीब 8.5 फीट हिस्सा सड़क चौड़ीकरण की जद में आ रहा है, जिसे हटाया जाना है।

कार्रवाई के दौरान मौके पर यातायात भी रोका गया। नगर निगम अधिकारियों के अनुसार मस्जिद का निर्धारित हिस्सा हटाने की पूरी प्रक्रिया करीब 3 से 4 दिन में पूरी करने का लक्ष्य है। मस्जिद की कुल चौड़ाई करीब 30 फीट बताई गई है।

मस्जिद के हिस्से को हटाने की कार्रवाई को लेकर प्रशासन और बोहरा समाज के बीच पहले बैठक हुई थी। नगर निगम के अनुसार दोनों पक्षों की सहमति के बाद सड़क चौड़ीकरण के लिए निर्धारित हिस्से को हटाने का निर्णय लिया गया। कार्रवाई के दौरान मौके पर स्थिति शांतिपूर्ण रही और किसी विवाद की सूचना नहीं है।

सात दुकानों के कारण रुका काम- मस्जिद के नीचे करीब सात दुकानें संचालित हैं। ये दुकानदार मस्जिद के किराएदार बताए गए हैं। कार्रवाई शुरू होते ही दुकानदारों ने अपना सामान हटाने के लिए समय मांगा। इसके बाद नगर निगम की टीम ने फिलहाल काम रोक दिया। अधिकारियों का कहना है कि दुकानों से सामान पूरी तरह हटने के बाद मस्जिद के बाकी निर्धारित हिस्से को हटाने का काम फिर शुरू किया जाएगा।

कोयला फाटक रोड चौड़ीकरण का हिस्सा- नगर निगम के भवन अधिकारी राजकुमार राठौर के अनुसार गोपाल मंदिर के सामने स्थित हुसामी मस्जिद दाऊदी बोहरा समाज की है। यहां कार्रवाई कोयला फाटक रोड के चौड़ीकरण के तहत की जा रही है। सड़क की ओर मस्जिद का करीब 8.5 फीट हिस्सा निर्माण की जद में आ रहा है। इसे हटाने के बाद सड़क को चौड़ा करने का रास्ता साफ होगा।

सिंहस्थ से पहले शहर का ढांचा बदलने की तैयारी- सिंहस्थ 2028 को देखते हुए उज्जैन में सड़क, चौराहों और यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए बड़े स्तर पर निर्माण और चौड़ीकरण के काम चल रहे हैं। कई स्थानों पर सड़क की जद में आने वाले पुराने निर्माण हटाए जा रहे हैं। प्रशासन का कहना है कि सड़क चौड़ीकरण की सीमा में आने वाले सभी धर्मों के चिन्हित धार्मिक स्थलों और अन्य निर्माणों पर तय प्रक्रिया के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। हुसामी मस्जिद पर हुई कार्रवाई भी इसी व्यापक सड़क चौड़ीकरण योजना का हिस्सा है। खास बात यह है कि इस मामले में नगर निगम और बोहरा समाज के बीच सहमति बनने के बाद कार्रवाई शुरू हुई है।

अब आगे क्या होगा- नगर निगम की टीम फिलहाल दुकानों से सामान हटने का इंतजार करेगी। इसके बाद मस्जिद के सड़क की ओर आने वाले शेष हिस्से को हटाने का काम आगे बढ़ाया जाएगा। अधिकारियों के मुताबिक करीब 8.5 फीट हिस्सा हटाने की प्रक्रिया 3 से 4 दिन में पूरी करने का प्रयास है। इसके बाद सड़क चौड़ीकरण के काम को आगे बढ़ाया जाएगा।

NDRF की टीम ने ग्राम पंचायत रामबासा में आपदा प्रबंधन एवं जीवन रक्षक तकनीकों का दिया प्रशिक्षण

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। 11वीं बटालियन राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (NDRF) की 11-रू टीम द्वारा ग्राम पंचायत रामवासा में Community Awareness Programme (CAP) आयोजित किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व SI/GD राकेश कुमार द्वारा किया गया।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों को NDRF की भूमिका एवं परिचय, भूकंप से बचाव एवं तैयारियां, सॉफ्ट टिश्यू इंजरी, रक्तस्राव नियंत्रण, इम्प्रोवाइज्ड स्ट्रेचर, CPR एवं FBAO, आपातकालीन एवं गैर-आपातकालीन निकासी तकनीक, सर्पदंश से बचाव तथा इम्प्रोवाइज्ड फ्लोटिंग डिवाइस के संबंध में व्यावहारिक प्रशिक्षण एवं महत्वपूर्ण जानकारी दी गई।

कार्यक्रम में NDRF टीम द्वारा आमजन को आपदा के समय संयम बनाए रखने, प्राथमिक उपचार एवं बचाव तकनीकों की जानकारी रखने तथा आपात स्थिति में सुरक्षित एवं त्वरित प्रतिक्रिया देने के लिए जागरूक किया गया।